NTA UGC NET-JRF/SET
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप
पात्रता हेतु

हिन्दी

हल प्रश्न-पत्र

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन
यू.जी.सी. हिन्दी परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com
© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग और सुझाव सादर अपेक्षित है

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

- यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी परीक्षा नवीन पाठ्यक्रम 3-4
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2004 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 5-13
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2005 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 14-21
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2005 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 22-28
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2006 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 29-36
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2006 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 37-43
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2007 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 44-51
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2007 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 52-59
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2008 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 60-67
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2008 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 68-74
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2009 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 75-81
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2009 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 82-88
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2010 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 89-95
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2010 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 96-103
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2011 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 104-110
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2011 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 111-117
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2012 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 118-124
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2012 : तृतीय प्रश्न-पत्र 125-136
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2012 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 137-144
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2012 : तृतीय प्रश्न-पत्र 145-156
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 157-163
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र 164-174
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 175-181
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र 182-192
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2014 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 193-200
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2014 : तृतीय प्रश्न-पत्र 201-211
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2014 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 212-219
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2014 : तृतीय प्रश्न-पत्र 220-231
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2015 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 232-241
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2015 : तृतीय प्रश्न-पत्र 242-251
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2015 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 252-259
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2015 : तृतीय प्रश्न-पत्र 260-270
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जुलाई) परीक्षा, 2016 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 271-280
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जुलाई) परीक्षा, 2016 : तृतीय प्रश्न-पत्र 281-294
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जनवरी) परीक्षा, 2017 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 295-303
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जनवरी) परीक्षा, 2017 : तृतीय प्रश्न-पत्र 304-317
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (नवम्बर) परीक्षा, 2017 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 318-325
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (नवम्बर) परीक्षा, 2017 : तृतीय प्रश्न-पत्र 326-336
- यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जुलाई) परीक्षा, 2018 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 337-352
- यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2018 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 353-368
- यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2019 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 369-386
- यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2019 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 387-404
- यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2020 : द्वितीय प्रश्न-पत्र (प्रथम पाली) 405-418
- यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2020 : द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली) 419-432
- यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (दिसम्बर-2020/जून-2021) परीक्षा : द्वितीय प्रश्न-पत्र (प्रथम पाली) 433-448
- यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (दिसम्बर-2020/जून-2021) परीक्षा : द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली) 449-464
- यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ हिन्दी (दिसम्बर-2021/जून-2022) परीक्षा : द्वितीय प्रश्न-पत्र (प्रथम पाली) 465-480
- यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ हिन्दी (दिसम्बर-2021/जून-2022) परीक्षा : द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली) 481-496
- यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ हिन्दी (दिसम्बर-2022) परीक्षा : द्वितीय प्रश्न-पत्र (प्रथम पाली) 497-519
- यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ हिन्दी (दिसम्बर-2022) परीक्षा : द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली) 520-540
- यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ हिन्दी (जून-2023) परीक्षा : द्वितीय प्रश्न-पत्र (प्रथम पाली) 541-558
- यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ हिन्दी (जून-2023) परीक्षा : द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली) 559-576
- यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ हिन्दी (दिसम्बर-2023) परीक्षा : द्वितीय प्रश्न-पत्र 577-600

यूजीसी NTA नेट हिन्दी : नवीन पाठ्यक्रम

इकाई-I

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं–पालि, प्राकृत– शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, अपभ्रंश अवहट्ठ, और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तारः हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियाँ। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं। हिन्दी के विविध रूपः हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी। हिन्दी का भाषिक स्वरूपः हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था– खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना– लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप, हिन्दी – वाक्य – रचना। हिन्दी भाषा – प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा। संचार माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। देवानागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

इकाई-II : हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियां

हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण, आदिकाल की विशेषताएं एवं साहित्यिक प्रवृतियां, रासो-साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य

भक्तिकाल

भक्ति-आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, भक्तिआंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य।

भक्ति काव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त। भक्ति काव्य के प्रमुख सम्प्रदाय और उनका वैचारिक आधार। निर्गुण-सगुण कवि और उनका काव्य।

रीतिकाल

सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) रीतिकवियों का आचार्यत्व।

रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य

आधुनिक काल

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास। भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका युग, पत्रकारिता का आरम्भ और 19वीं शताब्दी की हिन्दी पत्रकारिता, आधुनिकता की अवधारणा।

द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवि, स्वछन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।

छायावाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएं, छायावाद के प्रमुख कवि, प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक) समकलीन साहित्यिक पत्रकारिता।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएं

हिन्दी उपन्यास : भारतीय उपन्यास की अवधारणा। प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग।

हिन्दी कहानी : हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास, 20वीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आंदोलन एवं प्रमुख कहानीकार।

हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण, भारतेन्दुयुग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तर युग और नया नाटक, प्रमुख नाट्यकृतियाँ, प्रमुख नाटककार (वर्ष 2000 तक)। हिन्दी एकांकी। हिन्दी रंगमंच और विकास के चरण, हिन्दी का लोक रंगमंच। नुक्कड़ नाटक।

हिन्दी निबंध : हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास, हिन्दी निबंध के प्रकार और प्रमुख निबंधकार।

हिन्दी आलोचना– हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास। समकालीन हिन्दी आलोचना एवं उसके विविध प्रकार। प्रमुख आलोचक।

हिन्दी की अन्य गद्य विधाएं : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज, डायरी।

हिन्दी का प्रवासी साहित्य : अवधारणा एवं प्रमुख साहित्यकार।

इकाई-III : साहित्यशास्त्र

काव्य के लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन। प्रमुख संप्रदाय और सिद्धान्त– रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य। रस निष्पत्ति, साधारणीकरण। शब्दशक्ति, काव्यगुण, काव्य दोष प्लेटो के काव्य सिद्धान्त।

अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त।

वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त।

कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी।

टी.एस.इलिएट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा की अवधारणा।

आई.ए.रिचड्र्स : मूल्य सिद्धान्त, संप्रेषण सिद्धान्त तथा काव्य-भाषा सिद्धान्त।

रूसी रुपवाद, नयी समीक्षा, मिथक, फैण्टेसी, कल्पना, प्रतीक, बिम्ब।

इकाई-IV : वैचारिक पृष्ठभूमि

भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि हिन्दी नवजागरण। खड़ीबोली आन्दोलन। फोर्ट विलियम कॉलेज भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, गांधीवादी दर्शन, अम्बेडकर दर्शन, लोहिया दर्शन, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद, अस्मितामूलक विमर्श (दलित, स्त्री, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक)

इकाई-V : हिन्दी कविता

पृथ्वीराज रासो – रेवा पट

अमीरखुसरो – खुसरों की पहेलियाँ और मुकरियाँ

विद्यापति की पदावली (संपादक –डॉ. नरेन्द्र झा) –पद संख्या 1-25

कबीर - (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी) – पद संख्या 160-209
जायसी ग्रंथावली – (सं. रामचन्द्र शुक्ल) – नागमती वियोग खण्ड
सूरदास–भ्रमरगीत सार– (सं.–रामचन्द्र शुक्ल)–पद संख्या 21 से 70
तुलसीदास – रामचरितमानस, उत्तर काण्ड
बिहारी सतसई – (सं.-जगन्नाथ दास रत्नाकर) – दोहा संख्या 1-50
घनानन्द कवित्त – (सं.-विश्वनाथ मिश्र) – कवित्त संख्या 1-30
मीरा – (सं. विश्वनाथ त्रिपाठी) – प्रारम्भ से 20 पद
अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रियप्रवास
मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारतीय, साकेत (नवम् सर्ग)
जयशंकर प्रसाद – आंसू, कामायनी (श्रद्धा, लज्जा, इड़ा)
निराला – जुही की कली, जागो फिर एक बार, सरोजस्मृति, राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता, बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु।
सुमित्रानन्दन पंत – परिवर्तन, प्रथम रश्मि।
महादेवी वर्मा – बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मै नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र
रामधारी सिंह दिनकर – उर्वशी (तृतीय अंक), रश्मिरथी
नागार्जुन – कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बंदूक, मनुष्य हूँ।
सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय – कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर, असाध्यवीणा, कितनी नावों में कितनी बार।
भवानी प्रसाद मिश्र – गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल
मुक्तिबोध – भूल गलती, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में
धूमिल – नक्सलवाड़ी, मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद

इकाई-VI : हिन्दी उपन्यास

पं. गौरीदत्त – देवरनी जेठानी की कहानी
लाला श्रीनिवास दास – परीक्षा गुरु
प्रेमचन्द – गोदान
अज्ञेय – शेखर एक जीवनी (भाग-1)
हजारी प्रसाद द्विवेदी – बाणभट्ट की आत्मकथा।
फणीश्वर नाथ रेणु – मैला आंचल
यशपाल – झूठा सच
अमृत लाल नागर – मानस का हंस
भीष्म साहनी – तमस
श्रीलाल शुक्ल – रागदरबारी
कृष्णा सोबती – जिन्दगी नामा
मन्नू भंडारी – आपका बंटी
जगदीश चन्द्र – धरती धन न अपना

इकाई-VII : हिन्दी कहानी

राजेन्द्र बाला घोष (बंग महिला) – चन्द्रदेव से मेरी बातें, दुलाईवाली
माधवराव सप्रे – एक टोकरी भर मिट्टी
सुभद्रा कुमारी चौहान – राही
प्रेमचंद – ईदगाह, दुनिया का अनमोल रतन
राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह – कानों में कंगना
चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था
जयशंकर प्रसाद – आकाशदीप
जैनेन्द्र – अपना-अपना भाग्य
फणीश्वरनाथ रेणु – तीसरी कसम, लाल पान की बेगम
अज्ञेय – गैंग्रीन
शेखर जोशी – कोसी का घटवार
भीष्म साहनी – अमृतसर आ गया है, चीफ की दावत
कृष्णा सोबती – सिक्का बदल गया
हरिशंकर परसाई – इस्पेक्टर मातादीन चांद पर
ज्ञानरंजन – पिता
कमलेश्वर – राजा निरबंसिया
निर्मल वर्मा – परिंदे

इकाई-VIII : हिन्दी नाटक

भारतेन्दु – अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा
जयशंकर प्रसाद – चन्द्रगुप्त, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्मामिनी
धर्मवीर भारतीय – अंधायुग
लक्ष्मी नारायण लाल – सिंदूर की होली
मोहन राकेश – आधे-अधूरे, आषाढ़ का एक दिन
हबीब तनवीर – आगरा बाज़ार
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – बकरी
शंकरशेष – एक और द्रोणाचार्य
उपेन्द्रनाथ अश्क – अंजो दीदी
मन्नू भंडारी – महाभोज

इकाई-IX : हिन्दी निबंध

भारतेन्दु – दिल्ली दरबार दर्पण, भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
प्रताप नारायण मिश्र – शिवमूर्ति
बाल कृष्ण भट्ट – शिवशंभू के चिट्ठे
रामचन्द्र शुक्ल – कविता क्या है
हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाखून क्यों बढ़ते है
विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
अध्यापक पूर्ण सिंह – मजदूरी और प्रेम
कुबेरनाथ राय – उत्तराफाल्गुनी के आस-पास
विवेकी राय – उठ जाग मुसाफिर
नामवर सिंह – संस्कृति और सौंदर्य

इकाई-X : आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएं

रामवृक्ष बेनीपुरी – माटी की मूरतें
महादेवी वर्मा – ठकुरी बाबा
तुलसीराम – मुर्दहिया
शिवरानी देवी – प्रेमचन्द घर में
मन्नू भंडारी – एक कहानी यह भी
विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा
हरिवंशराय बच्चन – क्या भूलूँ क्या याद करूँ
रमणिका गुप्ता – आपहुदरी
हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव
कृष्ण चन्दर – जामुन का पेड़
दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय
मुक्तिबोध – एक लेखक की डायरी
राहुल सांकृत्यायन – मेरी तिब्बत यात्रा
अज्ञेय – अरे यायावर रहेगा याद

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2004

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

1. मैथिली का विकास किस अपभ्रंश से माना जाता है?

(A) शौरसेनी अपभ्रंश (B) मागधी अपभ्रंश
(C) अर्धमागधी अपभ्रंश (D) महाराष्ट्री अपभ्रंश

उत्तर – (B)

व्याख्या– मैथिली का विकास मागधी अपभ्रंश से हुआ। हिन्दी भाषा तथा उसकी बोलियों का विकास–

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बाँगरू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुमायूनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

2. संविधान के किस अनुच्छेद में देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है?

(A) 347 (B) 348 (C) 343 (D) 345

उत्तर – (C)

व्याख्या– 14 सितम्बर 1949 ई. को भारत के संविधान में हिन्दी को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343-351 तक राजभाषा हिन्दी का प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 343 में हिन्दी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई जो निम्न है - असमिया, बंगला, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सन्थाली, सिन्धी, तमिल, तेलगू, उर्दू।

3. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास की स्थापना किसने की?

(A) सी. राजगोपालाचारी (B) महात्मा गांधी
(C) मोटूरि सत्यनारायण (D) विनोबा भावे

उत्तर – (B)

व्याख्या – 'दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा' चेन्नई (मद्रास) की स्थापना मद्रास के गोखले हॉल में डॉ० सी. पी. रामास्वामी की अध्यक्षता में सन् 1918 ई० में महात्मा गाँधी और एनी बेसेन्ट ने की। इसका पूर्व नाम हिन्दी साहित्य सम्मेलन था।

4. कौन सी बोली पश्चिमी हिन्दी की नहीं है?

(A) ब्रज (B) खड़ी बोली
(C) बुंदेली (D) बघेली

उत्तर – (D)

व्याख्या– ब्रजभाषा, खड़ी बोली, बुन्देली, कन्नौजी तथा बाँगरू पश्चिमी हिन्दी की बोली है जबकि बघेली, अवधी, छत्तीसगढ़ी पूर्वी हिन्दी की बोली है।

हिन्दी भाषा का तथा उसकी बोलियों का विकास -

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बाँगरू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुमायूनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	

(2) अर्धमागधी	→पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

5. निम्नलिखित में से कौन-सी बोली पूर्वी हिन्दी की नहीं है?

(A) अवधी (B) बघेली
(C) छत्तीसगढ़ी (D) मालवी

उत्तर – (D)

व्याख्या–'मालवी' राजस्थानी भाषा की उपबोली है जिसे दक्षिणी राजस्थानी के नाम से बोलते हैं, जबकि अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी आदि पूर्वी हिन्दी की उपभाषा है।

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बाँगरू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी(मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुमाँयुनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

6. ब्रजबुलि का प्रयोग कहाँ होता है?

(A) बिहार (B) ब्रजक्षेत्र
(C) उड़ीसा (D) बंगाल

उत्तर – (D)

व्याख्या–ब्रजबुलि बंगाल की एक उपबोली है। बिहार की उपभाषा बिहारी हिन्दी है जिसके अन्तर्गत उपबोली भोजपुरी, मगही, मैथिली आती है।

7. कीर्तिलता किस भाषा की रचना है?

(A) अवहट्ट (B) अपभ्रंश
(C) मैथिली (D) ब्रज

उत्तर – (A)

व्याख्या-विद्यापति (1350-1450) की रचनाएँ तथा भाषा –

संस्कृत	अवहटट	मैथिली
शैव सर्वस्य सार	कीर्तिलता	पदावली
गंगा वाक्यावली	कीर्तिपताका	गोरक्ष विजय (नाटक)
दुर्गा भक्ति तरंगिणी, भू-परिक्रमा, दान वाक्यावली, पुरुष परीक्षा, विभाग सार, लिखनावली, गया पत्तलक-वर्ण कृत्य	कीर्तिलता में कीर्तिसिंह और कीर्ति पताका में शिवसिंह की उदारता का वर्णन किया गया है।	गोरक्ष विजय का गद्य भाग संस्कृत में तथा पद्य भाग मैथिली में है।

8. आदिकाल में किस कवि ने अवहट्ट भाषा में रचना की?

(A) अमीर खुसरो (B) अब्दुल रहमान
(C) कुतुबन (D) मंझन

उत्तर – (B)

व्याख्या–अब्दुल रहमान का 'सन्देशरासक' पहला धर्मेत्तर रास ग्रन्थ है जो अवहट्ट भाषा में लिखा गया है देशी भाषा में किसी मुसलमान द्वारा लिखित प्रथम काव्य ग्रन्थ 'संदेश रासक' है। संदेशरासक एक खण्ड काव्य है जिसमें विक्रमपुर की एक वियोगिनी के विरह की कथा वर्णित है। यह एक विरह काव्य है जिसका रचनाकाल 12वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध और 13वीं शताब्दी का प्रारम्भ माना है। जबकि मंझन एवं कुतुबन की भाषा अवधी है तथा अमीर खुसरो की भाषा खड़ी बोली हिन्दवी थी।

9. उत्तर भारत में भक्ति का प्रसार करने का श्रेय किसे प्राप्त है?

(A) शंकराचार्य (B) रामानुजाचार्य
(C) रामानन्द (D) मध्वाचार्य

उत्तर – (C)

व्याख्या–उत्तर भारत में रामानन्द ने भक्ति आन्दोलन का प्रचार प्रसार किया। राघवानन्द ने उत्तर भारत में रामभक्ति का प्रवर्तन किया परन्तु इसे प्रतिष्ठित और प्रसारित रामानन्द ने किया। रामानन्द को आकाश धर्मा गुरु आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कहा है।

रामानन्द के सम्बन्ध में कथन-
भक्ति द्राविड़ उपजी, लाये रामानन्द।
परगट किया कबीर ने, सात दीप नौ खण्ड।।
उत्पन्ना द्राविड़े साहं वृद्धिं कर्णाटके गता।
क्वचित्क्वचिन्महाराष्ट्रे गुर्जरे जीर्णतां गता।

10. सहजोबाई किस शाखा की रचनाकार हैं?

(A) कृष्णभक्ति शाखा (B) रामभक्ति शाखा
(C) ज्ञानश्रयी शाखा (D) प्रेमाश्रयी शाखा

उत्तर – (C)

व्याख्या–सहजोबाई ज्ञानाश्रयी शाखा की सन्तकवि है। सहजोबाई की प्रमुख रचनाएं- गुरुमहिमा, प्रेम प्रकाश है। दयाबाई और सहजोबाई संत चरणदास की शिष्या थी। दोनों चचेरी बहने थीं।
नोट-सन् 1962 ई. में सहजोबाई की रचनाओं को वेल वेडियर प्रेस द्वारा 'सहज-प्रकाश' नाम से प्रकाशित किया गया है।

11. 'उज्ज्वलनीलमणि' के रचयिता कौन हैं?

(A) रूप गोस्वामी (B) बल्लभाचार्य
(C) विट्ठलनाथ (D) मध्वाचार्य

उत्तर – (A)

व्याख्या-

ग्रंथ	ग्रंथकार
उज्ज्वलनीलमणि	रूपगोस्वामी
पूर्व मीमांसा भाष्य, उत्तर मीमांसा भाष या ब्रह्म सूत्र भाष्य (जो अणुभाष्य के नाम से प्रसिद्ध है)	वल्लभाचार्य

नोट-'अणु भाष्य' बल्लभाचार्य का अधूरा ग्रन्थ था जिसे उनके पुत्र विटठलनाथ ने पूरा किया।

12. 'चन्दायन' किस कवि की रचना है?

(A) मलिक मुहम्मद जायसी (B) कुतुबन
(C) मंझन (D) मुल्ला दाऊद

उत्तर – (D)

व्याख्या -

ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	ग्रंथकार	भाषा
चन्दायन	1379 ई.	मुल्ला दाऊद	अवधी
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन	अवधी
मधुमालती	1545 ई.	मंझन	अवधी
पद्मावत	1540 ई.	जायसी	अवधी

नोट-ये सभी रचनाएँ सूफी प्रेममार्गी शाखा के कवियों का प्रेमाख्यान काव्य ग्रन्थ है।

13. हिन्दी भाषा के मानकीकरण का सचेष्ट प्रयास किस पत्रिका में किया गया है?

(A) सरस्वती (B) आनन्द कादम्बिनी
(C) सुदर्शन (D) हिन्दी प्रदीप

उत्तर – (A)

व्याख्या–हिन्दी भाषा के मानकीकरण का सचेष्ट प्रयास सरस्वती पत्रिका के माध्यम से प्रारम्भ होता है। सरस्वती की स्थापना काशी में सन् 1900 ई. में चिंतामणि घोष द्वारा शुरू किया गया था। पुनः सरस्वती इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 में इसके सम्पादक श्याम सुन्दर दास थे तथा 1903 ई. में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने। सरस्वती एक मासिक पत्रिका थी।

पत्र-पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
आनन्द कादम्बिनी	1881 ई.	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'	मासिक/मिर्जापुर
सुदर्शन	1900 ई.	देवकीनन्दन एवं माधव	मासिक/काशी
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग

14. 'कल्पना' पत्रिका का प्रकाशन किस नगर से होता था?

(A) कलकत्ता (B) हैदराबाद
(C) अहमदाबाद (D) इलाहाबाद

उत्तर – (B)

व्याख्या–कल्पना दक्षिण भारत में हिन्दी की मुख्य पत्रिका है जिसका प्रकाशन सन् 1949 ई. से हैदराबाद (तेलंगाना) से होता है। कल्पना का प्रारम्भ आर्येन्द्र शर्मा के सम्पादकत्व में हुआ, यह द्विमासिक पत्रिका है। इसके संस्थापक बद्रीविशाल पित्ती थे।

15. 'माध्यम' पत्रिका का सम्पादक कौन है?

(A) सत्यप्रकाश मिश्र (B) नंदकिशोर नवल
(C) काशीनाथ सिंह (D) रवीन्द्र कालिया

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
माध्यम	1964 ई.	सत्यप्रकाश मिश्र	मासिक/प्रयाग त्रैमासिक
नया ज्ञानोदय	2002	रवीन्द्र कालिया	मासिक/दिल्ली
कसौटी	अप्रैल,जुन 1991	नंदकिशोर नवल	त्रैमासिक /पटना

नोट-माध्यम (1964) मासिक/त्रैमासिक पत्रिका के संस्थापक बालकृष्ण राव थे।

16. किस लेखिका ने पशु-पक्षियों पर केंद्रित रचना की है?

(A) महादेवी वर्मा (B) सुभद्रा कुमारी चौहान
(C) होमवती देवी (D) सत्यवती मलिक

उत्तर – (A)

व्याख्या–छायावादी युग की प्रमुख महिला रचनाकार महादेवी वर्मा ने 'मेरा परिवार' (1972) ई. नामक रेखाचित्र लिखा, जिसमें महादेवी ने अपने पालतू पशु-पक्षियों का विस्तृत वर्णन किया है- महादेवी के पालतू पशु-पक्षी नीलकण्ठ (मोर), गिल्लू (गिलहरी), सोना (हिरनी), दुर्मुख (खरगोश), गौरा (गाय) नीलू (कुत्ता), निक्को (नेवला), रोजी (कुतिया), रानी (घोड़ी) आदि का वर्णन मिलता है।

17. वृन्द-सतसई की विषय-वस्तु क्या है?

(A) नायिका-भेद (B) श्रृंगार
(C) नीति (D) भक्ति

उत्तर – (C)

व्याख्या–वृन्द सतसई रीतिकालीन कवि वृन्द द्वारा रचित नीतिपरक रचना है। जिसमें नीति के 700 दोहे हैं।

18. 'चित्राधार' किसकी रचना है?

(A) जयशंकर प्रसाद (B) रामनरेश त्रिपाठी
(C) मुकुटधर पाण्डेय (D) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

उत्तर – (A)

व्याख्या– जयशंकर प्रसाद (1889-1937) के काव्य संग्रह तथा उनका अनुक्रम-उर्वशी (1909), वन मिलन (1909), प्रेमराज्य (1909), अयोध्या का उद्धार (1910), शोकोच्छ्वास (1910), वभ्रुवाहन (1911), कानन कुसुम (1913), प्रेम पथिक (1914), महाराणा का महत्व (1914), चित्राधार (1918) झरना (1918), आँसू (1925), लहर (1933), कामायनी (1935)।

रामनरेश त्रिपाठी (1889-1962) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-मिलन (1917), पथिक (1920), मानसी (1927), स्वप्न (1929), कविता-कौमुदी।

मुकुटधर पाण्डेय (1895-1984) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-आँसू, उद्‌गार, पूजा फूल, कानन कुसुम

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' (1915-1996) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-मधुलिका (1938), अपराजिता (1939), किरणवेला (1941), करील(1942), लाल चूनर (1944) वर्षान्त के बादल।

19. भारतेन्दु के अनुसार हिन्दी नयी चाल में कब ढली?

(A) 1880 (B) 1857
(C) 1873 (D) 1860

उत्तर – (C)

व्याख्या–भारतेन्दु जी ने 'कालचक्र' नाम की अपनी पुस्तक में नोट दिया है कि 'हिन्दी नयी चाल में ढली' सन् 1873 ई.।
(**स्रोत**–हिन्दी साहित्य का इतिहास (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

20. रामकथा पर आधारित काव्य कौन सा है?

(A) आत्मजयी (B) अग्निलीक
(C) भूमिजा (D) रश्मि रथी

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार	विषयवस्तु
अग्निलीक		भारत भूषण अग्रवाल	रामकाव्य
आत्मजयी	1965	कुँवर नारायण	प्रबन्ध काव्य
भूमिजा		नागार्जुन	
रश्मिरथी	1952	रामधारी सिंह 'दिनकर'	खण्ड काव्य

21. 'सेठ बाँकेलाल' किसकी रचना है?

(A) पांडेयबेचन शर्मा 'उग्र' (B) यशपाल
(C) अमृतलाल नागर (D) भगवतीचरण वर्मा

उत्तर – (C)

व्याख्या–अमृतलाल नागर के उपन्यास-महाकाल (1947), सेठ बाँकेलाल (1955) बूँद और समुद्र (1956), शतरंज के मोहरे (1959), सुहाग के नूपुर (1960), अमृत और विष (1966), सात घूँघटवाला मुखड़ा (1968), एकदानैमिषारण्ये (1972), मानस का हंस (1972), नाच्यौं बहुत गोपाल (1978), खंजन नयन (1981) बिखरे तिनके (1982), अग्निगर्भा (1983), करवट (1985), पीढ़ियाँ (1990)।

यशपाल के उपन्यास-दादा कामरेड (1941), देशद्रोही (1943), दिव्या (1945), पार्टी कामरेड (1946), मनुष्य के रूप (1949), अमिता (1956), झूठा सच (भाग-1, 1958 भाग-2 1960), बारह घण्टे (1962), अप्सरा का श्राप (1965), क्यों फँसे? (1968), मेरी तेरी उसकी बात (1974)

पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' के उपन्यास-चंद हसीनों के खतूत (1927), दिल्ली का दलाल (1927), बुधुआ की बेटी (1928), शराबी (1930),सरकार तुम्हारी आँखें में (1937), चाकलेट (1927), जी जी जी (1937), फागुन के चार दिन (1960) जूहू (1963)।

भगवती चरण वर्मा के उपन्यास-पतन (1927), चित्रलेखा (1934), तीन वर्ष (1936), टेढ़े मेढे रास्ते (1946), आखरी दाँव (1950), अपने खिलौने (1957), भूले बिसरे चित्र (1959), वह फिर नहीं आई (1960), सामर्थ्य और सीमा (1962), थके पाँव (1963), रेखा (1964), सच्ची सीधी बात (1968), सबहि नचावत राम गोसांई (1970), प्रश्न और मरीचिका (1973)।

22. 'वॉरेन हेस्टिंग का सांड' कहानी की रचना किसने की है?

(A) शिवमूर्ति (B) संजीव
(C) उदय प्रकाश (D) सृंजय

उत्तर – (C)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
वॉरेन हेस्टिंग्स का सांड		उदय प्रकाश	कहानी
केशर कस्तूरी	1991 ई.	शिवमूर्ति	कहानीसंग्रह
नंगा	2001 ई.	सृंजय	कहानीसंग्रह
प्रेममुक्ति	1991 ई.	संजीव	कहानीसंग्रह

23. हिन्दी नाटकों के मंचन में 'यक्षगान' का प्रयोग किस निर्देशक ने किया?

(A) गिरीश कर्नाड (B) इब्राहिम अल्काजी
(C) सत्यदेव दूबे (D) कारंत

उत्तर – (A)

व्याख्या–हिन्दी नाटकों के मंचन में 'यक्षगान' का प्रयोग गिरीश कर्नाड के निर्देशन में प्रारम्भ हुआ था। जबकि इब्राहिम अलकाजी, सत्यदेव दूबे व कारंत आदि आधुनिक नाट्य निर्देशक हैं।

24. 'मेरी तेरी उसकी बात' किसकी रचना है?

(A) भगवती प्रसाद वर्मा (B) यशपाल
(C) उदयशंकर भट्ट (D) अमृतलाल नागर

उत्तर – (B)

व्याख्या–अमृतलाल नागर के उपन्यास-महाकाल (1947), सेठ बाँकेलाल (1955) बूँद और समुद्र (1956), शतरंज के मोहरे (1959), सुहाग के नूपुर (1960), अमृत और विष (1966), सात घूँघटवाला मुखड़ा (1968), एकदानैमिषारण्ये (1972), मानस का हंस (1972), नाच्यौं बहुत गोपाल (1978), खंजन नयन (1981) बिखरे तिनके (1982), अग्निगर्भा (1983), करवट (1985), पीढ़ियाँ (1990)

यशपाल के उपन्यास-दादा कामरेड (1941), देशद्रोही (1943), दिव्या (1945), पार्टी कामरेड (1946), मनुष्य के रूप (1949), अमिता (1956), झूठा सच (भाग-1 1958, भाग-2 1960), बारह घण्टे (1962), अप्सरा का श्राप (1965), क्यों फँसे? (1968),मेरी तेरी उसकी बात (1974)

भगवती चरण वर्मा के उपन्यास-पतन (1927), चित्रलेखा (1934), तीन वर्ष (1936), टेढ़े मेढे रास्ते (1946), आखरी दाँव (1950), अपने खिलौने (1957), भूले बिसरे चित्र (1959), वह फिर नहीं आई (1960), सामर्थ्य और सीमा (1962), थके पाँव (1963), रेखा (1964), सच्ची सीधी बात (1968), सबहि नचावत राम गोसांई (1970), प्रश्न और मरीचिका (1973)।

उदयशंकर भट्ट के उपन्यास -नये मोड़ (1954), सागर लहरे और मनुष्य (1956), लोक परलोक (1958), शेष-अशेष (1960)

25. 'छायावाद का पतन' किस लेखक की कृति है?

(A) शान्तिप्रिय द्विवेदी (B) रामविलास शर्मा
(C) विजयदेव नारायण साही (D) देवराज

उत्तर – (D)

व्याख्या–डॉ. देवराज की आलोचनाएँ- छायावाद का पतन (1948), साहित्य चिन्ता, आधुनिक समीक्षा, प्रतिक्रियाएँ।

विजयदेव नारायण साही की आलोचनाएँ-जायसी (1983), साहित्य और साहित्यकार का दायित्व (1983), छठवाँ दशक (1987) साहित्य क्यों (1988)।

शान्तिप्रिय द्विवेदी की आलोचनाएँ-सामयिकी, हमारे साहित्य निर्माता, संचारिणी।

रामविलास शर्मा की आलोचनाएँ-प्रेमचंद (1941), भारतेन्दु युग (1943), निराला (1946), प्रगति और परम्परा (1948), साहित्य और संस्कृति, (1949), प्रेमचंद और उनका युग (1952), प्रगतिशील साहित्य की समस्याएं (1954), आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना (1955), आस्था और सौन्दर्य (1956), भाषा और समाज (1961), साहित्यः स्थायी मूल्य और मूल्यांकन (1968), निराला की साहित्य साधना (तीन भाग- 1969 1972, 1976), भारतेन्दु युग और हिन्दी साहित्य की विकास परम्परा (1975), महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण (1977), नयी कविता और अस्तित्ववाद (1978), हिन्दी जाति का साहित्य (1986), भारतीय सौन्दर्य बोध और तुलसीदास (2001), बड़े भाई (1986)।

26. इनमें कौन 'तार सप्तक' का कवि नहीं है?

(A) रामविलास शर्मा (B) गजानन माधव मुक्तिबोध
(C) शमशेर बहादुर सिंह (D) भारत भूषण अग्रवाल

उत्तर – (C)

व्याख्या- शमशेर बहादुर तार सप्तक के कवि नहीं हैं बल्कि शमशेर बहादुर दूसरे सप्तक के कवि हैं।

तार सप्तक (1943) में संकलित कवियों का विवरण -

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्मस्थान
1.	सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय	1911-1987ई.	देवरिया
2.	रामविलास शर्मा	1912-2000 ई.	उन्नाव
3.	गजानन माधव मुक्ति बोध	1917-1964 ई.	ग्वालियर
4.	प्रभाकर माचवे 'बलवंत'	1917-1991 ई.	ग्वालियर
5.	नेमिचन्द्र जैन	1919-2005 ई.	आगरा
6.	गिरिजा कुमार माथुर	1919-1994 ई.	मध्य प्रदेश
7.	भारतभूषण अग्रवाल	1919-1975 ई.	मथुरा

'दूसरा सप्तक' (1951) में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्मस्थान
1.	शमशेर बहादुर सिंह	1911-1993 ई.	देहरादून
2.	भवानी प्रसाद मिश्र	1913-1985 ई.	होशंगाबाद
3.	शकुन्त माथुर	1922-2004 ई.	दिल्ली
4.	हरिनारायण घनश्याम व्यास	1923-2013 ई.	मध्य प्रदेश
5.	नरेश मेहता	1922-2000 ई.	मध्य प्रदेश
6.	धर्मवीर भारती	1926-1997 ई.	इलाहाबाद
7.	रघुवीर सहाय	1929-1990 ई.	लखनऊ

'तीसरा सप्तक (1959)' में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्मस्थान
1.	प्रयाग नारायण त्रिपाठी	1919 ई.-	रायबरेली
2.	मदन वात्स्यायन	1922-2004 ई.	समस्तीपुर
3.	विजय देव नारायण साही	1924-1982 ई.	काशी
4.	कुँवर नारायण	1927-2017 ई.	फैजाबाद
5.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	1927-1983 ई.	बस्ती
6.	केदारनाथ सिंह	1932-2018 ई.	बलिया
7.	कीर्ति चौधरी	1934-2008 ई.	उन्नाव

चौथा सप्तक (1979) में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्मस्थान
1.	अवधेश कुमार	1945 ई.-	देहरादून
2.	राजकुमार कुंभज	1947 ई.-	इंदौर
3.	स्वदेश भारती	1939-2018 ई.	राजस्थान
4.	नंद किशोर आचार्य	1945 ई.-	बीकानेर
5.	सुमन राजे	1938-2008 ई.	लखनऊ
6.	श्रीराम वर्मा	1935 ई. -	मऊ
7.	राजेन्द्र किशोर	1944 ई.-	उड़ीसा

नोट-चारों सप्तकों के सम्पादक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' है। सप्तक सात कवियों का संकलन होता है।

27. ''नील परिधान बीच सुकुमार, खिला मृदुल अधखुला अंग
खिला है ज्यों बिजली का फूल, मेघ बन बीच गुलाबी रंग''
-इन पंक्तियों में कौन सा अलंकार है?

(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) दृष्टान्त

उत्तर – (B)

व्याख्या–उत्प्रेक्षा अलंकार - जब उपमेय में उपमान की सम्भावनाओं या कल्पना कर ली जाये, तब उत्प्रेक्षा अलंकार माना जाता है।

जैसे- नील परिधान बीच सुकुमार, खिला मृदुल अधखुला अंग
खिला है ज्यों बिजली का फूल, मेघ बन बीच गुलाबी रंग।

रूपक अलंकार- जहाँ उपमेय और उपमान में भेदरहित आरोप किया जाता है, वहाँ रूपक अलंकार होता है।

जैसे- उदित उदय-गिरि मंच पर रघुवर बाल पतंग।
विकसेउ सन्त सरोज वन, हरषे लोचन-भुंग।।

उपमा अलंकार- जहाँ दो भिन्न वस्तुओं में रूप,गुण आकृति आदि को लेकर समता या तुलना या सादृश्य प्रदर्शित की जाय, वहाँ उपमा अलंकार होता है।

जैसे- उधर गरजती सिंधु लहरियाँ, कुटिल काल के जालो-सी।
चली आ रही फेन उगलती, फन फैलाये व्यालो-सी।।

दृष्टांत अलंकार-जहाँ उपमेय और उपमान के साधारण धर्म का विम्ब प्रतिबिम्ब भाव दर्शित किया जाये तथा वाचक शब्द का उल्लेख न हो, वहाँ दृष्टान्त अलंकार होता है।

जैसे- पगी प्रेम नन्दलाल के, हमै न भावत भोग।
मधुप राजपद पाय के, भीख न माँगत लोग।।

28. 'विखण्डन' की अवधारणा का संबंध किस 'वाद' से है?

(A) आधुनिकतावाद (B) संरचनावाद
(C) नयी समीक्षा (D) उत्तर आधुनिकतावाद

उत्तर – (D)

व्याख्या-

सिद्धांत	प्रवर्तक	अवधारणा
विखण्डन का सिद्धांत विखण्डनवाद	जाक देरिदा	उत्तर आधुनिकतावाद
संरचनावाद	विको	
नयी समीक्षा	टी.एस.इलियट आई.ए.रिचर्ड्स	नव अभिजात्यवाद

29. निम्नलिखित में से अर्थालंकार कौन सा है?

(A) प्रतिवस्तूपमा (B) अनुप्रास
(C) यमक (D) वक्रोक्ति

उत्तर – (A)

व्याख्या–अर्थालंकार-(1) उपमा, (2) रूपक (3) प्रतीप (4) व्यतिरेक (5) उत्प्रेक्षा (6) सन्देह, (7) भ्रान्तिमान (8) असंगति (9) विरोधाभास (10) विभावना (11) अतिशयोक्ति (12) प्रतिवस्तुपमा, (13) दृष्टान्त (14) काव्यलिंग (15) अर्थान्तर न्यास (16) उदाहरण (17) समासोक्ति (18) अन्योक्ति (19) निदर्शना

शब्दालंकार-(1) अनुप्रास, (2) यमक, (3) श्लेष, (4) वक्रोक्ति

30. (अ) 'छायावाद' राष्ट्रीय सांस्कृतिक जागरण की काव्यात्मक अभिव्यक्ति हैं।

(ब) छायावाद का सीधा संबंध स्वाधीनता आन्दोलन से है।

इनमें से

(A) 'अ' और 'ब' दोनों सही है।
(B) 'अ' गलत और 'ब' सही है।
(C) 'अ' पूर्णतः और 'ब' अंशतः सही है।
(D) 'अ' और 'ब' दोनों अंशतः सही है।

उत्तर – (D)

व्याख्या–छायावादी युग में ही एक धारा राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा से गहरा सम्बन्ध था तथा वो राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन में प्रमुख रूप से भागीदार थे। लेकिन सम्पूर्ण छायावादी काव्य राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन से नहीं जुड़ा था। छायावादी युग में राष्ट्रीय चेतना का विकास प्रमुख रूप से रचनाकारों की रचनाओं में परिलक्षित होता है।

31. (अ) 'अनुभूति की प्रामाणिकता' नयी कहानी-आन्दोलन का प्रमुख आग्रह था।

(ब) इस आन्दोलन का आरंभ व्यक्ति केंन्द्रित कहानी के विरोध में हुआ था।

इनमें से

(A) 'अ' और 'ब' दोनों सही है।
(B) 'अ' अंशतः और 'ब' पूर्णतः सही है।
(C) 'अ' सही और 'ब' अंशतः सही है।
(D) 'अ' और 'ब' दोनों अंशतः सही है।

उत्तर – (A)

व्याख्या–'अनुभूति की प्रामाणिकता' नयी कहानी आन्दोलन का प्रमुख आग्रह था। साहित्य में अनुभूति का तात्पर्य यह है कि साहित्य द्वारा सामाजिक प्राकृतिक तथा आध्यात्मिक कल्पनाओं की अनुभूति करके उसे यथार्थवाद में परिलक्षित करना। यह सामाजिक होता है। यह आन्दोलन व्यक्ति केन्द्रित नहीं होता है, इस कहानी आन्दोलन का विकास व्यक्ति केन्द्रित कहानी के विरोध में हुआ था।

32. (अ) रेखाचित्र और संस्मरण के बीच की विभाजक रेखा बहुत सूक्ष्म है।

(ब) ये दोनों परस्पर अन्तर्मुक्त हो जाते हैं।

इनमें से

(A) 'अ' 'ब' दोनों सही हैं।
(B) 'ब' सही है 'अ' गलत।
(C) 'ब' 'ब' दोनों गलत।
(D) 'अ' सही 'ब' अंशतः सही।

उत्तर – (A)

व्याख्या–रेखाचित्र और संस्मरण के बीच की विभाजक रेखा बहुत सूक्ष्म है। रेखाचित्र 'अंग्रेजी' के 'स्केच' का हिन्दी पर्याय है जबकि संस्मरण लेखक की 'स्मृति' पर आधारित होती है। रेखाचित्र एवं संस्मरण दोनों परस्पर अन्तर्मुक्त हो जाते हैं।

33. निम्नलिखित भाषाओं के विकास का सही अनुक्रम बताइए।

(A) प्राकृत-पालि-अपभ्रंश-हिन्दी
(B) पालि-प्राकृत-अपभ्रंश-हिन्दी
(C) पालि-अपभ्रंश-प्राकृत-हिन्दी
(D) अपभ्रंश-प्राकृत-हिन्दी-पालि

उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी भाषा का विकास क्रम -
संस्कृत (1500 ई.पू.- 500 ई. पू.)
पालि (500 ई. पू.- 1 ई.)
प्राकृत (1 ई. 500 ई.)
अपभ्रंश (500 ई. -1000 ई.)
हिन्दी (1000 ई.- अब तक)
(आधुनिक भारतीय भाषाएं)

34. निम्नलिखित कवियों का सही काल-क्रम बताइए।

(A) सरहपा-सोमप्रभु सूरि-गोरखनाथ-हेमचन्द्र
(B) गोरखनाथ-सोमप्रभु सूरि-सरहपा-हेमचन्द्र
(C) सरहपा-गोरखनाथ-हेमचन्द्र-सोमप्रभु सूरि
(D) सोमप्रभु सूरि-गोरखनाथ-सरहपा-हेमचन्द्र

उत्तर – (C)

कवि	कालक्रम
सरहपा	769 ई. (राहुल सांकृत्यायन के अनुसार)
गोरखनाथ	845 ई. (राहुल सांकृत्यायन के अनुसार)
हेमचन्द्र	1088 ई. (12वीं शताब्दी)
सोमप्रभु सूरि	1184 ई. (13वीं शताब्दी)

35. इन कवियों में सही कालक्रम का निर्देश कीजिए।

(A) चिंतामणि-केशवदास-मतिराम-पद्माकर
(B) मतिराम-पद्माकर-चिंतामणि-केशवदास
(C) पद्माकर-केशवदास-मतिराम-चिंतामणि
(D) केशवदास-चिंतामणि-पद्माकर-मतिराम

उत्तर – (*)

कवि	जीवनकाल
केशवदास	1555-1617 ई.
चिंतामणि	1609-1685 ई.
मतिराम	1617-1701 ई.
पद्माकर	1753-1833 ई.

नोट - कोई भी अनुक्रम सही नहीं है। अतः प्रश्न असंगत है।

36. सही कृति क्रम को पहचानिए।

(A) पल्लव-गुंजन-युगान्त-युगवाणी
(B) पल्लव-युगान्त-गुंजन-युगवाणी
(C) गुंजन-पल्लव-युगान्त-युगवाणी
(D) पल्लव-गुंजन-युगवाणी-युगान्त

उत्तर – (A)

व्याख्या–प्रमुख छायावादी कवि तथा प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानन्दन पंत (1900-1977) की रचनाओं का अनक्रम - उच्छ्वास (1920), ग्रंथि (1920), वीणा (1927), पल्लव (1928), गुंजन (1932), युगान्त (1936), युगवाणी (1939), ग्राम्या (1940), स्वर्ण किरण (1947), स्वर्ण धूलि (1947), युगपथ (1949), उत्तरा (1949) वाणी (1958), कला और बूढ़ा चाँद (1959), अतिमा (1955), लोकायतन (1964), सत्यकाम (1975) चिदम्बरा।

नोट– 1968 में पंत जी को 'चिदम्बरा' काव्य रचना पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला।

37. निम्नलिखित आचार्यो के बीच सही काल-क्रम का निर्देश कीजिए।

(A) भामह-दण्डी-आनन्दवर्धन-क्षेमेन्द्र
(B) आनन्दवर्धन-अभिनवगुप्त-विश्वनाथ-जगन्नाथ
(C) भट्ट नायक-विश्वनाथ-कुंतक-जगन्नाथ
(D) भरत-भामह-कुंतक-जगन्नाथ

उत्तर – (D)

व्याख्या-

आचार्य	कालक्रम	प्रमुख रचना
आचार्य भरत मुनि	प्रथम-द्वितीय शताब्दी	नाट्यशास्त्र
भामह	6वीं शताब्दी पूर्वार्द्ध	काव्यालंकार
कुन्तक	10वीं शताब्दी उत्तरार्द्ध	वक्रोक्तिजीवित
पण्डित राज जगन्नाथ	17वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	रसगंगाधर

नोट - 1. आचार्य भरतमुनि ने 'नाटयशास्त्र' को पंचम वेद भी कहा है।
2. कुन्तक को वक्रोक्ति सम्प्रदाय का प्रवर्तक माना जाता है।

38. कृति काल-क्रम की दुष्टि से कौन सा सही है?

(A) रामचन्द्रिका-ललित ललाम-जगद्विनोद-बिहारी सतसई
(B) पल्लव-परिमल-लहर-नीरजा
(C) वरदान-गबन-कंकाल-चित्रलेखा
(D) कुल्लीभाट-अतीत के चलचित्र-माटी की मूरतें-पथ के साथी

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य संग्रह	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
पल्लव	1928 ई.	सुमित्रानंदन पंत
परिमल	1930 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
लहर	1933 ई.	जयशंकर प्रसाद
नीरजा	1935 ई.	महादेवी वर्मा

39. रचनाकार काल-क्रम में सही का निर्देश कीजिए।

(A) दिनकर-बच्चन-अज्ञेय-मुक्तिबोध
(B) बच्चन-दिनकर-मुक्तिबोध-अज्ञेय
(C) अज्ञेय-दिनकर-बच्चन-मुक्तिबोध
(D) दिनकर-अज्ञेय-बच्चन-मुक्तिबोध

उत्तर – (*)

व्याख्या -[कोई भी अनुक्रम सही नहीं है।]

रचनाकार	जीवनक्रम (जन्म-मृत्यु)
हरिवंश राय 'बच्चन'	1907-2003 ई.
रामधारी सिंह 'दिनकर'	1908-1974 ई.
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	1911-1987 ई.
गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	1917-1964 ई.

40. निम्नलिखित में से कृति काल-क्रम की दृष्टि से कौन-सा सही है?

(A) वीणा-ग्राम्या-लोकायतन-कला और बूढ़ा चाँद
(B) नीहार-रश्मि-दीपशिखा-सान्ध्य गीत
(C) गीतिका-कुकुरमुत्ता-बेला-अर्चना
(D) प्रेमपथिक-झरना-लहर-आँसू

उत्तर – (C)

व्याख्या– कालक्रम की दृष्टि से सही क्रम है– गीतिका, कुकुरमुत्ता, बेला, अर्चना।

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (1899-1961) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-अनामिका (1938), परिमल (1930), गीतिका (1936), तुलसीदास (1938), कुकुरमुत्ता (1942), अणिमा (1943), बेला (1943), नये पत्ते (1946), अर्चना (1950), आराधना (1953), गीतपुंज (1954), सांध्यकाकली (1969)।

सुमित्रा नंदन पंत (1900-1977) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-उच्छ्वास (1920), ग्रंथि (1920), वीणा (1927), पल्लव (1928), गुंजन (1932), युगान्त (1936), युगवाणी (1939), ग्राम्या (1940), स्वर्ण किरण (1947), स्वर्ण धूलि

(1947), युगपथ (1949), उत्तरा (1949) वाणी (1958), कला और बूढ़ा चाँद (1959), अतिमा (1955), लोकायतन (1964), सत्यकाम (1975) चिदम्बरा।

जयशंकर प्रसाद (1889-1937) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-उर्वशी (1909), वन मिलन (1909), प्रेमराज्य (1909), अयोध्या का उद्धार (1910), शोकोच्छ्वास (1910), वभ्रुवाहन (1911), कानन कुसुम (1913), प्रेम पथिक (1914), महाराणा का महत्व (1914), चित्राधार (1918) झरना (1918), आँसू (1925), लहर (1933), कामायनी (1935)।

महादेवी वर्मा (1907-1987) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-नीहार (1930), रश्मि (1932), नीरजा (1935), सांध्यगीत (1936), यामा (1940), दीपशिखा (1942), सप्तपर्णा (1960)

41. निम्नलिखित में से सही कृति काल-क्रम कौन-सा है?

(A) सुखमय जीवन-शरणार्थी-ठुमरी-दो बाँके
(B) शरणार्थी-ठुमरी-सुखमय जीवन-दो बाँके
(C) दो बाँके-ठुमरी-सुखमय जीवन-शरणार्थी
(D) सुखमय जीवन-दो बाँके-शरणार्थी-ठुमरी

उत्तर – (D)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
सुखमय जीवन	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
दो बाँके	1936 ई.	भगवतीचरण वर्मा
शरणार्थी	1948 ई.	'अज्ञेय'
ठुमरी	1959 ई.	फणीश्वर नाथ रेणु

42. निम्नलिखित निर्गुण कवियों का सही काल-क्रम कौन-सा है?

(A) दादू-कबीरदास-सुन्दरदास-मलूकदास
(B) मलूकदास-सुन्दरदास-कबीरदास-दादू
(C) सुन्दरदास-मलूकदास-दादू-कबीरदास
(D) कबीरदास-दादू-मलूकदास-सुन्दरदास

उत्तर – (D)

व्याख्या-

कवि	कालक्रम (जन्म-मृत्यु)
कबीरदास	1398-1518 ई.
दादू दयाल	1544-1603 ई.
मलूकदास	1574-1682 ई.
सुन्दरदास	1596-1689 ई.

43. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों और कवियों को सुमेलित कीजिए।

(A) नैया बिच नदिया डूबति जाय — (i) रहीम
(B) अजगर करे न चाकरी पंछी करे न काम — (ii) कबीर
(C) गुरू सुआ जेई पंथ देखावा — (iii) खुसरो
(D) तबलग ही जीबो भली देबौ होय न धीम — (iv) जायसी
(v) मलूकदास

कोड-

	A	B	C	D
(A)	v	i	ii	iii
(B)	ii	v	iv	i
(C)	ii	iii	v	i
(D)	ii	i	v	iv

उत्तर – (B)

व्याख्या-

कवि	कालक्रम (जन्म-मृत्यु)
नैया बिच नदिया डूबति जाय	कबीर
अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम	मलूकदास
गुरू सुआ जेई पंथ देखावा	जायसी
तब लग ही जीवो भलो देबौं होय न धीम	रहीमदास
गोरी सोवै सेज पर,मुख पर डारै केश। चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहु देश।।	अमीर खुसरो

44. निम्नलिखित रचनाओं को कवियों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) मृगावती — (i) जायसी
(B) मधुमालती — (ii) मुल्ला दाऊद
(C) चन्दायन — (iii) उसमान
(D) अखरावट — (iv) कुतुबन
(v) मंझन

कोड -

	A	B	C	D
(A)	ii	iii	v	iv
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	iv	v	ii	i
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या-

काव्य ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
मृगावती	1501 ई.	कुतुबन
मधुमालती	1545 ई.	मंझन
चन्दायन	1379 ई.	मुल्ला दाऊद
अखरावट		मलिक मुहम्मद जायसी
चित्रावली	1613 ई.	उसमान

45. निम्नलिखित में से अध्यायों के नाम और रचनाओं को सुमेलित कीजिए।

(A) समय — (i) साकेत
(B) काण्ड — (ii) पद्मावत
(C) खण्ड — (iii) रामचरित मानस
(D) सर्ग — (iv) पृथ्वीराज रासो
(v) कबीर ग्रंथावली

कोड-

	A	B	C	D
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	ii	iii	iv	v
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर – (A)

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	अध्यायों का नाम
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त	सर्ग
पदमावत	1540 ई.	जायसी	खण्ड
रामचरितमानस	1574 ई.	तुलसी	काण्ड
पृथ्वीराज रासो	1192 ई.	चन्दवरदाई	समय
कबीर ग्रंथावली		श्यामसुन्दरदास	

46. निम्नलिखित ग्रंथों को आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) बिहारी सतसई	(i) लाला भगवान दीन
(B) देव और बिहारी	(ii) कृष्ण बिहारी मिश्र
(C) बिहारी	(iii) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(D) बिहारी और देव	(iv) पद्मसिंह शर्मा
	(v) महावीर प्रसाद द्विवेदी

कोड-

	A	B	C	D
(A)	iv	ii	iii	i
(B)	iii	i	ii	v
(C)	iv	ii	i	iii
(D)	v	iv	i	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

आलोचना ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	आलोचक
बिहारी सतसई तुलनात्मक अध्ययन	1918 ई.	पद्म सिंह शर्मा
देव और बिहारी		कृष्ण बिहारी मिश्र
बिहारी		विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
बिहारी और देव		लाला भगवानदीन

47. निम्नलिखित नाटककारों और नाटकों को सुमेलित कीजिए।

(A) लक्ष्मीनारायण लाल	(i) अमर राठौर
(B) पं. उदयशंकर भट्ट	(ii) कर्तव्य
(C) श्री चतुरसेन शास्त्री	(iii) राक्षस का मंदिर
(D) सेठ गोविंददास	(iv) विक्रमादित्य
	(v) शिवसाधना

कोड-

	A	B	C	D
(A)	i	ii	iv	iii
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	v	i	iv	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
अमर राठौर	1923 ई.	श्री चतुरसेन शास्त्री
कर्त्तव्य	1936 ई.	सेठ गोविन्ददास
विक्रमादित्य	1929 ई.	पं. उदय शंकर भट्ट
राक्षस का मंदिर	1931 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रसाद जी अपने युग की राष्ट्रीय भावनाओं को प्रतिबिंबित करते थे पर उनका इतिहास-बोध सिर्फ भावनात्मक नहीं था। भारतीय इतिहास का उनका ज्ञान बहुत गहरा था और उसके बारे में अपनी निर्मोह सत्यशोधक दृष्टि से चलते उनकी विचारण बहुत मौलिक और स्वतंत्र थी। इस मामले में वे 'प्रियंब्रूयात' के कतई कायल नहीं थे। वास्तविकता यह है कि लोकप्रिय भावनाओं का इस्तेमाल उन्होंने अपनी उस बेहद आत्मालोचनापूर्ण दृष्टि को प्रस्तुत करने के लिए ही किया। वे भारतीय जीवन ही नहीं, भारतीय आचरण के भी प्रखर दृष्टा आलोचक थे। उनके नाटकों में हमें इतिहास का गौरव ही नहीं, उसकी कुंठा, त्रास और ऊब का भी उतना ही हिलानेवाला साक्षात्कार मिलता है। उनके नाटकों में चरित्र अक्सर चरित्र से ज्यादा मनोवैज्ञानिक वृत्तियों और शक्तियों का प्रतिनिधित्व करने लगते हैं। यही वह सदाबहार, सदा प्रासंगिक जीवन है जो उनके नाट्-लेखन की असली प्रेरणा है; न कि एक तथाकथित अतीत के तथाकथित प्रसिद्ध नायक-नायिकाएँ।

48. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सत्य है?

(A) प्रसाद जी की रचनाओं में उनकी भावनाएँ व्यक्त हुई हैं।
(B) उनका लेखन ऐतिहासिक भावभूमि पर आधारित नहीं है।
(C) उनके इतिहास-बोध में वैचारिकता का समावेश है।
(D) उनका इतिहास-बोध उनकी युगीन दृष्टि का पोषक नहीं है।

उत्तर – (C)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद जी अपने युग की राष्ट्रीय भावनाओं को प्रतिबिंबित करते थे तथा उनके इतिहास बोध में वैचारिकता का समावेश है।

49. अनुच्छेद की शैली में :

(A) प्रभावाभिव्यंजकता है।
(B) विवेचन-विश्लेषण प्रमुख है
(C) अलंकरण की प्रधानता है।
(D) वर्णनात्मकता है।

उत्तर – (B)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित नाटकों के अनुच्छेद की शैली में इतिहास तथा राष्ट्रीय भावनाओं का विवेचना एवं विश्लेषण प्रमुख रूप से पाया जाता है।

50. अनुच्छेद का लक्ष्य है।

(A) प्रसाद के साहित्यिक अवदान से परिचित कराना।
(B) प्रसाद की राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना से परिचित कराना।
(C) प्रसाद साहित्य के छायावाद की विशेषताओं का निरुपण करना।
(D) प्रसाद के साहित्य की कलागत विशेषताओं का परिचय देना।

उत्तर – (B)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद द्वारा नाटकों में अनुच्छेद का लक्ष्य राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना से परिचित करना है।

'यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2005

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

1. निम्नलिखित में से कौन पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है?

(A) बुंदेली (B) ब्रज
(C) कन्नौजी (D) बघेली

उत्तर – (D)

व्याख्या– बघेली, पश्चिमी हिंदी की बोली नहीं है। बघेली पूर्वी हिंदी के अन्तर्गत आने वाली बोली है।

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	पश्चिमी हिन्दी	खड़ी बोली (कौरवी) ब्रजभाषा हरियाणवी या बाँगरू बुन्देली कन्नौजी
	राजस्थानी	पश्चिमी राजस्थानी(मारवाड़ी) पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	पहाड़ी	कुमायूनी गढ़वाली नेपाली
	गुजराती	
(2) अर्धमागधी	पूर्वी हिन्दी	अवधी बघेली छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	बिहारी	भोजपुरी मगही मैथिली
	बंगला उड़िया असमिया	
(4) पैशाची	लहंदा पंजाबी	
(5) ब्राचड़	सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	मराठी	

2. भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है?

(A) 343-351तक (B) 434-315 तक
(C) 434-135 तक (D) 334-153 तक

उत्तर – (A)

व्याख्या–14 सितम्बर 1949 ई. को भारत के संविधान में हिन्दी को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343-351 तक राजभाषा का संविधान में प्रावधान है तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है।

3. 'दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा' का मुख्यालय कहाँ पर स्थित है?

(A) हैदराबाद (B) बेंगालूर
(C) चेन्नई (D) मैसूर

उत्तर – (C)

व्याख्या–हिन्दी भाषा का दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय मद्रास (चेन्नई) में था। इसकी स्थापना महात्मा गांधी द्वारा सन् 1918 ई. में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए किया गया था। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का पूर्व नाम हिन्दी साहित्य सम्मेलन था।

4. निम्नलिखित में से कौन-सी सघोष महाप्राण ध्वनि है?

(A) ख (B) घ
(C) ज (D) ठ

उत्तर – (B)

व्याख्या– 'घ' सघोष महाप्राण ध्वनि है।
सघोष महाप्राण– सघोष महाप्राण वो ध्वनियाँ होती हैं जो महाप्राण व्यंजन तथा घोष व्यंजन को मिलाकर अर्थात जो व्यंजन दोनों में पाये जाये, बनती है।
महाप्राण व्यंजन – ख, घ, छ, झ, फ, भ, ठ, ढ, थ, ध, श, स, ष, ह
घोष व्यंजन– ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द, ध, न, ब, भ, म, य, र, ल, व, ह
सघोष महाप्राण – घ, झ, भ, ढ, ध
अघोष महाप्राण – अघोष महाप्राण वो ध्वनियाँ होती हैं जो महाप्राण व्यंजन तथा अघोष व्यंजन को मिलाकर अर्थात जो व्यंजन दोनों में पाये जाये बनती हैं
महाप्राण व्यंजन – ख, घ, छ, झ, फ, भ, ठ, ढ, थ, ध, श, स, ष, ह
अघोष व्यंजन– क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ, श, ष, स
अघोष महाप्राण– ख, छ, ठ, थ, फ, श, ष, स।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा पश्च स्वर है

(A) आ (B) इ
(C) ई (D) अ

उत्तर – (A)

व्याख्या–हिन्दी भाषा में जिह्वा के पश्चस्वर उत्थापित आधार पर आ, उ, ऊ, औ, ओ, ऑ आदि हैं इ, ई अग्र स्वर तथा अ मध्य स्वर हैं।

6. हिन्दी भाषा के विकास का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी
(B) प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी, पालि
(C) अपभ्रंश, पालि, प्राकृत, हिन्दी
(D) हिन्दी, पालि, अपभ्रंश, प्राकृत

उत्तर – (A)

व्याख्या–हिन्दी भाषा का विकास -

संस्कृत (1500 ई.पू.- 500 ई.पू.)
↓
पालि (500 ई.पू.- 1 ई.)
↓
प्राकृत (1 ई.- 500 ई.)
↓
अपभ्रंश (500 ई.- 1000ई.)
↓
हिन्दी (1000ई.- अब तक)
(आधुनिक भारतीय भाषाएँ)

7. हिन्दी में हिन्दी साहित्य का इतिहास सबसे पहले किसने लिखा है?

(A) ग्रियर्सन (B) शिवसिंह सेंगर
(C) गार्सा द तासी (D) रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर – (B)

व्याख्या– दिये गये विकल्पों के अनुसार हिंदी में हिंदी साहित्य का इतिहास सबसे पहले 'शिवसिंह सेंगर' ने सन 1883 ई. में लिखा।

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
द माडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान	1888 ई.	ग्रियर्सन
शिव सिंह सरोज	1883 ई.	शिव सिंह सेंगर
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई.	रामचन्द्र शुक्ल

नोट-(1) डॉ. किशोरीलाल गुप्त ने *'द माडर्न वर्नाक्युलर लिटलेचर ऑफ हिन्दुस्तान'* का *हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास'* शीर्षक से सन् 1957 ई. में अनुवाद किया।

(2) आचार्य शुक्ल का इतिहास मूलतः नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित *'हिन्दी शब्द सागर'* की भूमिका के रूप में 'हिन्दी साहित्य का विकास' के नाम से सन् 1929 ई. में प्रकाशित हुआ।

8. 'हिन्दी साहित्य की भूमिका' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) रामकुमार वर्मा
(C) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर – (D)

व्याख्या -

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
हिन्दी साहित्य की भूमिका	1940 ई.	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास	1952 ई.	
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	1952 ई.	
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938 ई.	डा. रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग)	I-1959 II-1960	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
वाङ्मय विमर्श	1944 ई.	

9. निम्नलिखित में से कौन अष्टछाप का कवि है?

(A) मीराबाई (B) रसखान
(C) सूरदास (D) विद्यापति

उत्तर – (C)

व्याख्या– सूरदास अष्टछाप के कवि हैं। आचार्य रामचंद्र शुक्ल अपने 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' में कृष्ण भक्ति शाखा के कवियों का सही प्रस्तुत अनुक्रम निम्नवत है अष्टछाप कवियों का जीवनक्रम-

कवि	जीवनकाल	जन्म स्थान	गुरू
कुम्भनदास	1468-1583 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	बल्लभाचार्य
सूरदास	1478-1583 ई.	सीही (उ.प्र.)	,,
परमानन्ददास	1493 ई.	कन्नौज (उ.प्र.)	,,
कृष्णदास	1496-1578 ई.	चिलोतरा(गुजरात)	,,
गोविन्द स्वामी	1505-1585 ई.	आंतरी(राजस्थान)	विठ्ठलनाथ
छीतस्वामी	1515-1585 ई.	मथुरा (उ.प्र.)	,,
चतुर्भुजदास	1530-1585 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	,,
नंददास	1533-1583 ई.	रामपुर (उ.प्र.)	,,

10. 'आनन्द कादम्बिनी' पत्रिका के सम्पादक कौन थे?

(A) पं. बद्रीनारायण चौधरी प्रेमघन
(B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(C) शिव प्रसाद सितारे हिंद
(D) महावीर प्रसाद द्विवेदी

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
आनन्द कादम्बिनी	1881 ई.	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'	मासिक/मिर्जापुर
नागरी नीरद	1893 ई.	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'	साप्ताहिक/मिर्जापुर
सरस्वती	1903 ई.	महावीर प्रसाद द्विवेदी	मासिक/इलाहाबाद
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा.पा.सा./काशी
हरिश्चन्द्र मैगजीन	1873 ई.		मासिक/बनारास
बालबोधिनी	1874		मासिक/बनारस
बनारस अखबार	1845 ई.	राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द'	साप्ताहिक/बनारास

नोट-सरस्वती की स्थापना सन् 1900 में काशी में हुई थी इसके प्रथम सम्पादक चिन्तामणि घोष थे।

11. निम्नलिखित में से कौन सप्तक परम्परा का कवि नहीं है?

(A) हरि नारायण व्यास (B) श्रीकांत वर्मा
(C) नेमिचन्द्र जैन (D) नरेश मेहता

उत्तर – (B)

व्याख्या- श्रीकांत वर्मा सप्तक परम्परा के कवि नहीं है। तार सप्तक (1943) में संकलित कवियों का विवरण -

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म स्थान
1.	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	1911-1987 ई.	देवरिया
2.	रामविलास शर्मा	1912-2000 ई.	उन्नाव
3.	गजानन माधव मुक्ति बोध	1917-1964 ई.	ग्वालियर
4.	प्रभाकर माचवे 'बलवंत'	1917-1991 ई.	ग्वालियर
5.	नेमिचन्द्र जैन	1919-2005 ई.	आगरा
6.	गिरिजा कुमार माथुर	1919-1994 ई.	मध्य प्रदेश
7.	भारतभूषण अग्रवाल	1919-1975 ई.	मथुरा

'दूसरा सप्तक' (1951) में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म स्थान
1.	शमशेर बहादुर सिंह	1911-1993 ई.	देहरादून
2.	भवानी प्रसाद मिश्र	1913-1985 ई.	होशंगाबाद
3.	शकुन्त माथुर	1922-2004 ई.	दिल्ली
4.	हरिनारायण घनश्याम व्यास	1923-2013 ई.	मध्य प्रदेश
5.	नरेश मेहता	1922-2000 ई.	मध्य प्रदेश
6.	धर्मवीर भारती	1926-1997 ई.	इलाहाबाद
7.	रघुवीर सहाय	1929-1990 ई.	लखनऊ

'तीसरा सप्तक (1959)' में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म स्थान
1.	प्रयाग नारायण त्रिपाठी	1919 ई.	रायबरेली
2.	मदन वात्स्यायन	1922-2004 ई.	समस्तीपुर
3.	विजय देव नारायण साही	1924-1982 ई.	काशी
4.	कुँवर नारायण	1927-2017 ई.	फैजाबाद
5.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	1927-1983 ई.	बस्ती
6.	केदारनाथ सिंह	1932-2018	बलिया
7.	कीर्ति चौधरी	1934-2008	उन्नाव

चौथा सप्तक (1979) में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म स्थान
1.	अवधेश कुमार	1945 ई०-	देहरादून
2.	राजकुमार कुंभज	1947 ई०-	इंदौर
3.	स्वदेश भारती	1939-2018 ई०	राजस्थान
4.	नंद किशोर आचार्य	1945 ई०-	बीकानेर
5.	सुमन राजे	1938-2008 ई०	लखनऊ
6.	श्रीराम वर्मा	1935 ई०-	मऊ
7.	राजेन्द्र किशोर	1944 ई०-	उड़ीसा

नोट-चारों सप्तकों के सम्पादक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' हैं। सप्तक सात कवियों का संकलन होता है।

12. 'पहल' का सम्पादक कौन है?

(A) राजेन्द्र यादव (B) रवीन्द्र कालिया
(C) ज्ञानरंजन (D) विश्वनाथ तिवारी

उत्तर – (C)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
पहल	1973 ई.	ज्ञानरंजन	त्रैमासिक/जबलपुर
हंस(पुनर्प्रकाशन)	1986 ई.	राजेन्द्र यादव	मासिक/दिल्ली
नया ज्ञानोदय	2002 ई.	रवीन्द्र कालिया	मासिक/दिल्ली
दस्तावेज	1978 ई.	विश्वनाथ तिवारी	मासिक/गोरखपुर

13. 'भाग्यवती' के लेखक कौन हैं?

(A) लाला श्रीनिवासदास (B) देवकीनंदन खत्री
(C) श्रद्धाराम फिल्लौरी (D) लज्जाराम मेहता

उत्तर – (C)

व्याख्या–भाग्यवती (1877) श्रद्धाराम फिल्लौरी तथा परीक्षा गुरू (1882) लाला श्रीनिवासदास के उपन्यास हैं।
देवकी नंदन खत्री के उपन्यास-चन्द्रकांता (1888), चन्द्रकांता संतति (24 भाग-1896), नरेन्द्र मोहनी (1893), वीरेन्द्र वीर (1895), कुसुम कुमारी (1899), काजर की कोठरी (1902) अनूठी बेगम (1905), गुप्त गोदना (1913), भूतनाथ (6 भाग (1907) अधूरा
लज्जाराम मेहता के उपन्यास- धूर्त रसिक लाल (1889) स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी (1899), आदर्श दम्पत्ति (1904), बिगड़े का सुधार अथवा सती सुख देवी (1907) आदर्श हिन्दू (1914)
नोट-(1) श्रद्धाराम फिल्लौरी कृत भाग्यवती (1877) उपन्यास को डा. विजय शंकर मल्ल हिन्दी का प्रथम उपन्यास मानते हैं।
(2) लाला श्री निवास दास कृत परीक्षा गुरू (1882) उपन्यास को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हिन्दी का अंग्रेजी के ढंग का पहला मौलिक उपन्यास मानते हैं।

14. 'अंधा युग' किसकी रचना है?

(A) नरेश मेहता (B) मोहन राकेश
(C) दुष्यन्त कुमार (D) धर्मवीर भारती

उत्तर – (D)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
अंधा युग	1955 ई.	धर्मवीर भारती
एक कंठ विषपायी	1963 ई.	दुष्यंत कुमार
खण्डित यात्राएँ	1962 ई.	नरेश मेहता
पैरों तले जमीन (अधूरा)		मोहन राकेश

15. 'कुटज' के लेखक कौन है?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) कुबेरनाथ राय (D) विद्यानिवास मिश्र

उत्तर – (A)

व्याख्या–हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध संग्रह-अशोक के फूल (1948), कल्पलता (1953), मध्यकालीन धर्म साधना (1952), विचार और वितर्क (1957), विचार प्रवाह (1959),कुटज (1964), साहित्य सहचर (1965), आलोक पर्व (1972),
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध संग्रह-चिन्तामणि भाग-1 (1939), चिन्तामणि भाग-2 (1945), चिन्तामणि भाग-3 (1983), चिन्तामणि भाग-4 (2002)
कुबेरनाथ राय के निबन्ध संग्रह-प्रिया नीलकण्ठी (1968), रस आखेटक (1970),गंधमादन (1972), विषाद योग- (1973), निषाद बाँसुरी (1974), महाकवि की तर्जनी (1979), दृष्टि अभिसार (1984),मराल (1993),उत्तर कुरू (1994)
डॉ. विद्यानिवास मिश्र के निबन्ध संग्रह-छितवन की छाँह (1953), हल्दी दूब (1955), तुम चन्दन हम पानी (1957), मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (1974), भ्रमरानंद के पत्र (1981), तमाल के झरोखे से (1981), संचारिणी (1982), अंगद की नियति (1984), शिरीष की याद आई (1995)।

16. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना अमरकांत की है?

(A) अमृतसर आ गया (B) जिन्दगी और जोंक
(C) टूटना (D) परिन्दे

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
जिन्दगी और जोंक	1958 ई.	अमरकान्त
परिन्दे	1960 ई.	निर्मल वर्मा
टूटना	1966 ई.	राजेन्द्र यादव

17. 'ध्वन्यालोक' किसकी कृति है?

(A) अभिनव गुप्त (B) राजशेखर
(C) मम्मट (D) आनन्दवर्द्धन

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
ग्रंथ	**रचनाकाल**	**ग्रंथकार**
ध्वन्यालोक	9वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	आनन्द वर्धन
तन्त्रालोक	10वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	अभिनवगुप्त
काव्य प्रकाश	11वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	मम्मट
काव्य मीमांसा	12वीं शताब्दी	राजशेखर

18. 'उज्ज्वलनीलमणि' ग्रंथ के लेखक कौन हैं?

(1) रूपगोस्वामी (2) अभिनव गुप्त
(3) राजशेखर (4) मम्मट

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
ग्रंथ	**रचनाकाल**	**ग्रंथकार**
उज्ज्वल नीलमणि	15-16 शताब्दी	रूपगोस्वामी
काव्यप्रकाश	11वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	मम्मट
काव्य मीमांसा	12वीं शताब्दी	राजशेखर
तन्त्रालोक	10वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	अभिनवगुप्त

19. अभिव्यक्तिवाद के प्रवर्तक हैं-

(A) शंकुक (B) अभिनव गुप्त
(C) भट्ट लोल्लट (D) आनन्दवर्धन

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
सिद्धान्त	**आचार्य प्रवर्तक**	**दर्शन**
अभिव्यक्तिवाद	अभिनवगुप्त	शैव दर्शन
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट	मीमांसा दर्शन
अनुमितिवाद	शंकुक	न्याय दर्शन
ध्वनि सिद्धान्त	आनन्दवर्धन	

20. अभिव्यंजनावाद के प्रवर्तक हैं-

(A) आई. ए. रिचर्ड्स (B) टी. एस. इलियट
(C) क्रोचे (D) लोंजाइनस

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
सिद्धान्तवाद	**प्रवर्तक**
अभिव्यंजनावाद	क्रोचे
सम्प्रेषण एवं मूल्य सिद्धान्त	आई.ए. रिचर्ड्स
उदात्तवाद	लोंजाइनस
निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त	इलियट

21. काव्य में उदान्त तत्व को सर्वाधिक महत्व किसने दिया है?

(A) प्लेटो (B) अरस्तू
(C) इलियट (D) लोंजाइनस

उत्तर – (D)

व्याख्या–(1) साहित्य में पाश्चात काव्यशास्त्री लोंजाइनस ने उदात्त तत्व या उदात्तवाद को महत्व दिया है।
(2) प्लेटो ने काव्य में प्रत्ययवाद/आदर्शवाद को महत्व दिया है।
(3) अरस्तू ने काव्य में अनुकृति एवं विरेचन/त्रासदी/अनुकरण सिद्धान्त को महत्व दिया है।
(4) इलियट ने काव्य में वस्तुनिष्ठ समीकरण/निर्वैयक्तिकता संवेदनशीलता का असाहचर्य/व्यैक्तिप्रज्ञा का सिद्धान्त एवं परम्परा की परिकल्पना सिद्धान्त को महत्व दिया है।

22. हिन्दी-प्रसार के संदर्भ में निम्नलिखित प्रमुख संस्थाओं का कालक्रम के अनुसार सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा चेन्नई, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, नागरी प्रचारिणी सभा काशी, राष्ट्र भाषा प्रचार समिति वर्धा
(B) नागरी प्रचारिणी सभा काशी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, दक्षिण भारत प्रचार सभा चेन्नई, राष्ट्र भाषा प्रचार समिति वर्धा
(C) राष्ट्र भाषा प्रचार समित वर्धा, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, नागरी प्रचारिणी सभा काशी, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा चेन्नई
(D) दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा चेन्नई, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, नागरी प्रचारिणी सभा काशी, राष्ट्र भाषा प्रचार समिति वर्धा

उत्तर – (B)

व्याख्या -	
हिन्दी प्रसार की प्रमुख संस्थाएं	**स्थापना वर्ष**
नागरी प्रचारिणी सभा काशी	1893 ई.
हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग	1910 ई.
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा चेन्नई	1918 ई.
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा	1936 ई.

23. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखकों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) रामकुमारवर्मा, रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबन्धु, रामस्वरूप चतुर्वेदी
(B) रामकुमारवर्मा, रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबन्धु, रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबन्धु, रामकुमारवर्मा, रामस्वरूप चतुर्वेदी
(D) मिश्रबन्धु, रामचन्द्र शुक्ल, रामकुमार वर्मा, रामस्वरूप चतुर्वेदी

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
इतिहास ग्रंथ	**जन्म**	**इतिहासकार**
मिश्रबन्धु विनोद	1865 ई.	मिश्रबन्धु
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1884 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1905 ई.	रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	1931 ई	रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दी गद्य विन्यास और विकास		,,
हिन्दी काव्य का इतिहास		,,
आधुनिक कविता यात्रा		,,
भक्ति काव्य यात्रा		,,

24. निम्नलिखित पत्रिकाओं के प्रकाशन का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) धर्मयुग, हंस, सरस्वती, कविवचन सुधा
(B) सरस्वती, कविवचन सुधा, हंस, धर्मयुग
(C) कविवचन सुधा, सरस्वती, हंस, धर्मयुग
(D) हंस, सरस्वती, धर्मयुग, कविवचन सुधा

उत्तर – (C)

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु	मा.पा.सा./काशी
हरिश्चन्द्र मैगजीन	1873 ई.	हरिश्चन्द्र	मासिक/बनारस
बालाबोधिनी	1874 ई.		मासिक/बनारस
सरस्वती	1900 ई.	चिन्तामणि घोष	मासिक/काशी
हंस	1930 ई.	प्रेमचन्द	मासिक/बनारास
धर्मयुग	1950 ई.	धर्मवीर भारती	साप्ताहिक/बम्बई

25. निम्नलिखित रचनाओं का काल क्रमानुसार सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) अंधेर नगरी, अंधा युग, संसद से सड़क तक, मगध
(B) संसद से सड़क तक,अंधेर नगरी, अंधा युग, मगध
(C) मगध, अंधेर नगरी, अंधा युग, संसद से सड़क तक,
(D) अंधा युग, अंधेर नगरी, मगध, संसद से सड़क तक,

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
अंधेर नगरी	1881 ई.	भारतेन्द्र हरिश्चन्द्र	नाटक
अंधा युग	1955 ई.	धर्मवीर भारती	गीतिनाट्य
संसद से सड़क तक	1972 ई.	सुदामा पाण्डेय 'धूमिल	काव्य
मगध	1984 ई.	श्रीकान्त वर्मा	काव्य संग्रह

26. निम्नलिखित उपन्यासों का रचनाकाल की दृष्टि से सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) त्यागपत्र, सेवासदन, मैला आँचल, आधा गाँव
(B) आधा गाँव, मैला आँचल, सेवासदन, त्यागपत्र
(C) सेवासदन, त्यागपत्र, आधा गाँव, मैला आँचल
(D) सेवासदन, त्यागपत्र, मैला आँचल, आधा गाँव

उत्तर – (D)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
सेवासदन	1918 ई.	प्रेमचन्द
त्यागपत्र	1937 ई.	जैनेन्द्र
मैला आँचल	1954 ई.	फणीश्वर नाथ रेणु
आधा गाँव	1966 ई.	राही मासूम रजा

27. निम्नलिखित नाटकों का रचनाकाल की दृष्टि से सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) लहरों के राजहंस, सिंदूर की होली, आठवां सर्ग, ध्रुवस्वामिनी
(B) सिंदूर की होली, ध्रुवस्वामिनी, लहरों के राजहंस, आठवां सर्ग
(C) ध्रुवस्वामिनी, सिंदूर की होली, लहरों के राजहंस, आठवां सर्ग
(D) आठवां सर्ग, लहरों के राजहंस, ध्रुवस्वामिनी, सिंदूर की होली

उत्तर – (C)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
ध्रुवस्वामिनी	1933 ई.	जयशंकर प्रसाद
सिन्दूर की होली	1934 ई.	लक्ष्मीनारायण मिश्र
लहरों के राजहंस	1963 ई.	मोहन राकेश
आठवां सर्ग	1976 ई.	सुरेन्द्र वर्मा

28. रससूत्र के व्याख्याकारों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) भट्ट लोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त
(B) शंकुक, भट्ट लोल्लट, भट्टनायक, अभिनवगुप्त
(C) अभिनवगुप्त, शंकुक, भट्ट लोल्लट, भट्टनायक
(D) भट्ट लोल्लट, भट्टनायक, शंकुक, अभिनवगुप्त

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रस सूत्र के व्याख्याकार	सिद्धान्त	दर्शन
भट्ट लोल्लट	उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	मीमांसा
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
भट्टनायक	भोगवाद/भुक्तिवाद	सांख्य
अभिनवगुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव

29. निम्नलिखित पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय चिंतकों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) कॉलरिज, अरस्तू, आई.ए.रिचड्र्स, जान क्रो रैंसम
(B) अरस्तू, कॉलरिज, जान क्रो रैंसम, आई.ए. रिचड्र्स
(C) आई.ए. रिचड्र्स, कॉलरिज, अरस्तू, जान क्रो रैंसम
(D) अरस्तू, कॉलरिज, आई.ए. रिचड्र्स, जान क्रो रैंसम

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय चिंतक	जीवनकाल
अरस्तू	384-322 ई. पू. (मकदूनिया)
सैमुअल कॉलरिज	1772-1834 ई. (इंग्लैण्ड)
जान क्रो रैंसम	1888-1974 ई. (अमेरिका)
ईवर आर्मस्ट्रोंग रिचड्र्स	1893-1979 ई. (इंग्लैण्ड)

30. निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय ग्रंथों का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) काव्यानुशासन, साहित्य दर्पण, रस मंजरी, रस गंगाधर
(B) साहित्य दर्पण, काव्यानुशासन, रस गंगाधर, रस मंजरी
(C) रस मंजरी, साहित्य दर्पण, रस गंगाधर, काव्यानुशासन
(D) काव्यानुशासन, साहित्य दर्पण, रस गंगाधर, रस मंजरी

उत्तर – (A)

व्याख्या-

काव्य शास्त्रीय ग्रंथ	रचनाकाल	काव्यशास्त्री
काव्यानुशासन	12वीं शताब्दी	हेमचन्द्र
साहित्य दर्पण	14वीं शताब्दी	विश्वनाथ कविराज
रस मंजरी	15वीं शताब्दी	भानुदत्त
रस गंगाधर	17वीं शताब्दी	पण्डितराज जगन्नाथ

31. निम्नलिखित वर्णों को उनके ध्वनिगुणों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) क	(i) सघोष महाप्राण
(B) ख	(ii) अघोष महाप्राण
(C) ग	(iii) सघोष अल्पप्राण
(D) घ	(iv) सघोष अल्पप्राण
	(v) सघोष आनुवांशिक

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	iv	ii	iii	i	(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	iv	i	(D)	i	iii	iv	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या–
क - अघोष अल्पप्राण
ख - अघोष महाप्राण
ग - सघोष अल्पप्राण
घ - सघोष महाप्राण

32. निम्नलिखित हिन्दी के भाषाविदों को उनके ग्रंथों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) कामता प्रसाद गुरु	(i) हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास
(B) किशोरीदास वाजपेयी	(ii) हिन्दी व्याकरण
(C) उदय नारायण तिवारी	(iii) भाषा और समाज
(D) रामविलास शर्मा	(iv) हिन्दी शब्दानुशासन

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	i	ii	iii	iv	(B)	ii	iv	i	iii
(C)	ii	i	iii	iv	(D)	iv	ii	i	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

भाषा ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	भाषाविद्
हिन्दी व्याकरण		कामता प्रसाद गुरू
हिन्दी शब्दानुशासन	1957 ई.	किशोरी दास वाजपेयी
हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास		उदय नारायण तिवारी
भाषा और समाज	1961 ई.	रामविलास शर्मा

33. निम्नलिखित काव्य ग्रंथों को उनके कवियो साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) आत्मजयी	(i) गिरिजा कुमार माथुर
(B) धरती	(ii) कुँवर नारायण
(C) आँगन के पार द्वार	(iii) अज्ञेय
(D) धूप के धान	(iv) त्रिलोचन
	(v) रघुवीर सहाय

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	i	ii	iii	iv	(B)	ii	i	iii	iv
(C)	ii	iv	ii	i	(D)	v	i	ii	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या-

काव्य ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
आत्मजयी	1965 ई.	कुँवर नारायण
धरती	1945 ई.	त्रिलोचन
आँगन के पार द्वार	1961 ई.	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
धूप के धान	1954 ई.	गिरिजा कुमार माथुर
आत्महत्या के विरुद्ध	1967 ई.	रघुवीर सहाय

34. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) शुद्ध कविता की खोज	(i) अज्ञेय
(B) आत्मनेपद	(ii) मुक्तिबोध
(C) एक साहित्यिक की डायरी	(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(D) हिन्दी साहित्य की भूमिका	(iv) दिनकर
	(v) रामचन्द्र शुक्ल

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	i	ii	iii	iv	(B)	v	i	ii	iii
(C)	v	ii	i	iii	(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
शुद्ध कविता की खोज	1966 ई.	दिनकर	आलोचना
आत्मनेपद	1960 ई.	अज्ञेय	निबन्ध संग्रह
एक साहित्यिक की डायरी	1964 ई.	मुक्तिबोध	डायरी
हिन्दी साहित्य की भूमिका	1940 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी	इतिहास ग्रंथ
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	1952 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी	इतिहास ग्रंथ

35. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) ये उपमान मैले हो गये हैं	(i) अज्ञेय
(B) हम राज्य लिये मरते हैं	(ii) बिहारी
(C) बतरस लालच लाल की	(iii) मैथिलीशरण गुप्त
(D) भक्तिहिं ज्ञानहिं नहिं कछु भेदा	(iv) तुलसीदास
	(v) पंत

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	v	i	ii	iii	(B)	i	iii	ii	iv
(C)	i	ii	ii	iv	(D)	iv	v	i	ii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य पंक्तियाँ	पंक्तिकार
ये उपमान मैले हो गए हैं	अज्ञेय
हम राज्य लिये मरते हैं	मैथिलीशरण गुप्त
बतरस लालच लाल की	बिहारी
भक्तिहिं ज्ञानहिं नहिं कछु भेदा	तुलसीदास
तुम वहन कर सको जन मन में मेरे विचार वाणी मेरी, चाहिए तुम्हें क्या अलंकार	सुमित्रानंदन पंत

36. निम्नलिखित गद्य पंक्तियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है	(i) प्रेमचंद
(B) अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन	(ii) प्रसाद
(C) निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल	(iii) भारतेन्दु
(D) मर्द साठे पर पाठे होते हैं	(iv) रामचन्द्र शुक्ल
	(v) हजारीप्रसाद द्विवेदी

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	i	ii	iii	iv	(B)	v	i	ii	iii
(C)	iv	ii	iii	i	(D)	i	iv	v	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

गद्य पंक्तियाँ	गद्यकार
बैर क्रोध का आचार या मुरब्बा हैं	रामचन्द्र शुक्ल
अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन	जयशंकर प्रसाद
निज भाषा उन्नति अहैं सब उन्नति को मूल	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
मर्द साठे पर पाठे होते हैं	प्रेमचन्द
निबन्ध व्यक्ति की स्वाधीन चिन्ता की उपज है	हजारी प्रसाद द्विवेदी

37. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) हिन्दी प्रदीप	(i) राजेन्द्र यादव
(B) ब्राह्मण	(ii) कमला प्रसाद
(C) सरस्वती	(iii) बालकृष्ण भट्ट
(D) वसुधा	(iv) प्रतापनारायण मिश्र
	(v) महावीर प्रसाद द्विवेदी

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	iii	iv	v	ii	(B)	i	ii	iii	iv
(C)	i	iii	ii	iv	(D)	iv	ii	iii	i

उत्तर – (A)

व्याख्या -			
पत्रिका	**प्रवर्तन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रतापनारायण मिश्र	मासिक/कानपुर
सरस्वती	1903 ई.	महावीर प्रसाद द्विवेदी	मासिक/इलाहाबाद
वसुधा		हरिशंकर परसाई/कमला प्रसाद/स्वयं प्रकाश/ राजेन्द्र शर्मा	त्रैमासिक/भोपाल
हंस (पुनर्प्रकाशन)	1986 ई.	राजेन्द्र यादव	मासिक/दिल्ली

38. निम्नलिखित ग्रंथो को उनके काव्यरूपों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) पंचवटी	(i) महाकाव्य
(B) प्रियप्रवास	(ii) काव्यनाटक
(C) एक कण्ठ विषपायी	(iii) खण्ड काव्य
(D) शिवाबावनी	(iv) मुक्तक
	(v) चम्पू

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	v	iv	i	ii	(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iii	i	ii	iv	(D)	ii	iii	i	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या			
काव्य ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**	**काव्य रूप**
पंचवटी	1925 ई.	मैथिलीशरण गुप्त	खण्डकाव्य
प्रियप्रवास	1914 ई.	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	महाकाव्य
एक कण्ठ विषपायी	1963 ई.	दुष्यन्त कुमार	काव्य नाटक (गीतिनाट्य)
शिवाबावनी		भूषण	मुक्तक
कामायनी	1935 ई.	जयशंकर प्रसाद	महाकाव्य (15 सर्ग)
उवर्शी	1909 ई.	जयशंकर प्रसार	चम्पू

39. रस सूत्र के व्याख्याकारों को उनके सिद्धांतों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) भट्ट लोल्लट	(i) अभिव्यक्तिवाद
(B) शंकुक	(ii) भुक्तिवाद
(C) भट्ट नायक	(iii) अनुमितिवाद
(D) अभिनवगुप्त	(iv) उत्पत्तिवाद
	(v) व्यक्ति वैचित्र्यवाद

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	v	i	ii	iv	(B)	iv	iii	ii	i
(C)	i	ii	iii	iv	(D)	ii	iii	iv	i

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
रस सिद्धान्त	**रस सूत्र के व्याख्याकार**	**दर्शन**
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट	मीमांसा दर्शन
अनुर्मितिवाद	शंकुक	न्याय दर्शन
भुक्तिवाद/भोगवाद	भट्ट नायक	सांख्य दर्शन
अभिव्यक्तिवाद	अभिनवगुप्त	शैव दर्शन

40. निम्नलिखित पाश्चात्य साहित्य-चिंतकों को उनके सिद्धांत के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) ज्याँ पाल सार्त्र	(i) अभिव्यंजनवाद
(B) जॉक देरिदा	(ii) अस्तित्ववाद
(C) टी.एस. इलियट	(iii) विखण्डनवाद
(D) क्रोचे	(iv) निर्वैयक्तिकता
	(v) मार्क्सवाद

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	i	ii	iii	iv	(B)	v	i	ii	iii
(C)	v	ii	iv	i	(D)	ii	iii	iv	i

उत्तर – (D)

व्याख्या	
पाश्चात्य साहित्य चिंतक	**सिद्धान्त**
ज्याँ पाल सार्त्र	अस्तित्ववाद
जॉक देरिदा	विखण्डनवाद
टी.एस. इलियट	निर्वैक्तिकता
क्रोचे	अभिव्यंजनावाद
कार्ल मार्क्स	मार्क्सवाद

निर्देश (41-45) - निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तरों के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

कवि-वाणी प्रसार से हम संसार के सुख-दुःख, आनन्द-क्लेश आदि का शुद्ध स्वार्थमुक्त रूप में अनुभव करते हैं इस प्रकार के अनुभव के अभ्यास से हृदय का बन्धन खुलता है और मनुष्यता की उच्च भूमि की प्राप्ति होती है। किसी अर्धपिशाच कृपण को देखिए। जिसने केवल अर्धलोभ के वशीभूत होकर क्रोध, दया, श्रद्धा, भक्ति, आत्माभिमान आदि भावों को एकदम दबा दिया है और संसार के मार्मिक पक्ष से मुँह मोड़ लिया है। न सृष्टि के किसी रूपमाधुर्य को देख वह पैसों का हिसाब-किताब भूल कर कभी मुग्ध होता है, न किसी दीन-दुखिया को देख कभी करुणा से द्रवीभूत होता है, न कोई अपमानसूचक बात सुनकर क्रुद्ध या क्षुब्ध होता है। यदि उससे किसी लोमहर्षक अत्याचार की बात कही जाए तो वह मनुष्य धर्मानुसार क्रोध या घृणा प्रकट करने के स्थान पर रुखाई के साथ कहेगा कि ''जाने दो, हमसे क्या मतलब, चलो अपना काम देखें।'' यह महा भयानक मानसिक रोग है। इससे मनुष्य आधार मर जाता है।

41. कविता मनुष्य के हृदय को उदार बनाती है।

(A) यह कथन सत्य है
(B) यह कथन गलत है
(C) यह कथन अंशतः सत्य है
(D) यह कथन अंशतः गलत है

उत्तर – (A)

व्याख्या–कविता मनुष्य के हृदय को उदार बनाती है यह पूर्णतः सत्य है क्योंकि कवि की वाणी के प्रसाद से हम संसार के सुखः दुःख, आनन्द क्लेश आदि का शुद्ध स्वार्थमुक्त रूप में अनुभव करते हैं।

42. लोभी व्यक्ति का भाव-जगत् संकुचित हो जाता है-

(A) यह कथन गलत है
(B) यह कथन सत्य है
(C) यह कथन अंशतः सत्य है
(D) यह कथन अंशतः गलत है

उत्तर – (B)

व्याख्या–जब मनुष्य अर्थलोभ के वशीभूत होकर क्रोध, दया, श्रद्धा, भक्ति, आत्माभिमान आदि भावों से अपने आप को दबा लेता है तब लोभी व्यक्ति का भाव जगत संकुचित हो जाता है।

43. अत्याचार की बात सुनकर क्या करना चाहिए?

(A) उदासीन हो जाना चाहिए
(B) दूर भाग जाना चाहिए
(C) उसका सक्रिय विरोध करना चाहिए
(D) दूसरों का ध्यान उधर आकर्षित करना चाहिए

उत्तर – (C)

व्याख्या–मनुष्य को अत्याचार की बातें सुनकर उसका सक्रिय विरोध करना चाहिए तथा धर्मानुसार उस अत्याचार के विरोध में क्रोध या घृणा प्रकट करना चाहिए।

44. उदासीनता किस प्रकार का रोग है?

(A) स्थायी रोग है (B) अस्थायी रोग है
(C) शारीरिक रोग है (D) मानसिक रोग है

उत्तर – (D)

व्याख्या–उदासीनता मानव का भयानक मानसिक रोग है उदासीन मनुष्य समाज में हो रहे अत्याचार के प्रति सदैव रुखाई दिखाता है। उदासीनता के कारण मनुष्य का आधार मर जाता है।

45. कवि वाणी से जीवन निर्वाह करना कहाँ तक सही है?

(A) कुछ लोगों के लिए संभव है
(B) सभी लोगों के लिए संभव है
(C) सभी लोगों के लिए कुछ दिन के लिए संभव है
(D) सभी लोगों के शानदार जीवन निवार्ह के लिए संभव है।

उत्तर – (B)

व्याख्या–कवि वाणी से जीवन निर्वाह करना सभी लोगों (मनुष्यों) के लिए सम्भव है। क्योंकि कवि वाणी के प्रसार से हम संसार के सुख दुःख, आनन्द क्लेश आदि का शुद्ध स्वार्थमुक्त रूप में अनुभव करते हैं।

निर्देश (46-50) - दी गयी स्थापनाओं (Assertion) और तर्कों (Reasons) को ध्यानपूर्वक पढ़ें और बहुविकल्पी उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

46. A-स्थापना : नाद सौंदर्य से कविता की आयु बढ़ती है।

R-तर्क : नाद का संबंध छन्द से होता है। इसलिए जो लोग छन्द की परवाह करते हैं उनकी कविता की आयु अधिक हो जाती है।

(A) A और R दोनों सही है (B) A और R दोनों गलत है
(C) A सही R गलत है (D) A गलत R सही है

उत्तर – (A)

व्याख्या–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार- ''नाद सौन्दर्य से कविता की आयु बढ़ती है। नाद सौन्दर्य का तात्पर्य काव्य के सम्पूर्ण अलंकरण से होता है काव्य में रस, छन्द, अलंकार आदि से कविता की आयु अधिक हो जाती है।

47. A-स्थापना : भाषा एक सामाजिक सम्पत्ति है।

R-तर्क : भाषाविहीन समाज की कल्पना संभव नहीं है।

(A) A और R दोनों सही है (B) A और R दोनों गलत है
(C) A सही R गलत है (D) A गलत R सही है

उत्तर – (A)

व्याख्या–भाषा एक सामाजिक सम्पत्ति है क्योंकि किसी भी भाषा का विकास समाज द्वारा ही होता है जिस भाषा का जितना परिमार्जित प्रारूप समाज द्वारा प्रचलन एवं प्रयोग में लाया जाता है उस भाषा का उतना ही विकास होता है। भाषा ही मनुष्य को अन्य जीव-जन्तुओं से भिन्न बनाती है। अतः भाषा विहीन समाज की कल्पना सम्भव नहीं है।

48. A-स्थापना : आधुनिक हिन्दी आलोचना पर पश्चिम के साहित्य-चिंतन का गहरा प्रभाव है।

R-तर्क : हिन्दी के प्रमुख समीक्षक पाश्चात्य साहित्य चिंतन से प्रभावित नहीं है।

(A) A और R दोनों सही है (B) A और R दोनों गलत है
(C) A सही R गलत है (D) A गलत R सही है

उत्तर – (C)

व्याख्या–आधुनिक हिन्दी आलोचना पश्चिम के साहित्य चिन्तन से प्रभावित है तथा हिन्दी के मुख्य समीक्षक पाश्चात्य दर्शन से प्रभावित है। हिन्दी साहित्य में गद्य विधाओं (नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, आलोचना, डायरी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तान्त, संस्मरण, रेखाचित्र) का विकास पश्चिमी साहित्य (अंग्रेजी साहित्य) से हुआ है।

49. A-स्थापना : नयी कविता में छायावाद का प्रभाव एकदम नहीं है।

R-तर्क : नयी कविता पूर्णतः पश्चिमी प्रभाव में जन्मी है।

(A) A और R दोनों सही है (B) A और R दोनों गलत है
(C) A सही R गलत है (D) A गलत R सही है

उत्तर – (A)

व्याख्या–नई कविता में पुरानी परम्पराओं को तोड़ा गया और यह पश्चिमी दर्शन अस्तित्ववाद व यथार्थवाद पर आधारित है। नई कविता का उत्थान पूर्णरूपेण पश्चिमी साहित्य द्वारा उत्पन्न हुई।

50. A-स्थापना : दलित चेतना की प्रमाणिक अभिव्यक्ति दलित रचनाकारों द्वारा ही हो सकती है।

R-तर्क : दलित जीवन का वास्तविक अनुभव केवल दलितों को ही होता है।

(A) A और R दोनों सही है (B) A और R दोनों गलत है
(C) A सही R गलत है (D) A गलत R सही है

उत्तर – (A)

व्याख्या– दलित चेतना की प्रामाणिक अभिव्यक्ति केवल दलित रचनाकारों को ही हो सकती है। तथा इसका वास्तविक अनुभव केवल दलितों को ही होता है। चेतनाा की सीधा संबंध दृष्टि से होता है।

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2005
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल
(विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

1. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया है?

(A) 343 (B) 434
(C) 334 (D) 445

उत्तर – (A)

व्याख्या–भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343-351 तक राजभाषा का संविधान में प्रावधान किया गया है तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गयी है। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया है। 14 सितम्बर 1949 को भारत के संविधान में हिन्दी को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई है।

2. 'मुण्डा' भाषा परिवार का क्षेत्र कौन सा है?

(A) राजस्थान (B) मध्य प्रदेश
(C) तमिलनाडु (D) छोटा नागपुर

उत्तर – (D)

व्याख्या-

भाषा परिवार	परिवार क्षेत्र
मुण्डा भाषा	छोटा नागपुर (झारखण्ड)
द्रविड़ भाषा	तमिलनाडु
राजस्थानी हिन्दी भाषा	राजस्थान
पूर्वी हिन्दी भाषा	मध्य भारतीय आर्य क्षेत्र

3. 'दक्षिण भारत हिन्दी प्रसार सभा' का मुख्यालय कहाँ है?

(1) बैंगलुरु (2) चेन्नई
(3) हैदराबाद (4) अर्नाकुलम

उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी भाषा की 'दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा' का मुख्यालय चेन्नई (तमिलनाडु) में है। इसकी स्थापना महात्मा गाँधी द्वारा सन् 1918 ई. में दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए की गयी थी।

4. 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' किसकी रचना है?

(A) गोस्वामी तुलसीदास (B) नन्ददास
(C) नाभादास (D) गोस्वामी गोकुलनाथ

उत्तर – (D)

व्याख्या–गोस्वामी गोकुलनाथ के ग्रंथ-चौरासी वैष्णवन की वार्ता एवं दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता।

गोस्वामी तुलसीदास के ग्रंथ - वैराग्य संदीपनी, रामाज्ञा प्रश्नावली (दोहावली रामायण), रामलला नहछू, जानकी मंगल, रामचरितमानस, पार्वती मंगल, कृष्ण गीतावली, गीतावली (पदावली रामायण), विनय पत्रिका दोहावली, बरवै रामायण कवितावली या कबित्तावली (हनुमान बाहुक)।

नंददास के ग्रंथ - अनेकार्थ मंजरी, मान मंजरी, सुदामा चरित, रसमंजरी, रूपमंजरी, विरहमंजरी, प्रेमबारह खड़ी, श्यामा सगाई, रुक्मिणी मंगल, भँवर गीत, रासपंचाध्यायी, सिद्धान्त पंचाध्यायी, दशमस्कंध भाषा।

नाभादास के ग्रंथ - भक्तमाल (1585), अष्टयाम।

5. आल्हा किस ऋतु में गाया जाता है?

(A) ग्रीष्म ऋतु (B) शरद् ऋतु
(C) वर्षा ऋतु (D) बसन्त ऋतु

उत्तर – (C)

व्याख्या–रासो काव्य परम्परा के प्रमुख कवि जगनिक द्वारा रचित आल्हा खण्ड (परमालरासो) एक वीरगीत/वीर काव्य है जो सामान्यतः वर्षा ऋतु में गाया जाता है।

6. बीसलदेव रासो के रचयिता हैं' –

(A) जगनिक (B) नरपति नाल्ह
(C) चंदबरदाई (D) शारंगधर

उत्तर – (B)

व्याख्या-

ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विशेष
बीसलदेव रासो	1212 ई.	नरपति नाल्ह	श्रृंगार रस / वीर काव्य
परमाल रासो (आल्हा खण्ड)	1230 ई.	जगनिक	वीर रस/ वीर काव्य
पृथ्वीराज रासो	1192 ई	चन्दवरदाई	वीररस/प्रबन्ध काव्य
हम्मीर रासो		शारंगधर	

7. 'इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ए ऐंदुस्तानी' की रचना की-

(A) कीथ ने (B) ग्रियर्सन ने
(C) गार्सा द तासी ने (D) गिलक्राइस्ट ने

उत्तर – (C)

व्याख्या–'इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई-ए-ऐन्दुस्तानी' नामक इतिहास ग्रंथ की रचना 'गार्सा द तासी' ने किया। गार्सा-द-तासी एक फ्रेंच विद्वान थे तथा उनका इतिहास ग्रंथ फ्रेंच भाषा में दो भागो में सन् 1839 ई. तथा 1847 ई. में प्रकाशित हुआ। इसका द्वितीय संस्करण 1871ई. में प्रकाशित हुआ था। हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन का सबसे पहला प्रयास तासी ने किया था।
जार्ज ग्रियर्सन द्वारा रचित 'द माडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' (1888 ई.) को सच्चे अर्थों में हिन्दी साहित्य का पहला इतिहास ग्रन्थ माना जाता है।

8. इनमें से कौन-सा कवि अष्टछाप का नहीं है?

(A) सूरदास (B) कुम्भनदास
(C) नन्ददास (D) रैदास

उत्तर – (D)

व्याख्या– रैदास (संत रविदास) भक्तिकाल की निर्गुण काव्य धारा के ज्ञानाश्रयी शाखा के कवि हैं।
अष्टछाप के कवि, जीवनकाल तथा जन्मस्थान का विवरण निम्नवत् हैं-

कवि	जीवनकाल	जन्म स्थान	गुरू
कुंभनदास	1468-1583 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	बल्लभाचार्य
सूरदास	1478-1583 ई.	सीही (उ.प्र.)	,,
परमानन्ददास	1493 ई.	कन्नौज (उ.प्र.)	,,

कृष्णदास	1496-1578 ई.	चिलोतरा (गुजरात)	,,
गोविन्द स्वामी	1505-1585 ई.	आंतरी (राजस्थान)	विठ्ठलनाथ
छीतस्वामी	1515-1585 ई.	मथुरा (उ.प्र.)	,,
चतुर्भुजदास	1530-1585 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	,,
नंददास	1533-1583 ई.	रामपुर (उ.प्र.)	,,

9. 'अनुराग बाँसुरी' किसकी रचना है?

(A) रहीम (B) रसखान (C) नूर मुहम्मद (D) छीत स्वामी

उत्तर – (C)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
इन्द्रावती अनुराग बाँसुरी	1744 ई. 1764 ई.	नूर मुहम्मद
बरवै नायिक भेद	1610-15 ई.	रहीमदास
पदावली		छीतस्वामी
प्रेमवाटिका	1614 ई.	रसखान

10. 'नैन नचाय कही मुसुकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी'- ये काव्य-पंक्ति किस कवि की है?

(A) पद्माकर (B) मतिराम (C) घनानन्द (D) देव

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
नैन नचाय कही मुसुकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी-	पद्माकर
कुंदन को रंग फीको लगै झलकै सब अंगन चारु गुराई।	मतिराम
अभिधा उत्तम काव्य है, मध्य लक्षणालीन अधमव्यंजना रस बिरस, उलटी कहत नवीन	देव
झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजति कानन छ्वै	घनानंद

11. 'सखि वे मुझसे कह कर जाते'-किस कवि की काव्य पंक्ति है?

(A) सियारामशरण गुप्त
(B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(D) जगदीश गुप्त

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
सखि वे मुझसे कहकर जाते	मैथिलीशरण गुप्त
रूपोद्यानप्रफुल्लप्राय कलिका राकेंदुबिंबानना। तन्वंगी कलहासिनी सुरसिका क्रीड़ाकला पुत्तली	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'' (प्रिय प्रवास)
जो कुछ प्राणों में है प्यार नहीं पीर नहीं, प्यास नहीं।	जगदीश गुप्त (छन्दशती)

12. 'शिवशम्भु के चिट्ठे' के लेखक कौन है?

(A) प्रतापनारायण मिश्र (B) श्रीनिवास दास
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) बालमुकुन्द गुप्त

उत्तर – (D)

व्याख्या-

निबन्ध	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
शिवशम्भू के चिट्ठे	1904-05 ई.	बालमुकुन्द गुप्त
घूरे का लत्ता बीनै		प्रतापनारायण मिश्र
संसार महानाट्यशाला		बालकृष्ण भट्ट

13. 'नया ज्ञानोदय' पत्रिका के सम्पादक कौन हैं?

(A) मृणाल पाण्डेय (B) रवीन्द्र कालिया
(C) प्रभाकर श्रोत्रिय (D) ज्ञान रंजन

उत्तर – (B)

पत्रिका	प्रवर्तन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
नया ज्ञानोदय	2002 ई.	रवीन्द्र कालिया	मासिक/दिल्ली
पहल	1973 ई.	ज्ञानरंजन	त्रैमासिक/जबलपुर
अक्षर		प्रभाकर श्रोत्रिय	मासिक/भोपाल

14. देश-विभाजन को लेकर लिखा गया उपन्यास है-

(A) अमृत और विष (B) झूठा सच
(C) अपने-अपने अजनबी (D) अंतराल

उत्तर – (B)

व्याख्या–

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार	विषयवस्तु
झूठा सच (दो भाग)	भाग-1-1958 भाग-2-1960	यशपाल	राष्ट्र विभाजन एवं त्रासदी का चित्रण स्वतंत्रता पश्चात देश की यथार्थ स्थिति
अमृत और विष	1966ई.	अमृतलाल नागर	भारतीय गणतंत्र के 15 वर्षों का राजनैतिक एवं सामाजिक चित्रण
अपने-अपने अजनबी	1961ई.	अज्ञेय	मत्यु से साक्षात्कार
अन्तराल	1972ई.	मोहन राकेश	सामाजिक राजनीतिक चित्रण

15. 'धातुसेन' प्रसाद के किस नाटक का पात्र है?

(A) राज्यश्री (B) चन्द्रगुप्त
(C) ध्रुवस्वामिनी (D) स्कन्दगुप्त

उत्तर – (D)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	पात्र
स्कन्दगुप्त	1928 ई.	धातुसेन, पुरुगुप्त, अनंतदेवी, देवसेना, विजया, भट्टार्क बंधु वर्मा
राज्यश्री	1915 ई.	राज्यश्री
चन्द्रगुप्त	1931 ई.	चाणक्य, शकटार, सिंहरण, सिल्यूकस, कर्नेलिया, कल्याणी, एलिस, मालविका, अलका, सुवासिनी, आम्भीक, राक्षस
ध्रुवस्वामिनी	1933 ई.	चन्द्रगुप्त, रामगुप्त, शिखर स्वामी, ध्रुवस्वामिनी

16. निम्नलिखित रचनाओं में से कौन-सा यात्रावृत्त है?

(A) चीड़ों पर चाँदनी (B) भूले-बिसरे चित्र
(C) अपनी खबर (D) पथ के साथी

उत्तर – (A)

व्याख्या–			
रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**	**विधा**
चीड़ों पर चाँदनी	1963 ई.	निर्मल वर्मा	यात्रावृत्त
अपनी खबर	1960 ई.	पाण्डेय वेचन शर्मा 'उग्र'	आत्मकथा
पथ के साथी	1956 ई.	महादेवी वर्मा	संस्मरण
भूले बिसरे चित्र	1959 ई.	भगवतीचरण वर्मा	उपन्यास

17. अपभ्रंश शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया?

(A) भरत मुनि (B) पतंजलि
(C) राजशेखर (D) भामह

उत्तर – (B)

व्याख्या–अपभ्रंश शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग पतंजलि ने किया था। स्वयंभू को 'अपभ्रंश' का वाल्मीकि और पुष्पदंत को 'अपभ्रंश का व्यास' कहा जाता है।

18. 'व्यंजना शक्ति' का कार्य क्या है?

(A) मूल्य अर्थ को व्यक्त करना
(B) प्रयोजन को व्यक्त करना
(C) मुख्यार्थ की व्याख्या करना
(D) मुख्यार्थ में छिपे अकथित अर्थ को व्यक्त करना

उत्तर – (D)

व्याख्या–व्यंजना शक्ति काव्य के मुख्यार्थ में छिपे अकथित अर्थ को व्यक्त करती है।

19. 'विखण्डनवाद' के प्रवर्तक कौन हैं?

(A) देरिदा (B) लीविस
(C) फूकोयामा (D) ग्राम्शी

उत्तर – (A)

व्याख्या–विखण्डनवाद के प्रवर्तक जॉक देरिदा हैं। फ्रैंक रेमंड लीविस 'नयी आलोचना' से सम्बन्धित प्रमुख आलोचक हैं। ग्राम्शी मार्क्सवादी आलोचना के प्रमुख समीक्षक हैं।

20. काव्य में 'निर्वैयक्तिकता' के सिद्धांत की स्थापना किसने की?

(A) कॉलरिज (B) मैथ्यू अर्नाल्ड
(C) टी.एस. इलियट (D) आई.ए. रिचर्ड्स

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
सिद्धान्त	**प्रवर्तक**
निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण का सिद्धान्त, संवेदनशीलता का असाहचर्य सिद्धान्त, वैयक्तिप्रज्ञा (वैयक्तिक बुद्धि) एवं परम्परा की परिकल्पना का सिद्धान्त	टी.एस. इलियट
सम्प्रेषण एवं मूल्य का सिद्धान्त, रागात्मक भाषा का सिद्धान्त	आई. ए.रिचर्ड्स
नव्य अभिजात्यवाद का सिद्धान्त	मैथ्यू आर्नाल्ड
कल्पना का सिद्धान्त	कॉलरिज

21. कालक्रम की दृष्टि से सही अनुक्रम क्या है?

(A) ब्राह्मण, बंगदूत, हिन्दी प्रदीप, हंस
(B) हिन्दी प्रदीप, हंस, बंगदूत, ब्राह्मण
(C) बंगदूत, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण, हंस
(D) हंस, हिन्दी प्रदीप, बंगदूत, ब्राह्मण

उत्तर – (C)

पत्रिका	**प्रवर्तन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
बंगदूत	1829 ई.	राजाराममोहन राय	साप्ताहिक/कलकत्ता
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रतापनारायण मिश्र	मासिक/कानपुर
हंस	1930 ई.	प्रेमचन्द	मासिक/बनारस

22. निम्नलिखित उपन्यासों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम क्या है?

(A) सूरज का सातवाँ घोड़ा, शेखर एक जीवनी, कंकाल, परीक्षा गुरू
(B) कंकाल, परीक्षा गुरु, शेखर एक जीवनी, सूरज का सातवाँ घोड़ा
(C) परीक्षा गुरु, कंकाल, सूरज का सातवां घोड़ा, शेखर एक जीवनी
(D) परीक्षा गुरु, कंकाल, शेखर एक जीवनी, सूरज का सातवाँ घोड़ा

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
परीक्षा गुरु	1882 ई.	श्रीनिवासदास
कंकाल	1929 ई.	जयशंकर प्रसाद
शेखर एक जीवनी	1941 ई.	अज्ञेय
सूरज का सातवाँ घोड़ा	1952 ई.	धर्मवीर भारती

नोट-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने लाला श्रीनिवासदास 'कृत' 'परीक्षागुरु' को अंग्रेजी के ढंग का हिन्दी का पहला मौलिक उपन्यास माना हैं।

23. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखकों का कालक्रमानुसार सही क्रम क्या है?

(A) रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबन्धु, गार्सा द तासी, शिवसिंह सेंगर
(B) शिव सिंह सेंगर, गार्सा द तासी, मिश्रबंधु, रामचन्द्र शुक्ल
(C) शिवसिंह सेंगर, गार्सा द तासी, रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबन्धु
(D) गार्सा द तासी, शिवसिंह सेंगर, मिश्रबन्धु, रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर – (D)

व्याख्या -		
इतिहास ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**इतिहासकार**
शिवसिंह सरोज	1883 ई.	शिवसिंह सेंगर
इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी	प्रथम भाग-1839 द्वितीय भाग-1847	गार्सा द तासी
मिश्रबन्धु विनोद	1913 ई.	मिश्रबन्धु
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

24. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) आषाढ़ का एक दिन, आधे अधूरे, पैरों तले जमीन, लहरों के राजहंस
(B) आषाढ़ का एक दिन, आधे अधूरे, पैरों तले जमीन, लहरों के राजहंस
(C) आधे अधूरे, लहरों के राजहंस, पैरों तले जमीन, आषाढ़ का एक दिन

(D) पैरों तले जमीन, आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे अधूरे

उत्तर – (*)

व्याख्या–मोहन राकेश आधुनिकता बोध के नाटककार हैं तथा उनके प्रमुख नाटकों का सही अनुक्रम - आषाढ़ का एक दिन (1958), लहरों का राजहंस (1963), आधे अधूरे (1969) तथा पैरों तले जमीन (अधूरा)।

नोट– मोहन राकेश के नाटकों के अनुक्रम सम्बन्धी प्रश्नगत सभी विकल्प असंगत है।

25. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) पूस की रात, पत्नी, बुद्धू का काँटा, परिन्दे
(B) बुद्धू का काँटा, पूस की रात, पत्नी, परिन्दे
(C) पत्नी, बुद्धू का काँटा, पूस की रात, परिन्दे
(D) पूस की रात, परिन्दे, बुद्धू का काँटा, पत्नी

उत्तर – (B)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
बुद्धू का काँटा	1914 ई.	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
पूस की रात	1930 ई.	प्रेमचन्द
पत्नी		जैनेन्द्र
परिन्दे	1960 ई.	निर्मल वर्मा

26. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम क्या है?

(A) अपनी खबर, आज के अतीत, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, अर्द्धकथा
(B) अर्द्धकथा, अपनी खबर, आज के अतीत, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, अर्द्धकथा
(C) आज के अतीत, अपनी खबर, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, अर्द्धकथा
(D) अपनी खबर, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, अर्द्धकथा, आज के अतीत

उत्तर – (D)

व्याख्या-

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
अपनी खबर	1960 ई.	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
क्या भूलूँ क्या याद करूँ नीड़ का निर्माण फिर बसेरे से दूर दश द्वार से सोपान तक	प्रथम-1969 द्वितीय-1970 तृतीय-1978 चतुर्थ-1985	हरिवंश राय बच्चन
अद्धकथा	1988	डॉ. नगेन्द्र
आज के अतीत	2003	भीष्म साहनी

27. निम्नलिखित काव्य-कृतियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) साकेत, कामायनी, लोकायतन, प्रियप्रवास
(B) प्रियप्रवास, साकेत, कामायनी, लोकायतन
(C) प्रियप्रवास, कामायनी, साकेत, लोकायतन
(D) कामायनी, साकेत, लोकायतन, प्रियप्रवास

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य कृति	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
प्रिय प्रवास	1914 ई.	हरिऔध
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
कामायनी	1935 ई.	जयशंकर प्रसाद
लोकायतन	1964 ई.	सुमित्रानंदन पंत

28. निम्नलिखित काव्य-प्रवृत्तियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) अलंकारिकता, इतिवृत्तात्मकता, क्षणवाद, शोषण का विरोध
(B) इतिवृत्तात्मकता, शोषण का विरोध, अलंकारिकता, क्षणवाद
(C) अलंकारिकता, इतिवृत्तात्मकता, शोषण का विरोध, क्षणवाद
(D) अलंकारिकता, क्षणवाद, शोषण का विरोध, इतिवृत्तात्मकता

उत्तर – (C)

व्याख्या- काव्य- 'प्रवृत्तियों' का सही अनुक्रम-

काव्य प्रवृत्तियाँ	काल (युग)
अलंकारिकता	रीतिकाल
इतिवृत्तात्मकता	द्विवेदी युग
काल्पनिकता	छायावाद
शोषण का विरोध	प्रगतिवाद
क्षणवाद	नई कविता

29. 'आलोचना' पत्रिका के सम्पादकों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) धर्मवीर भारती, शिवदान सिंह चौहान, नन्द दुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह
(B) नन्द दुलारे वाजपेयी, शिवदान सिंह चौहान, धर्मवीर भारती, नामवर सिंह
(C) शिवदान सिंह चौहान, धर्मवीर भारती, नन्द दुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह
(D) शिवदान सिंह चौहान, नन्द दुलारे वाजपेयी, धर्मवीर भारती, नामवर सिंह

उत्तर – (B)

व्याख्या– 'आलोचना' पत्रिका का प्रकाशन राजकमल प्रकाशक के द्वारा 1951 ई. में हुआ। इसके संपादकों का क्रम है– शिवदान सिंह चौहान, धर्मवीर भारती, ब्रजेश्वर वर्मा, रघुवंश, विजयदेव नारायण साही, नंददुलारे वाजपेयी एवं नामवर सिंह।

30. इनमें से कौन-सा अनुक्रम संगत है?

(A) जयशंकर प्रसाद, स्कन्दगुप्त, धातुसेन, प्रसादान्त
(B) जयशंकर प्रसाद, चन्द्रगुप्त, प्रपंचबुद्धि, दुखान्त
(C) जयशंकर प्रसाद, राज्यश्री, कोमा, दुखान्त
(D) जयशंकर प्रसाद, ध्रुवस्वामिनी, चाणक्य, सुखान्त

उत्तर – (A)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद के सम्बन्ध में सही अनुक्रम-
जयशंकर प्रसाद-स्कन्दगुप्त-धातुसेन-प्रसादान्त

31. कौन-सा युग्म संगत है?

(A) साहित्य लहरी — पद्माकर
(B) लोकायतन — निराला
(C) एक कण्ठ विषपायी — नागार्जुन
(D) वैराग्य संदीपनी — तुलसीदास

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
साहित्य लहरी	1550 ई.	सूरदास	काव्यग्रंथ
लोकायतन	1964 ई.	सुमित्रानंदन पंत	महाकाव्य
एक कण्ठ विषपायी	1963 ई.	दुष्यन्त कुमार	नाट्यगीति

वैराग्य संदीपनी	1569-70 ई.	तुलसीदास	काव्य ग्रंथ
पद्माभरण	1810 ई.	पद्माकर	रीतिग्रन्थ
भस्मांकुर	1971 ई.	नागार्जुन	खण्ड काव्य
अनामिका	1923 ई.	निराला	काव्य संग्रह

32. इन सिद्धांतों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) उत्पत्तिवाद	(i) अभिनव गुप्त
(B) अनुमितिवाद	(ii) भट्टनायक
(C) अभिव्यक्तिवाद	(iii) भट्ट लोल्लट
(D) भुक्तिवाद	(iv) विश्वनाथ
	(v) शंकुक

कोड-

	A	B	C	D
(A)	ii	iv	iii	i
(B)	i	v	ii	iii
(C)	iii	v	i	ii
(D)	iv	ii	iii	v

उत्तर – (C)

व्याख्या-

सिद्धान्त	आचार्य	दर्शन
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट	मीमांसा
अनुमितिवाद	शंकुक	न्याय
अभिव्यक्तिवाद	अभिनवगुप्त	शैव
भुक्तिवाद/भोगवाद	भट्टनायक	सांख्य

33. इन रचनाओं को उनके रचयिताओं के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) खुमाण रासो	(i) चन्दबरदाई
(B) परमाल रासो	(ii) अब्दुर्रहमान
(C) बीसलदेव रासो	(iii) दलपति विजय
(D) पृथ्वीराज रासो	(iv) नरपति नाल्ह
	(v) जगनिक

कोड-

	A	B	C	D
(A)	iii	v	iv	i
(B)	i	ii	v	iv
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	ii	iii	v	i

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
खुमाण रासो	9वीं शताब्दी	दलपति विजय
परमाल रासो (आल्ह खण्ड)	1230 ई.	जगनिक
बीसलदेव रासो	1212 ई.	नरपति नाल्ह
पृथ्वीराज रासो	1192 ई.	चन्दबरदाई
संदेश रासक	12-13शताब्दी	अब्दुर्रहमान

नोट-संदेश रासक, देशीभाषा में किसी मुसलमान द्वारा लिखा गया पहला धर्मेत्तर रास ग्रंथ है। यह एक खण्ड काव्य है।

34. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) राज्यश्री	(i) प्रभाकर श्रोत्रिय
(B) यमगाथा	(ii) लक्ष्मीनारायण लाल
(C) राम की लड़ाई	(iii) जयशंकर प्रसाद
(D) साँच कहूँ तो	(iv) स्वदेश दीपक
	(v) दूधनाथ सिंह

कोड-

	A	B	C	D
(A)	iii	ii	i	iv
(B)	v	iii	ii	i
(C)	iii	ii	iv	v
(D)	iii	v	ii	i

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
राज्यश्री	1915 ई.	जयशंकर प्रसाद	नाटक
यमगाथा	2000 ई.	दूधनाथ सिंह	नाटक
राम की लड़ाई	1979 ई.	लक्ष्मीनारायण लाल	नाटक
साँच कहूँ तो	1993 ई.	प्रभाकर श्रोत्रिय	नाटक
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक	नाटक

35. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) बसो मोरे नैनन में नंदलाल	(i) नानक देव
(B) प्रभु जी मोरे अवगुन चित्त न धरो	(ii) कबीर
(C) अब लौ नसानी अब न नसैहों	(iii) सूरदास
(D) अव्वल अल्लाह नूर उपाया कुदरत के सब बन्दे	(iv) तुलसीदास
	(v) मीराबाई

कोड-

	A	B	C	D
(A)	v	iii	iv	ii
(B)	iv	ii	iii	i
(C)	iii	iv	v	i
(D)	ii	iii	iv	v

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
बसो मेरे नैनन में नंदलाल	मीराबाई
प्रभुजी मोरे अवगुन चित्त न धरो	सूरदास
अब लौं नसानी अब न नसैहो	तुलसीदास
अव्वल अल्लह नूर उपाया कुदरत के सब बन्दे	कबीरदास
जो नर दुख में दुख नहि मानै सुख सनेह अरू भय नहि जाके	नानक देव

36. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) स्वर ध्वनियाँ	(i) क,ख,ग,घ,ड.
(B) तालव्य ध्वनियाँ	(ii) ख,थ,फ,भ
(C) अल्पप्राण ध्वनियाँ	(iii) क,त,प,ट
(D) महाप्राण ध्वनियाँ	(iv) अं, अः,ए, ओ
	(v) च,छ,ज,झ

कोड-

	A	B	C	D
(A)	ii	iii	iv	v
(B)	v	ii	i	iii
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	iv	v	iii	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या–स्वर ध्वनियाँ- अं, अः, ऐ, ओ
तालव्य ध्वनियाँ- च, छ, ज, झ
अल्पप्राण ध्वनियाँ- क, त, प, ट
महाप्राण- ख, थ, फ, भ
कण्ठ ध्वनियाँ- क, ख, ग, घ, ङ
नोट - घोष/सघोष ध्वनियाँ - समस्त स्वर वर्ग का 3, 4, 5 वर्ण तथा य र ल व ह ध्वनियाँ आती हैं।

37. सुमेलित कीजिए-

	सूची I	**सूची II**
(A)	क्रोचे	(i) अभिव्यंजनावाद
(B)	आई.ए. रिचर्ड्स	(ii) कल्पना
(C)	कॉलरिज	(iii) निर्वैक्तिकता का सिद्धांत
(D)	इलियट	(iv) सम्प्रेषण सिद्धांत
		(v) उदात्त तत्व

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	v	iii	ii	i
(B)	i	iv	ii	iii
(C)	iv	ii	i	iiii
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर – (B)

व्याख्या-	
सिद्धान्त	**प्रवर्तक**
अभिव्यंजनावाद का सिद्धान्त	क्रोचे
सम्प्रेषण का सिद्धान्त	आई. ए. रिचर्ड्स
कल्पना का सिद्धान्त	कॉलरिज
निर्वैक्तिकता का सिद्धान्त	इलियट
उदात्त तत्व का सिद्धान्त	लोंगिनुस/लोंजाइनस

38. इनमें से कौन-सा उद्धरण रचना और रचनाकार के संबंध से संगत है?

	सूची I	**सूची II**
(A)	'संत हृदय नवनीत समाना'	(i) रसलीन
(B)	'काहे री नलिनी तू कुम्हिलानी'	(ii) बिहारी
(C)	'अमिय हलाहल मद भरे'	(iii) तुलसीदास
(D)	'मेरी भवबाधा हरो'	(iv) कबीर
		(v) सूरदास

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	iii	iv	i	ii
(B)	iv	ii	i	v
(C)	v	iii	ii	iv
(D)	i	iv	v	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिकार**
सन्त हृदय नवनीत समाना	तुलसीदास
काहे री नलिनी तू कुम्हिलानी	कबीर
अमिय हलाहल मद भरे	रसलीन
मेरी भव बाधा हरो, राधा नागरि सोई	बिहारी
देखि री! हरि के चंचल नैन। खंजन मीन मृंगज चपलाई नहि पटतर एक सैन।।	सूरदास

39. इन बोलियों को उनके बोली क्षेत्र से सुमेलित कीजिए-

	सूची I	**सूची II**
(A)	ब्रजभाषा	(i) छपरा
(B)	भोजपुरी	(ii) सुल्तानपुर
(C)	मैथिली	(iii) बरेली
(D)	अवधी	(iv) अलीगढ़
		(v) दरभंगा

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	iii	ii	v	i
(B)	iv	i	v	ii
(C)	ii	i	v	iii
(D)	v	ii	iii	iv

उत्तर – (B)

व्याख्या-	
बोली	**बोली क्षेत्र**
ब्रजभाषा	अलीगढ़
भोजपुरी	छपरा
मैथिली	दरभंगा
अवधी	सुल्तानपुर

40. इन आचार्यों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए-

	सूची I	**सूची II**
(A)	चिन्तामणि	(i) नख-शिख वर्णन
(B)	मतिराम	(ii) काव्य निर्णय
(C)	केशव	(iii) कविकुल कल्पद्रुम
(D)	भिखारीदास	(iv) काव्य कल्पद्रुम
		(v) ललित ललाम

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	ii	iii	i	iv
(B)	iii	iv	v	i
(C)	v	iv	i	iii
(D)	iii	v	i	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
काव्य ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
कविकुल कल्पद्रुम	1650 ई.	चिन्तामणि
ललित ललाम	1661-64 ई.	मतिराम
नख-शिख वर्णन		केशवदास
काव्य निर्णय	1746 ई.	भिखारीदास

निर्देश : (41-45) - निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और दिए गए प्रश्नों के उत्तरों के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

कविता विश्व का अन्तरतम संगीत है, उसके आनन्द का रोमहास है, उसमें हमारी सूक्ष्मतम दृष्टि का मर्म प्रकाश है। जिस प्रकार कविता में भावों का अन्तरस्थ हत्स्पन्दन अधिक गम्भीर, परिस्फुट तथा परिपक्व रहता है, उसी प्रकार छन्दबद्ध भाषा में भी राग का प्रभाव, उसकी शक्ति, अधिक जाग्रत, प्रबल तथा परिपूर्ण रहती है। राग-ध्वनि लोक की कल्पना है। जो कार्य भाव जगत् में कल्पना करती है, वह कार्य शब्द जगत् में राग, दोनों अभिन्न है। यदि किसी भाषा के छन्दों में, भारती के प्राणों में शक्ति तथा स्फूर्ति संचार करने वाले उसके संगत को अपनी उन्मुक्त झंकारों के पंखों में उड़ने के लिए प्रशस्त क्षेत्र तथा विशालकोश न मिलता हो, वह पिंजरबद्ध कीर की तरह, छन्द के अस्वाभाविक बन्धनों से कुण्ठित हो, उड़ने की चेष्टा में छटपटाकर गिर पड़ता हो, तो उसे भाषा में छन्दबद्ध काव्य

का प्रयोजन ही क्या? प्रत्येक भाषा के छन्द उसके उच्चारण संगीत के अनुकूल होने चाहिए। जिस प्रकार पतंग डोर के लघु-गुरु संकेतों की सहायता से और भी ऊँची-ऊँची उड़ती जाती है, उसी प्रकार कविता का राग भी छन्द के इंगितों से दृप्त तथा प्रभावित होकर अपनी ही उन्मुक्ति में अनन्त की ओर अग्रसर होता है। हमारे साधारण वार्तालाप में भाषा संगीत को जो यथेष्ट क्षेत्र नहीं प्राप्त होता, उसी की पूर्ति के लिए काव्य में छन्दों का प्रादुर्भाव हुआ है। कविता में भावों के प्रगाढ़ संगीत के साथ भाषा का संगीत भी पूर्ण परिस्फुट होना चाहिए तभी दोनों में संतुलन रह सकता है।

41. कविता का राग छन्द तृप्त होता है-

(A) यह कथन भ्रामक है (B) यह कथन गलत है
(C) यह कथन सही है (D) यह कथन अस्पष्ट है

उत्तर – (C)

व्याख्या–कविता का राग विश्व का अन्तरतम संगीत है। कविता आनन्द का रोमहास तथा सूक्ष्मतम दृष्टि का मर्म प्रकाश है जिस प्रकार कविता में भावों का अन्तरस्थ हत्स्पन्दन अधिक गम्भीर परिस्फुट तथा परिपक्व रहता है उसी प्रकार छन्दबद्ध भाषा से कविता का राग छन्द तृप्त होता है।

42. कविता में छन्दों का अस्वाभाविक बन्धन-

(A) उचित है (B) उसका निषेध करना चाहिए
(C) अनुचित है (D) उससे बचना चाहिए

उत्तर – (C)

व्याख्या–कविता पिंजरबद्ध कीर की तरह छन्द के अस्वाभाविक बन्धनों से बंधा (कुण्ठित) होता है जिससे कविता स्वच्छंद वातावरण में अपना विकास नहीं कर पाती, यह सर्वथा अनुचित है।

43. राग और कल्पना में क्या संबंध है?

(A) परस्पर अभिन्न है (B) परस्पर पूरक है
(C) परस्पर विपरीत है (D) परस्पर समानार्थी है

उत्तर – (B)

व्याख्या–राग और कल्पना एक दूसरे के परस्पर पूरक हैं कविता के राग का प्रभाव, शक्ति, जाग्रत, प्रबल तथा परिपूर्ण होती है तथा राग-ध्वनि लोक की कल्पना तथा कार्य भाव जगत में कल्पना करती है।

44. छन्द के इंगित से कविता का राग-

(A) बाधित होता है (B) कुण्ठित होता है
(C) स्पष्ट होता है (D) अनन्त की ओर अग्रसर होता है

उत्तर – (C)

व्याख्या– कविता का राग छन्दों के इंगितों से तृप्त तथा प्रभावित होकर अपनी उन्मुक्ति में अनन्त की ओर अग्रसर (स्पष्ट) होता है।

45. भाषा का संगीत किसका उपकारक है?

(A) कल्पना का (B) भावो के संगीत का
(C) छन्द का (D) सूक्ष्म दृष्टि के

उत्तर – (C)

व्याख्या–कविता में भावों के प्रगाढ़ संगीत तथा भाषा के संगीत का पूर्ण परिस्फुट होना छन्दों का उपकारक होना चाहिए।

निर्देश : (46-50) – दी गई स्थापनाओं (Assertion) और (Reasons) को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहु-विकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

46. A- स्थापना : भक्तिकालीन हिन्दी कविता लोकमंगल के प्रति समर्पित है।
R- तर्क : लोकहित भक्ति काव्य का मुख्य उद्देश्य है।

(A) A सही और R गलत (B) A और R दोनों सही
(C) A गलत R सही (D) A और R दोनों गलत

उत्तर – (B)

व्याख्या–भक्तिकाल मुख्यतः दो भागों में बँटा है, पूर्व भक्तिकाल तथा उत्तर भक्तिकाल। भक्तिकालीन काव्य का प्रमुख उद्देश्य लोक कल्याण एवं सामान्य जनमानस के हित के लिए मार्ग प्रशस्त करना। भक्तिकाल की कविताएँ लोक मंगल के प्रति समर्पित थी, भक्तिकाल में काव्य परम्परा की तीन शाखायें सगुण भक्ति काव्य परम्परा, निर्गुण भक्ति काव्य परम्परा तथा सूफी (प्रेमाख्यान) काव्य परम्परा प्रचलित थी।

47. A- स्थापना : वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान।
उमड़कर आँखों से चुपचाप, बही होगी कविता अनजान।
R- तर्क : कविता की मूल प्रेरणा वेदना है।

(A) A सही और R गलत (B) A गलत और R सही
(C) A और R दोनों गलत (D) A और R दोनों सही

उत्तर – (D)

व्याख्या–वियोगी होगा पहला कवि आह से उपजा होगा गान। निकलकर आँखों से चुपचाप बही होगी कविता अनजान।
(R) कविता की मूल प्रेरणा वेदना है।
अतः स्थापना (A) तथा तर्क (R) दोनों सत्य है।

48. A- स्थापना : भारतेन्दुयुगीन हिन्दी कविता राष्ट्रीय चेतना से अनुप्राणित है।
R- तर्क : सभी कवि राष्ट्रीय आन्दोलन में सक्रिय थे।

(A) A और R दोनो सही (B) A सही R गलत
(C) R सही A गलत (D) A और R दोनों गलत

उत्तर – (B)

व्याख्या–भारतेन्दु युग में हिन्दी कविता नाटक उपन्यास आदि सभी विधाएँ राष्ट्रीय चेतना से अनुप्रमाणित थी तथा सभी भारतेन्दु युगीन कवियों में देशभक्ति की भावना थी जो उनकी रचनाओं में परिलक्षित होती है। लेकिन भारतेन्दु युग के सभी कवि राष्ट्रीय आन्दोलन में शामिल नहीं थे।

49. A- स्थापना : हिन्दी के सभी नए कवि अस्तित्ववादी हैं।
R- तर्क : हिन्दी की नई कविता में एक ही भावधारा उपलब्ध है।

(A) A और R दोनों गलत (B) A गलत R सही
(C) A और R दोनों सही (D) A सही R गलत

उत्तर – (A)

व्याख्या–आधुनिक काल के कवियों में हिन्दी में अस्तित्ववाद कुछ कवियों ने ही अपनाया है। हिन्दी की नई कविता में एक ही भावधारा उपलब्ध नहीं है।

50. A- स्थापना : नारी चेतना की प्रामाणिक अभिव्यक्ति स्त्री लेखिकाएँ ही कर सकती हैं।
R- तर्क : स्त्री सम्बन्धी सर्जनात्मक लेखन और स्त्री-विमर्श दोनों अलग हैं।

(A) A सही और R गलत (B) A और R दोनों सही
(C) A गलत और R सही (D) A और R दोनों गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–नारी चेतना की प्रमाणिक अभिव्यक्ति केवल नारी ही करें ऐसा जरूरी नहीं है,अनेकें पुरुष लेखकों ने भी नारी चेतना को अभिव्यक्त किया है। स्त्री सम्बन्धी सर्जनात्मक लेखन और स्त्री विमर्श दोनों अलग है।

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2006

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

1. भारतीय भाषाओं को भारतीय संविधान की किस अनुसूची में शामिल किया गया है?

(A) अष्टम (B) सप्तम
(C) नवम (D) दशम

उत्तर – (A)

व्याख्या–भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343-351 तक राजभाषा का संविधान में प्रावधान किया गया है तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान किया गया है। 14 सितम्बर, 1949ई. को भारत के संविधान में हिन्दी को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई।

2. ग्रिम नियम किस भाषा की ध्वनियों से संबंधित है?

(A) जर्मन (B) फ्रेंच
(C) रूसी (D) हिन्दी

उत्तर – (A)

व्याख्या–ग्रिम नियम जर्मन भाषा की ध्वनियों से सम्बन्धित है। 1822 में जैकब ग्रीम ने अपनी पुस्तक 'डॉयचै ग्रैमैटिक' में इस नियम को सामाने रखा और मानक जर्मन को शामिल करने के लिए इसका विस्तार किया।

3. 'महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय' का मुख्यालय है-

(A) लखनऊ (B) पुणे
(C) दिल्ली (D) वर्धा

उत्तर – (D)

व्याख्या– महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र राज्य के वर्धा जिले में स्थित है। इसकी स्थापना भारत सरकार ने सन् 1996 ई० में संसद द्वारा पारित एक अधिनियम द्वारा की थी। इस अधिनियम को भारत के राजपत्र में 8 जनवरी 1997 ई० को प्रकाशित किया गया।

4. खड़ी बोली का प्रयोग सबसे पहले किस पुस्तक में हुआ?

(A) भक्तिसागर (B) सुखसागर
(C) काव्यसागर (D) प्रेमसागर

उत्तर – (D)

व्याख्या–खड़ी बोली का सर्वप्रथम प्रयोग लल्लू लाल द्वारा कृत प्रेमसागर (1810 ई. में) हुआ है। लल्लू लाल फोर्ट विलयम कॉलेज कलकत्ता के प्राध्यापक थे। लल्लू लाल ने आगरा में एक प्रेस खोला जिसका नाम 'संस्कृत प्रेस' था। जबकि सुखसागर मुंशी सदासुखलाल 'नियाज' की प्रमुख रचना है।

5. पुष्टि मार्ग का आधार ग्रन्थ कौन-सा है?

(A) भगवद्गीता (B) महाभारत
(C) श्रीमद्भागवत (D) रामायण

उत्तर – (C)

व्याख्या– पुष्टिमार्ग का आधार ग्रंथ श्रीमद्भागवत है। पुष्टिमार्ग की स्थापना बल्लभाचार्य (1478-1530) ने किया है। पुष्टिमार्गी भक्ति में तीन प्रकार के मार्ग, जीव, तथा भक्त होते हैं, जो निम्न है -

मार्ग	जीव	भक्त
मर्यादा मार्ग (वैदिक मार्ग)	मर्यादा जीव	मर्यादा भक्ति
प्रवाह मार्ग (लौकिक सुख मार्ग)	प्रवाह जीव	प्रवाह भक्ति
पुष्टिमार्ग (भक्ति मार्ग)	पुष्टि जीव	पुष्टि या शुद्ध भक्ति

6. हिन्दी साहित्य के आदिकाल का 'अभिनव जयदेव' किसे कहा जाता है?

(A) चन्दबरदाई (B) विद्यापति
(C) पुष्पदत्त (D) जगनिक

उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य के आदिकाल का अभिनव जयदेव विद्यापति को कहा जाता है। विद्यापति को कविशेखर, कवि कण्ठहार, नव कवि शेखर, खेलन कवि, दशावधान, पंचानन, मैथिल कोकिल आदि नामों से भी जाना जाता है।

7. कृष्ण गीतावली किसकी रचना है?

(A) मीराबाई (B) रसखान
(C) सूरदास (D) तुलसीदास

उत्तर – (D)

व्याख्या-गोस्वामी तुलसीदास (1532-1623 ई.) की रचनाएँ एवं उनकी भाषा –

ब्रजभाषा	अवधी भाषा
वैराग्य संदीपनी	रामाज्ञा प्रश्नावली
कृष्ण गीतावली (1517 ई०)	रामलला नहछू
गीतावली	जानकी मंगल
विनय पत्रिका	रामचरित मानस
दोहावली	पार्वती मंगल
कवितावली (हनुमान बाहुक)	बरवै रामायण

सूरदास (1478-1583 ई०) की रचनाएँ-सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी

मीराबाई (1516-1546 ई०) की रचनाएँ-गीत गोविन्द की टीका, नरसी जी का मायरा, राग सोरठा, राग गोविन्द, मलार राग, सत्यभामा नु रुसणं, मीरा की गरबी, रुक्मणी मंगल।

रसखान (1533-1618 ई०) की रचनाएँ-सुजान रसखान, प्रेम वाटिका (1614), दानलीला, अष्टयाम।

8. 'आवत जात पनहियाँ टूटी बिसरि गयो हरि नाम' यह पंक्ति किस कवि की है?

(A) चतुर्भुजदास (B) सूरदास
(C) कुम्भनदास (D) नन्ददास

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिकार**
आवत जात पनहियाँ टूटी बिसरि गयो हरि नाम	कुम्भनदास
निर्गुन कौन देस को बासी? मधुकर हँसि समुझाय सौह दै बूझति सांच, न हांसी	सूरदास
नव मर्कत मनि स्याम कनक मनिगम ब्रजबाला वृन्दावन को रीझि मनहुँ पहिराई माला	नंददास

9. 'कुन्दन को रंग फीको लगै, झलकै अति अंगनि चारू गोराई' ये पंक्ति किस कवि की है?

(A) भूषण (B) बिहारी
(C) देव (D) मतिराम

उत्तर – (D)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिकार**
कुन्दन को रंग फीको लगै, झलकै अति अंगनि चारू गोराई	मतिराम
सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलोने गात। मनौ नीलमनि सैल पर आतप पर्‌यौ प्रभात।।	बिहारी
शिवा को बखानो कि बखानौ छत्रशाल को	भूषण
अभिधा उत्तम काव्य है, मध्य लक्षणा-लीन अधम व्यंजना रस बिरस उलटी कहत नवीन।।	देव

10. 'तंत्रीनाद कवित्त रस सरस राग रति रंग, अनबूड़े बूड़े तिरे जे बूड़े सब अंग'' इस दोहा में कौन-सा अलंकार है?

(A) उपमा (B) विरोधाभास
(C) दृष्टान्त (D) रूपक

उत्तर – (B)

व्याख्या–विरोधाभास अलंकार- जहाँ विरोध न रहने पर भी विरोध का आभास हो, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।

जैसे-तंत्रीनाद कवित्त रस सरस राग रति रंग,
अनबूड़े बूड़े तिरे जे बूड़े सब अंग।।

दृष्टान्त अलंकार-जहाँ उपमेय और उपमान के साधारण धर्म का बिम्ब-प्रतिबिम्ब भाव दर्शित किया जाये तथा वाचक शब्द का उल्लेख न हो, वहाँ दृष्टान्त अलंकार होता है।

जैसे-पगी प्रेम नन्दलाल के हमैं न भावत भोग।
मधुप राजपद पाय के, भीख न माँगत लोग।।

उपमा अलंकार-जब एक ही वाक्य में उपमेय और उपमान का सादृश्य अथवा साम्य प्रतिपादित किया जाए और विपरीत धर्म की कोई चर्चा न हो तो वहाँ उपमा अलंकार होता है।

जैसे- पीपर पात सरिस मन डोला

रूपक अलंकार-जहाँ उपमेय और उपमान में भेदरहित आरोप किया जाता है, वहाँ रूपक अलंकार होता है।

जैसे-उदित उदय गिरिमंच पर रघुवर बाल पतंग।
विकसेऊ सन्त सरोज वन, हरषे लोचन- भृंग।।

11. 'हिम किरीटिनी' किसकी रचना है?

(A) माखनलाल चतुर्वेदी (B) हरिऔध
(C) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (D) सोहनलाल द्विवेदी

उत्तर – (A)

व्याख्या-माखन लाल चतुर्वेदी (1889-1968) की काव्य रचनाएँ- हिमकिरीटिनी (1943ई.) हिम तरंगिनी (1949ई.) माता (1951ई.), समर्पण (1956ई.)।

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (1897-1960), की काव्य रचनाएँ- कुंकुम (1939 ई.), रश्मि रेखा, अपलक, क्वासि, हम विषपायी जनम के, विनोबा स्तवन, उर्मिला।

अयोध्या सिंह उपाध्याय (1865-1947) के काव्य रचनाएँ- कृष्णशतक (1882), रसिक रहस्य (1899), प्रेमांबुवारिधि (1900), प्रेमप्रपंच (1900), प्रेमाबु प्रश्रवण (1901) प्रेमाबु प्रवाह (1901), प्रिय प्रवास (1914) चोखे चौपदे (1932), फूलपत्ते (1935), चुभते चौपदे (1924), पद्म प्रसून (1925), बोलचाल (1928), रस कलश (1931), पारिजात (1937), कल्पलता (1937), ग्रामगीत (1938), हरिऔध सतसई (1940), वैदेही वनवास (1940), मर्म स्पर्श (1956)।

12. 'आह! वेदना मिली विदाई'- किस नाटक के गीत की पंक्ति है?

(A) अजातशत्रु (B) चन्द्रगुप्त
(C) स्कन्दगुप्त (D) ध्रुवस्वामिनी

उत्तर – (C)

व्याख्या- आह! वेदना मिली विदाई गीत की पंक्ति जयशंकर प्रसाद के नाटक स्कन्दगुप्त की हैं इनके अन्य नाटकों का विवरण है–

नाटक के गीत/पंक्ति/कथन	**नाटक**
'आह! वेदना मिली विदाई।	स्कन्द गुप्त (1928 ई0)
''यदि प्रेम ही जीवन का सत्य है तो, संसार ज्वालामुखी है।''	चन्द्रगुप्त (कार्नेलिया सुवासिनी से)
हिमाद्रि तुग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती स्वयं प्रभा समुज्वला स्वतंत्रता पुकारती	स्कन्दगुप्त (समवेत गायन)
अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन होता है।	स्कन्दगुप्त (स्कन्दगुप्त का आत्मकथन)

13. 'सारिका' पत्रिका का सम्पादन इनमें से किसने नहीं किया?

(A) चन्द्रगुप्त विद्यालंकार (B) मोहन राकेश
(C) राजेन्द्र यादव (D) कमलेश्वर

उत्तर – (C)

व्याख्या–सारिका पत्रिका जिसका प्रकाशन दिल्ली /मुम्बई से होता था उसके सम्पादकों में चन्द्रगुप्त विद्यालंकार, मोहन राकेश तथा कमलेश्वर शामिल थे। जबकि राजेन्द्र यादव ने हंस का पुनर्प्रकाशन (1986) दिल्ली, मासिक पत्रिका का सम्पादन किया। हंस का प्रारम्भिक स्थापना प्रेमचन्द ने 1930 में बनारस में किया था।

14. कछुआ धर्म किस विधा की रचना है?

(A) संस्मरण (B) रेखाचित्र
(C) निबन्ध (D) कहानी

उत्तर – (C)

व्याख्या–'कछुआ धर्म' तथा मारेसि मोहि कुठाव, नामक शीर्षक से चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने महत्वपूर्ण निबन्ध लिखा।

15. 'ऐ लड़की' किसकी रचना है?

(A) मैत्रेयी पुष्पा (B) मन्नू भंडारी
(C) ममता कालिया (D) कृष्णा सोबती

उत्तर – (D)

व्याख्या– ऐ लड़की (1991) कृष्णा सोबती की रचना है। इनकी अन्य कहानियाँ हैं– बादलों के घेरे (1980), सिक्का बदल गया, यारो के यार, तीन पहाड़ (1968),
मैत्रेयी पुष्पा की कहानियाँ-चिन्हार (1991), ललमनियाँ (1996), गोमा हँसती है (1998), जवाबी कागज।
मन्नू भण्डारी की कहानियाँ-मैं हार गयी (1957) यही सच है (1966) एक प्लेट सैलाब (1968), तीन निगाहों की एक तस्वीर (1968), रानी माँ का चबूतरा, गीत का चुम्बन, त्रिशंकु (1978), बंद दराजो के साथ।
ममता कालिया की कहानियाँ-छुटकारा (1969), सीट नं 6 (1978), एक अदद औरत (1979), प्रतिदिन (1983), उसका यौवन (1985), बोलने वाली औरत (2000), जाँच अभी जारी है, मुखौटा (2002)

16. 'चाकलेट' उपन्यास किसकी रचना है?

(A) चतुरसेन शास्त्री (B) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
(C) ऋषभचरण जैन (D) इलाचन्द्र जोशी

उत्तर – (B)

व्याख्या– चाकलेट (1927) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' का उपन्यास है। इनके अन्य उपन्यास हैं– चंद हसीनो के खतूत (1927), दिल्ली का दलाल (1927), बुधुआ की बेटी (1928), शराबी (1930), सरकार तुम्हारी आँखों में (1937), जी जी जी (1927), फागुन के दिन चार (1960), जुहू (1963)।
ऋषभ चरण जैन के उपन्यास-पैसे का साथी (1928), दिल्ली का व्यभिचार (1928), वेश्यापुत्र (1929), मास्टर साहब (1927), सत्याग्रह (1930), रहस्यमयी (1931), दिल्ली का कलंक (1936), चम्पाकली (1937) हिज हाइनेस (1938), मयखाना (1938), दुराचार के अड्डे (1930), तीन इक्के (1940)
आचार्य चतुरसेन शास्त्री के उपन्यास-हृदय की परख (1918), हृदय की प्यास (1931), अमर अभिलाषा (1933), व्यभिचार (1924), आत्मदाह (1937)।
इलाचन्द्र जोशी के उपन्यास-घृणामयी (1929), सन्यासी (1940), पर्दे की रानी (1942), प्रेत और छाया (1944), निर्वासित (1946), मुक्तिपथ (1948), सुबह के भूले (1951), जिप्सी (1952), जहाज का पंक्षी, (1954) ऋतु चक्र (1969), भूत का भविष्य (1973), कवि की प्रेयसी (1976)।

17. 'शकुन्तला की अँगूठी' के नाटककार हैं-

(A) सुरेन्द्र वर्मा (B) रमेश बक्षी
(C) प्रभाकर श्रोत्रिय (D) शंकर शेष

उत्तर – (A)

व्याख्या– शकुन्तला की अँगूठी (1990) के नाटककार सुरेन्द्र वर्मा हैं। इनके अन्य नाटक हैं– के नाटक द्रौपदी (1972), सेतुबंध (1972), नायक खलनायक विदूषक (1972), सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक (1975), आठवाँ सर्ग (1976), छोटे सैय्यद बड़े सैय्यद (1982), एक दूनी एक (1987), कैद-ए-हयात (1993)।
रमेश बक्षी के नाटक-देवयानी का कहना है (1972) तीसरा हाथी (1975) वामाचार (1977), यादों के घर और, कसे हुए तार (1979)।
शंकर शेष के नाटक-फंदी, घरौंदा (1978), एक और द्रोणाचार्य (1977), अरे मायावी सरोवर (1980), रक्तबीज, बंधन अपने-अपने चेहरे, कोमल गांधार (1982), पोस्टर (1983), खजुराहो का शिल्पी (1982), बिन बाती के दीप, आधी रात के बाद।
प्रभाकर श्रोत्रिय के नाटक-इला (1989), साँच कहूँ तो (1993), फिर से जहाँपनाह (1997)।

18. 'काव्यानुभूति की जटिलता चित्तवृत्तियों की संख्या पर निर्भर नहीं बल्कि संवादी-विसंवादी वृत्तियों के द्वन्द्व पर आधारित है।' यह कथन किसका है?

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) नामवर सिंह
(C) नंददुलारे वाजपेयी (D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर – (A)

व्याख्या–"काव्यानुभूति की जटिलता चित्त वृत्तियों की संख्या पर निर्भर नहीं बल्कि संवादी-विसंवादी वृत्तियों के द्वन्द पर आधारित है"। **-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**
"रसात्मक शब्दार्थ ही काव्य है और उसकी छन्दोमयी विशिष्ट विद्या आधुनिक अर्थ में कविता है।" **- डॉ. नगेन्द्र**

19. लोंजाइनस के अनुसार उदात्त का प्रमुख स्रोत क्या है?

(A) विचार (B) प्रकृति
(C) भावप्रवणता (D) अलंकार योजना

उत्तर – (A)

व्याख्या–लोंजाइनस ने विचार को उदात्त का प्रमुख स्रोत माना है। लोंजाइनस उदात्तवाद सिद्धान्त के प्रवर्तक हैं।

20. 'चक्र' का 'चक्का' हो जाना किस ध्वनि प्रवृत्ति का उदाहरण है?

(A) विषमीकरण (B) समीकरण
(C) विपर्यय (D) आगम

उत्तर – (B)

व्याख्या–चक्र का चक्का हो जाना ध्वनि के समीकरण प्रवृत्ति का उदाहरण है। जब किसी शब्द का ध्वनि परिवर्तित होता है तो एक नवीन ध्वनि के साथ नया शब्द उत्पन्न होता है। यह प्रवृत्ति ध्वनि के समीकरण प्रवृत्ति का उदाहरण है।

21. कालक्रम की दृष्टि से सही अनुक्रम क्या है?

(A) मतवाला,कल्पना,सारिका, पहल
(B) कल्पना, मतवाला, सारिका, पहल
(C) सारिका, मतवाला, पहल, कल्पना
(D) पहल, कल्पना, सारिका, मतवाला

उत्तर – (A)

व्याख्या-कालक्रम की दृष्टि से समाचार पत्रों का सही अनुक्रम है-

पत्रिका	प्रवर्तन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
मतवाला	1923 ई०	महादेव प्रसाद सेठ	साप्ताहिक/कलकत्ता
कल्पना	1949 ई०	आर्येन्द्र शर्मा	द्विमासिक/हैदराबाद
सारिका	1970 ई०	कमलेश्वर	दिल्ली /मुम्बई
पहल	1973 ई०	ज्ञानरंजन	त्रैमासिक/जबलपुर

22. प्रकाशन काल की दृष्टि से कौन-सा अनुक्रम सही है?

(A) त्यागपत्र, सुखदा, परख, सुनीता
(B) परख, सुनीता, त्यागपत्र, सुखदा
(C) सुनीता, परख, त्यागपत्र, सुखदा
(D) सुखदा, सुनीता, त्यागपत्र, परख

उत्तर – (B)

व्याख्या– जैनेन्द्र के उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम-परख (1929), सुनीता (1934), त्यागपत्र (1937), कल्याणी (1939), सुखदा (1952), विवर्त (1953), व्यतीत (1953), जयवर्द्धन (1956), मुक्तिबोध (1965), अनन्तर (1968), अनाम स्वामी (1974), दशार्क (1985)।

23. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखकों का कालक्रमानुसार सही क्रम क्या है?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी, मिश्रबन्धु, रामचंद्र शुक्ल, रामकुमार वर्मा
(B) रामकुमार वर्मा, रामचंद्र शुक्ल, मिश्रबन्धु, हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबंधु, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामकुमार वर्मा
(D) मिश्रबन्धु, रामचंद्र शुक्ल, रामकुमार वर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर – (D)

व्याख्या-

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखक	कालक्रम (जन्म मृत्यु)
मिश्रबन्धु (गणेश बिहारी)	1865 ई.
रामचन्द्र शुक्ल	1884-1941 ई.
रामकुमार वर्मा	1905-1990 ई.
हजारी प्रसाद द्विवेदी	1907-1979 ई.

24. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) संयोगिता स्वयंवर, चंद्रगुप्त, सिन्दूर की होली, कोणार्क
(B) चन्द्रगुप्त,संयोगिता स्वयंवर, कोणार्क, सिन्दूर की होली
(C) चन्द्रगुप्त, संयोगिता स्वयंवर,सिन्दूर की होली, कोर्णाक
(D) कोणार्क, चंद्रगुप्त, संयोगिता स्वयंवर, सिन्दूर की होली

उत्तर – (A)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
संयोगिता स्वयंवर	1886 ई०	लाला श्रीनिवास दास
चन्द्रगुप्त	1931 ई०	जयशंकर प्रसाद
सिन्दूर की होली	1934 ई०	लक्ष्मीनारायण मिश्र
कोणार्क	1951 ई०	जगदीश चन्द्र माथुर

25. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) यही सच है, रोज, उसने कहा था, कफन
(B) रोज, कफन, यही सच है, उसने कहा था
(C) उसने कहा था, कफन, रोज, यही सच है
(D) कफन, उसने कहा थ, यही सच है, रोज

उत्तर – (C)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
उसने कहा था	1915 ई०	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
कफन	1936 ई०	प्रेमचन्द
रोज (गैंग्रीन)	1934 ई०	अज्ञेय
यही सच है	1966 ई०	मन्नू भण्डारी

26. कालक्रम की दृष्टि से आत्मकथा के निम्नलिखित खण्डों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) बसेरे से दूर, नीड़ का निर्माण फिर, दशद्वार से सोपान तक, क्या भूलूँ क्या याद करूँ
(B) क्या भूलूँ क्या याद करूँ, नीड़ का निर्माण फिर, बसेरे से दूर, दशद्वार से सोपान तक
(C) नीड़ का निर्माण फिर, बसेरे से दूर, दशद्वार से सोपान तक, क्या भूलूँ क्या याद करूँ
(D) दशद्वार से सोपान तक, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, बसेरे से दूर, नीड़ का निर्माण फिर

उत्तर – (B)

व्याख्या–ये सभी आत्मकथाएँ हालावाद के प्रवर्तक तथा छायावादी कवि हरिवंश राय बच्चन (1907-2003) की है –
प्रथम - क्या भूलूँ क्या याद करूँ (1969)
द्वितीय - नीड़ का निर्माण फिर (1970)
तृतीय- बसेरे से दूर (1978)
चतुर्थ- दश द्वार से सोपान तक (1985)

27. निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) अनामिका, पल्लव, भारत भारती, दीपशिखा
(B) दीपशिखा, अनामिका, पल्लव, भारत भारती
(C) पल्लव, अनामिका, भारत भारती, दीपशिखा
(D) भारत भारती, पल्लव, अनामिका, दीपशिखा

उत्तर – (D)

व्याख्या-

काव्य रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
भारत भारती	1912	मैथिलीशरण गुप्त
पल्लव	1928	सुमित्रानन्दन पंत
अनामिका	1938	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
दीपशिखा	1942	महादेवी वर्मा

नोट- अनामिका के प्रथम संस्करण का प्रकाशन वर्ष 1923ई. है।
(ii) भारत भारती (1912) लिखने पर महात्मा गाँधी ने मैथिलीशरण गुप्त को राष्ट्रकवि की उपाधि दी।

28. निम्नलिखित ग्रंथों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) हिन्दी नवरत्न, देव और बिहारी, बिहारी और देव, बिहारी का नया मूल्यांकन
(B) देव और बिहारी, हिन्दी नवरत्न, बिहारी का नया मूल्यांकन, बिहारी और देव
(C) बिहारी और देव, देव और बिहारी, बिहारी का नया मूल्यांकन हिन्दी नवरत्न
(D) बिहारी का नया मूल्यांकन, बिहारी और देव, हिन्दी नवरत्न, देव और बिहारी

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
आलोचना ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**आलोचक**
हिन्दी नवरत्न	1910 ई०	मिश्रबन्धु
देव और बिहारी		कृष्ण बिहारी मिश्र
बिहारी और देव		लाला भगवान दीन
बिहारी का नया मूल्यांकन	1957 ई०	डॉ० बच्चन सिंह
नोट– 'देव और बिहारी' तथा 'बिहारी और देव' का प्रकाशन वर्ष स्पष्ट न होने के कारण प्रश्न का उत्तर संदिग्ध है।		

29. निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) रंसगंगाधर, काव्यालंकार सूत्र, ध्वन्यालोक, काव्यालंकार
(B) काव्यालंकार, काव्यालंकार सूत्र, ध्वन्यालोक, रसगंगाधर
(C) काव्यालंकार सूत्र, रसगंगाधर, काव्यालंकार, ध्वन्यालोक
(D) ध्वन्यालोक, काव्यालंकार सूत्र, रसगंगाधर, काव्यालंकार

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
काव्यशास्त्रीय ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**आचार्य**
काव्यालंकार	6वी शताब्दी पूर्वार्द्ध	भामह
काव्यालंकार सूत्र	8वीं शताब्दी उत्तरार्द्ध	वामन
ध्वन्यालोक	9वीं शताब्दी उत्तरार्द्ध	आनन्दवर्द्धन
रस गंगाधर	17वीं शताब्दी पूर्वार्द्ध	पण्डितराज जगन्नाथ

30. निम्नलिखित ग्रन्थों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) नयी कविता के प्रतिमान, कामायनी : एक पुनर्विचार, कविता के नये प्रतिमान, छायावाद का पतन
(B) कविता के नये प्रतिमान, नयी कविता के प्रतिमान, छायावाद का पतन, कामायनी : एक पुनर्विचार
(C) छायावाद का पतन, कामायनी : एक पुनर्विचार, नयी कविता के प्रतिमान, कविता के नये प्रतिमान
(D) कामायनी : एक पुनर्विचार, छायावाद का पतन, कविता के नये प्रतिमान, नयी कविता के प्रतिमान

उत्तर – (*)

व्याख्या-		
आलोचना ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**आलोचक**
कामायनी एक पुनर्विचार	1961	गजानन माधव मुक्तिबोध
छायावाद का पतन	1948	डा. देवराज
कविता के नये प्रतिमान	1968	डा. नामवर सिंह
नयी कविता के प्रतिमान	1957	लक्ष्मीकान्त वर्मा
नोट-कोई अनुक्रम सही नहीं है। अतः प्रश्न असंगत है।		

31. कौन-सा युग्म संगत है?

(A) दुःखवा मैं कासे कहूँ मोर सजनी- 'उग्र'
(B) 'ताई' -सुदर्शन
(C) 'ग्यारह वर्ष का समय'-जयशंकर प्रसाद
(D) 'रानी केतकी की कहानी'-इंशा अल्ला खाँ

उत्तर – (D)

व्याख्या -	
कहानी	**कहानीकार**
दुखवा मैं कासे कहूँ मोर सजनी	आचार्य चतुरसेन शास्त्री
ताई	विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक'
ग्यारह वर्ष का समय	रामचन्द्र शुक्ल
रानी केतकी की कहानी	इंशा अल्ला खाँ
उसकी माँ	बेचन शर्मा 'उग्र'
हार की जीत	'सुदर्शन'
ममता	जयशंकर प्रसाद

32. इन उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	**सूची-II**
(A) दिल्ली का दलाल	(i) मोहन राकेश
(B) गुनाहों का देवता	(ii) भगवती प्रसाद वाजपेयी
(C) अन्तराल	(iii) भगवतीचरण वर्मा
(D) भूले बिसरे चित्र	(iv) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
	(v) धर्मवीर भारती

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	iv	v	i	iii
(B)	iv	v	i	ii
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	v	iii	i	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या-उपन्यासों तथा रचनाकारों का सही सुमेलन इस प्रकार है-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
दिल्ली का दलाल	1927	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
गुनाहो का देवता	1949	धर्मवीर भारती
अन्तराल	1972	मोहन राकेश
भूले बिसरे चित्र	1959	भगवती चरण वर्मा
अनाथ पत्नी	1928	भगवती प्रसाद वाजपेयी

33. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	**सूची-II**
(A) धूप सा तन दीप सी मैं	(i) निराला
(B) मधुप गुनगुनाकर कह जाता	(ii) पंत
(C) स्नेह निर्झर बह गया है	(iii) नरेन्द्र शर्मा
(D) हाय! मृत्यु का ऐसा अमर अपार्थिव पूजन	(iv) महादेवी वर्मा
	(v) प्रसाद

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	iv	v	i	ii
(C)	v	iii	iv	ii
(D)	v	ii	i	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या- काव्य पंक्तियों तथा उनके रचनाकारों का सही सुमेलन इस प्रकार है–	
काव्य पंक्ति	**पंक्तिकार**
धूप सा तन दीप सी मैं	महादेवी वर्मा
मधुप गुनगुनाकर कह जाता	जयशंकर प्रसाद
स्नेह निर्झर बह गया है	निराला
हाय! मृत्यु का ऐसा अमर अपार्थिव पूजन	पंत
आज के बिछुड़े न जाने कब मिलेंगे	नरेन्द्र शर्मा

34. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) बाला बोधिनी	(i) प्रेमचंद
(B) हंस	(ii) हरिशंकर परसाई
(C) प्रतीक	(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द
(D) कल्पना	(iv) अज्ञेय
	(v) आर्येन्द्र शर्मा

कोड-

	A	B	C	D
(A)	ii	iii	v	i
(B)	i	v	iv	ii
(C)	iii	i	iv	v
(D)	iv	iii	v	i

उत्तर – (C)

व्याख्या- पत्रिकाओं का उनके सम्पादकों के साथ सही सुमेलन इस प्रकार है–

पत्रिका	प्रवर्तन वर्ष	सम्पादक	प्रसार/स्थान
कविवचनसुधा हरिश्चन्द्र मैगजीन बालाबोधिनी	1868 1873 1874	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा.,पा,सा,/काशी मासिक/बनारस मासिक/बनारस
हंस	1930	प्रेमचन्द	मासिक/बनारस
प्रतीक	1947	अज्ञेय	द्विमासिक/इलाहाबाद
कल्पना	1949	आर्येन्द्र शर्मा	द्विमासिक/हैदराबाद

35. सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) मृगावती	(i) शेख नबी
(B) मधुमालती	(ii) जायसी
(C) आखिरी कलाम	(iii) मंझन
(D) अनुराग बांसुरी	(iv) कुतुबन
	(v) नूर मुहम्मद

कोड-

	A	B	C	D
(A)	i	v	iii	ii
(B)	ii	v	iv	i
(C)	iii	i	v	iv
(D)	iv	iii	ii	v

उत्तर – (D)

व्याख्या - रचना तथा रचनाकारों का सही क्रम इस प्रकार है–

प्रेमाख्यान ग्रंथ	रचनाकार
मृगावती	कुतुबन
मधुमालती	मंझन
आखिरी कलाम	जायसी
अनुराग बाँसुरी	नूर मुहम्मद
ज्ञानदीप	शेख नबी

36. इन बोलियों को उनके बोली क्षेत्र से सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) बांगरु	(i) अलीगढ़
(B) भोजपुरी	(ii) मेरठ
(C) कुमायुँनी	(iii) अल्मोड़ा
(D) खड़ी बोली	(iv) छपरा
	(v) रोहतक

कोड-

	A	B	C	D
(A)	v	iv	iii	ii
(B)	iv	iii	ii	iv
(C)	i	iv	iii	ii
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर – (A)

व्याख्या- बोलियों का उनके क्षेत्र से सही सुमेल है–

बोली	बोली का क्षेत्र
बंगारू	रोहतक
भोजपुरी	छपरा
कुमाउँनी	अल्मोड़ा
खड़ी बोली	मेरठ
ब्रजभाषा	अलीगढ़

37. इन रचनाओं को उनकी लेखिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) आपका बन्टी	(i) उषा प्रियंवदा
(B) पचपन खम्भे लाल दीवारे	(ii) मन्नू भण्डारी
(C) आवाँ	(iii) ममता कालिया
(D) बेघर	(iv) चित्रा मुद्गल
	(v) कृष्णा सोबती

कोड-

	A	B	C	D
(A)	i	iv	v	iii
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	iii	v	ii	i
(D)	iv	iii	i	v

उत्तर – (B)

व्याख्या- रचनाओं तथा उनके लेखिकाओं का सही सुमेल है–

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
आपका बंटी	1971	मन्नू भण्डारी
पचपन खम्भे लाल दीवारे	1961	उषा प्रियंवदा
आवाँ	2000	चित्रा मुद्गल
बेघर	1971	ममता कालिया
समय सरगम	2000	कृष्णा सोबती

38. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) दोनों ओर प्रेम पलता है	(i) प्रसाद
(B) धिक् जीवन जो पाता ही आया विरोध	(ii) तुलसीदास
(C) परहित सरिस धर्म नहीं भाई	(iii) निराला
(D) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ	(iv) मैथिलीशरण गुप्त
	(v) महादेवी वर्मा

कोड-

	A	B	C	D
(A)	ii	i	v	iv
(B)	v	ii	i	iv
(C)	iv	iii	ii	v
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर – (C)

व्याख्या- काव्य पंक्तियाँ तथा उनके रचनाकारों का सही सुमेल हैं–	
काव्य पंक्ति	**पंक्तिकार**
दोनों ओर प्रेम पलता है	मैथिलीशरण गुप्त
धिक् जीवन जो पाता ही आया विरोध	निराला
परहित सरिस धर्म नहीं भाई	तुलसीदास
वीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ	महादेवी वर्मा
मानव जीवन वेदी पर परिणय हो विरह मिलन का दुःख सुख दोनों नाचेंगे है खेल आँख का मन का	जयशंकर प्रसाद

39. सुमेलित कीजिए-

सूची-I	**सूची-II**
(A) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	(i) मम्मट
(B) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि	(ii) विश्वनाथ
(C) रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्द काव्यम्	(iii) भामह
(D) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	(iv) आनन्दवर्धन
	(v) पण्डितराज जगन्नाथ

कोड-

	A	B	C	D
(A)	v	iv	ii	iii
(B)	iii	i	v	ii
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	i	iv	v	ii

उत्तर – (B)

व्याख्या-काव्यलक्षण तथा आचार्यों का सही सुमेलन इस प्रकार है-	
वाक्य	**आचार्य**
शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	भामह
तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि	मम्मट
रमणीयार्थ प्रतिपदकः शब्द काव्यम्	पण्डित राज जगन्नाथ
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	विश्वनाथ
सहृदय हृदयाह्लादि शब्दार्थमयत्वमेय काव्य लक्षणम्	आनन्दवर्द्धन

40. सुमेलित कीजिए-

सूची-I	**सूची-II**
(A) विरेचन सिद्धान्त	(i) देरिदा
(B) निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	(ii) कॉलरिज
(C) रूपवाद	(iii) अरस्तू
(D) विखण्डनवाद	(iv) रूसो
	(v) इलियट

कोड-

	A	B	C	D
(A)	v	iv	i	ii
(B)	iii	v	ii	i
(C)	ii	iv	i	iii
(D)	iii	v	iv	i

उत्तर – (D)

व्याख्या- सिद्धांत तथा विचारक का सही सुमेल इस प्रकार है–	
सिद्धान्त	**विचारक**
विरेचन सिद्धान्त	अरस्तू
निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त	इलियट
रूपवाद	रूसो
विखंडनावाद	जाक देरिदा
कल्पना का सिद्धान्त	कालरिज

निर्देश : (41-45) - निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तरों के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, इससे अपनी श्रद्धा के बदले में हम श्रद्धेय से अपने लिए कोई बात नहीं चाहते। श्रद्धा धारण करते हुए हम अपने को उस समाज में समझते हैं जिस के किसी अंश पर चाहे हम व्यष्टि रूप में उसके अन्तर्गत न भी हों-जानबूझ कर उसने कोई शुभ प्रभाव डाला। श्रद्धा स्वयं ऐसे कामों के प्रतिकार में होती है जिनका शुभ प्रभाव अकेले हम पर नहीं बल्कि सारे मनुष्य समाज पर पड़ सकता है। श्रद्धा एक ऐसी आनन्दपूर्ण कृतज्ञता है जिसे हम केवल समाज में प्रतिनिधि रूप में प्रकट करते हैं। सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध या घृणा प्रकट करने के लिए समाज ने प्रत्येक व्यक्ति की प्रतिनिधित्व प्रदान कर रखा है। यह काम उसने इतना भारी समझा है कि उसका भार सारे मनुष्यों को बाँट दिया है, दो चार माननीय लोगों के ही सिर पर नहीं छोड़ रखा है। जिस समाज में सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार का क्रोध प्रकट करने के लिए जितने ही अधिक लोग तत्पर पाए जाएंगे,उतना ही वह समाज जाग्रत समझा जाएगा। श्रद्धा की सामाजिक विशेषता एक इसी बात से समझ लीजिए कि हम श्रद्धा रखते हैं उस पर चाहते हैं कि और लोग भी श्रद्धा रखें पर जिस पर हमारा प्रेम होता है उससे और दस पाँच आदमी प्रेम रखें इसकी हमें परवाह क्या, इच्छा ही नहीं होती, क्योंकि हम प्रिय पर लोभवश एक प्रकार का अनन्य अधिकार या इजारा चाहते हैं। श्रद्धालु अपने भाव में संसार को भी सम्मिलित करना चाहता है पर प्रेमी नहीं।

41. उपर्युक्त गद्य अवतरण का शीर्षक हो सकता है-

(A) श्रद्धा और परोपकार
(B) श्रद्धा एक व्यक्तिगत भाव
(C) श्रद्धा का स्वरूप
(D) श्रद्धा और स्वार्थ

उत्तर – (C)

व्याख्या–उपर्युक्त गद्य अवतरण का शीर्षक श्रद्धा का स्वरूप हो सकता है।

42. श्रद्धा और प्रेम में क्या अंतर है?

(A) श्रद्धा सामाजिक है और प्रेम व्यक्तिगत है
(B) श्रद्धा के मूल में व्यक्तिगत कारण होते हैं
(C) प्रेम में दुनियादारी का भाव होता है
(D) प्रेम और श्रद्धा का एक ही धरातल होता है

उत्तर – (A)

व्याख्या–श्रद्धा एक सामाजिक भाव है जब हम किसी पर श्रद्धा करते हैं तो उसके बदले में हम श्रद्धेय से कुछ नहीं चाहते, जबकि प्रेम व्यक्तिगत होता है प्रेम में हम प्रिय पर लोभवश एक अनन्य अधिकार रखते हैं तथा प्रिय से प्रेम की आशा या चाहत रखते हैं।

43. श्रद्धा एक आनन्दपूर्ण कृतज्ञता है, क्योंकि -

(A) इससे हमारा स्वार्थ सिद्ध होता है
(B) इससे श्रद्धेय की भलाई होती है
(C) हम व्यक्तिगत रूप से श्रद्धा प्रकट करते हैं
(D) हम समाज के प्रतिनिधि के रूप में इसे प्रकट करते हैं

उत्तर – (D)

व्याख्या–श्रद्धा एक आनन्दपूर्ण कृतज्ञता है क्योंकि श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, हम समाज के प्रतिनिधि के रूप में श्रद्धा को प्रकट करते हैं।

44. उपर्युक्त गद्यांश का निष्कर्ष है-

(A) श्रद्धा एक वैयक्तिक भाव है
(B) श्रद्धा एक सामाजिक भाव है
(C) श्रद्धा से श्रद्धाकर्ता का महत्व बढ़ता है
(D) श्रद्धा भाव केवल श्रद्धालु तक सीमित है

उत्तर – (B)

व्याख्या–उपर्युक्त गद्यांश का निष्कर्ष है कि श्रद्धा एक सामाजिक भाव है जिसका प्रयोग हम अपने प्रिय अथवा श्रद्धेय के लिए करते हैं।

45. जाग्रत समाज का क्या लक्षण है?

(A) केवल सदाचार पर श्रद्धा करना
(B) केवल अत्याचार पर श्रद्धा करना
(C) सदाचार और अत्याचार पर उदासीन रहना
(D) सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध करना

उत्तर – (D)

व्याख्या–जाग्रत समाज का लक्षण यह है कि वह सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध व्यक्त करे तथा समाज में श्रद्धेय का सम्मान करे एवं अत्याचारी का विरोध करे।

निर्देश (46-50) - दी गई स्थापनाओं और तर्कों को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहुविकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

46. स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य की साधना अखिल विश्व के साथ एकत्व अनुभव करने की साधना है।
तर्क (Reason) (R) : साहित्य विश्वबन्धुत्व की भावना को पुष्ट करता है।

(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) गलत और (R) सही

उत्तर – (C)

व्याख्या–साहित्य साधना (निर्माण/रचना) अखिल विश्व/सम्पूर्ण विश्व को स्वतः में अनुभव करती है क्योंकि साहित्य में विश्व बन्धुत्व की भावना होती है। साहित्य कभी भी स्वतः (एकात्मक) के लिए नहीं होता है बल्कि साहित्य की रचना सम्पूर्ण संसार के लिए होती है। अतः (A) और (R) दोनों सही है।

47. स्थापना (Assertion) (A) : संत न छाड़ै संतई, कोटिक मिलै असंत, चन्दन विष व्यापत नहीं लपटे रहत भुजंग।
तर्क (Reason) (R) : दुष्टों की संगति में संतों का स्वभाव बदल जाता है।

(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर – (A)

व्याख्या–जिस प्रकार चन्दन के वृक्ष पर अनेको विषैले सांप लिपटे रहते हैं फिर भी वृक्ष पर कोई असर नहीं पड़ता उसी प्रकार चाहे करोड़ों दुष्ट आत्माएँ मिल जाएं फिर भी साधु (सज्जन) के गुणों को अवगुण में नहीं बदल सकते। दुष्टों की संगत में रहने पर भी सन्त अपने स्वभाव को नहीं छोड़ते हैं। अतः (A) और (R) गलत है।

48. स्थापना (Assertion) (A) : अंग्रेजी पढ़ि के जदपि सद् गुन होत प्रवीन
पै निज भाषा ज्ञान बिन रहत हीन को हीन
तर्क (Reason) (R) : अंग्रेजी भाषा पढ़कर सभी लोग सम्मानित होते हैं।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत और (R) सही
(D) (A) सही और (R) गलत

उत्तर – (B)

व्याख्या–अंग्रेजी (विदेशी) भाषा पढ़कर सभी लोग विद्वान हो जाते हैं लेकिन अपनी भाषा में हीनता महसूस करते हैं। अपनी भाषा के ज्ञान के बिना कोई भी सम्मानित नहीं महसूस कर सकता है। अतः (A) और (R) दोनों गलत है।

49. स्थापना (Assertion) (A) : भाषा संस्कृति की संवाहक होती है।
तर्क (Reason) (R) : भाषा के बिना संस्कृति की कल्पना संभव नहीं है।

(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) और (R) गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर – (D)

व्याख्या–भाषा किसी समाज के विकास का द्योतक है, जो भाषा जितना अधिक एवं उच्च स्तर पर प्रयोग की जाती है वह उतनी ही प्रगतिशील होती है, भाषा के द्वारा ही हम अपनी कला, संस्कृति, ज्ञान आदि का प्रचार प्रसार करते हैं। अतः (A) और (R) दोनों सही है।

50. स्थापना (Assertion) (A) : दलित की पीड़ा को दलित लेखक ही अभिव्यक्त कर सकता है।
तर्क (Reason) (R) : सहानुभूति, स्वानुभूति के स्तर तक नहीं पहुँच सकती है।

(A) (A) गलत और (R) सही
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–ऐसा माना जाता है कि जिसके ऊपर कष्ट होता है वह उसकी अनुभूति ज्यादा अच्छी तरह कर सकता है। दलित की पीड़ा को दलित लेखक अन्य लेखकों से अच्छा ही अभिव्यक्त कर सकता है क्योंकि उसकी सहानुभूति और स्वानुभूति दोनों स्वतः की होगी। वह अपने आप को दूसरो से कहीं बेहतर समझ सकता है। अतः (A) और (R) दोनों सही है।

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2006

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

1. खड़ी बोली कहाँ बोली जाती है?

(A) झांसी (B) कानपुर
(C) मेरठ (D) अलीगढ़

उत्तर – (C)

व्याख्या–खड़ी बोली का क्षेत्र- मेरठ, रामपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, दिल्ली तथा गाजियाबाद आदि हैं।

- झाँसी, ग्वालियर, जालौन आदि में बुंदेलखंडी बोली जाती है।
- कानपुर मे 'कन्नौजी बोली' बोली जाती है।
- अलीगढ़, मथुरा, आगरा, हाथरस, भरतपुर (राज.) में ब्रजभाषा बोली जाती है।

2. नागरी लिपि का विकास किस लिपि से हुआ है?

(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी
(C) नागरीलिपि (D) हिब्रू

उत्तर – (B)

व्याख्या–लिपि का विकास-

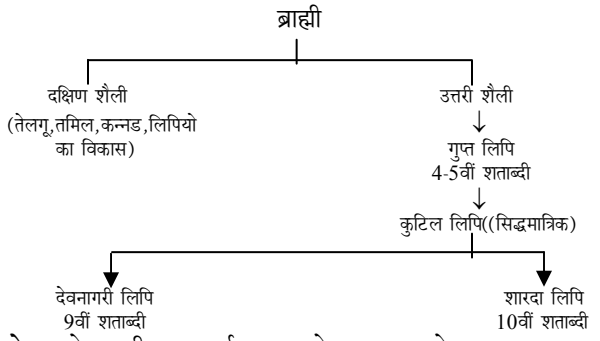

नोट- देवनागरी का सर्वप्रथम प्रयोग गुजरात के राजा जयभट्ट (7वीं-8वीं शताब्दी ई.) के एक शिलालेख में हुआ है।

3. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय कहाँ है?

(A) वर्धा (B) बैंगलोर
(C) हैदराबाद (D) मद्रास

उत्तर – (D)

व्याख्या– दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय मद्रास (चेन्नई) में है। इसकी स्थापना महात्मा गाँधी द्वारा सन् 1927 ई. में दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए किया गया था। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का पूर्व नाम 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन था।

- वर्धा (महाराष्ट्र) में महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय स्थापित है।

4. गोस्वामी गोकुल नाथ द्वारा लिखित ग्रंथ का नाम है :

(A) ज्ञानमंजरी (B) हितोपदेश
(C) भुवन दीपिका (D) चौरासी वैष्णवों की वार्ता

उत्तर – (D)

व्याख्या–गोस्वामी गोकुलनाथ द्वारा ग्रंथ- चौरासी वैष्णवन की वार्ता तथा दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता है।

5. 'आल्हाखण्ड' का रचयिता कौन है?

(A) चन्दबरदाई (B) जगनिक
(C) नरपति नाल्ह (D) अब्दुल रहमान

उत्तर – (B)

व्याख्या-

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
परमाल रासो (आल्ह खण्ड)	1230 ई.	जगनिक
पृथ्वीराज रासो	1192 ई.	चन्दवरदाई
बीसलदेव रासो	1212 ई.	नरपति नाल्ह
संदेश रासक	12-13 शताब्दी	अब्दुल रहमान

6. इनमें से कौन 'आलवार' महिला संत है?

(A) आंडाल (B) अज्कामाशी
(C) सहजोबाई (D) मीराबाई

उत्तर – (A)

व्याख्या–अलवार सन्त दक्षिण के वैष्णव संत हैं इनकी संख्या 12 है। आण्डाल दक्षिण की अलवार महिला संत हैं। जबकि सहजोबाई तथा मीराबाई उत्तर भारत की महिला संत कवि है।

7. तुलसीकृत कृष्ण काव्य कौन सा है?

(A) कृष्णायन (B) कृष्ण चरित
(C) कृष्ण चन्द्रिका (D) कृष्ण गीतावली

उत्तर – (D)

व्याख्या– 'कृष्ण गीतावली' तुलसीदास जी का कृष्ण काव्य पर रचित ग्रंथ है। कृष्णायन (1942) द्वारका प्रसाद मिश्र का महाकाव्य है।

8. 'प्रभुजी तुम चन्दन हम पानी' किसकी पंक्ति है

(A) संत दादूदयाल (B) रैदास
(C) संत पीपा (D) संत पलटू दास

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पंक्ति	कवि
प्रभुजी तुम चंदन हम पानी	रैदास
घायल की गति घायल जानै और न जानै कोई	मीराबाई
कहै कौं दुख दीजिए साईं है सब माहिं। दादू एकै आत्मा, दूजा कोई नाहिं।	संत दादू दयाल

9. इनमें से कौन रीतिबद्ध नहीं है?

(A) मतिराम (B) केशवदास
(C) घनानन्द (D) चिन्तामणि

उत्तर – (C)

व्याख्या–रीति काल के रीतिबद्ध काव्य धारा के कवि- केशवदास (1555-1617), सेनापति, जसवंत सिंह (1626-1688),मतिराम (1617-1701), देव (1673-1767), भिखारीदास, पद्माकर (1653-1833), **रीतिकाल के रीतिमुक्त काव्य धारा के कवि -** शेखआलम, घनानन्द (1689-1739), बोधा, ठाकुर (1766-1833), द्विजदेव (1820-1869), **रीतिकाल के रीतिसिद्ध काव्य धारा के कवि -** बिहारी लाल (1595-1663)

10. कौन सा लेखक भारतेन्दु मंडल का नहीं है?

(A) प्रतापनारायण मिश्र (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) प्रेमघन (D) श्रीधर पाठक

उत्तर – (D)

व्याख्या– भारतेन्दु एवं उनका मण्डल-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रतापनारायण मिश्र, ठाकुर जगमोहन सिंह, नवनीत चतुर्वेदी, अम्बिकादत्त व्यास, राधाकृष्ण दास आदि। जबकि श्रीधर पाठक द्विवेदी युगीन स्वच्छन्दतावादी कवि थे।

11. 'एक भारतीय आत्मा' नाम से कविता की रचना की :

(A) मैथिलीशरण गुप्त ने (B) माखनलाल चतुर्वेदी ने
(C) सोहन लाल द्विवेदी ने (D) बाल कृष्ण शर्मा नवीन ने

उत्तर – (B)

व्याख्या–'एक भारतीय आत्मा' कविता माखन लाल चतुर्वेदी की रचना है। माखनलाल चतुर्वेदी का उपनाम भी **'एक भारतीय आत्मा'** है। सन् 1963 ई. में इन्हें पद्म भूषण की उपाधि से सम्मानित किया गया।

कवि	उपनाम
बालकृष्ण शर्मा	नवीन
मैथिलीशरण गुप्त	मधुप, राष्ट्रकवि, रसिकेन्द्र

12. इनमें से कौन सा नाम सही है?

(A) पहला तारसप्तक (B) दूसरा तारसप्तक
(C) तारसप्तक (D) तीसरा तारसप्तक

उत्तर – (C)

व्याख्या–तार सप्तक (1943) - दूसरा सप्तक (1951) - तीसरा सप्तक (1959) - चौथा सप्तक (1979), इन सभी सप्तकों का सम्पादन सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ने किया है।

13. प्रपद्यवाद किसका पर्याय है?

(A) नई कविता (B) नकेनवाद
(C) अकविता (D) प्रयोगवाद

उत्तर – (B)

व्याख्या–प्रपद्यवाद (1956 ई.) को नकेनवाद भी कहते हैं। प्रपद्यवाद का प्रवर्तन नलिन विलोचन शर्मा ने किया था। बिहार के तीन कवि नलिन विलोचन शर्मा, केशरी कुमार और नरेश के नाम के प्रथम अक्षरों को आधार मानकर 'नकेन' बनता है।
अकविता (1963, प्रारंभ काव्य) के प्रवर्तक जगदीश चतुर्वेदी, प्रयोगवाद (1943) के प्रवर्तक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' तथा नयी कविता (1954) नाम अज्ञेय का अपनी एक रेडियो वार्ता में सर्वप्रथम प्रयोग किया एवं नयी कविता (1954) का आरम्भ जगदीश गुप्त द्वारा सम्पादित 'नयी कविता' पत्रिका के प्रकाशन से माना जाता है।

14. अज्ञेय की कौन सी रचना यात्रा पर आधारित है?

(A) एक बूंद सहसा उछली (B) आत्मनेपद
(C) बावरा अहेरी (D) जयदोल

उत्तर – (A)

व्याख्या–सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (1911-1987) की रचना, विधा एवं प्रकाशन वर्ष-

रचना	प्रकाशन वर्ष	विधा
अरे यायावर रहेगा याद	1953	यात्रा-साहित्य
एक बूँद सहसा उछली	1960	यात्रा-साहित्य
आत्मनेपद	1960	आलोचना
बावरा अहेरी	1954	काव्य संग्रह
जयदोल	1951	कहानी संग्रह

15. कौन सी रचना शमशेर बहादुर सिंह की है?

(A) पीली छतरी वाली लड़की (B) पीली रात
(C) पीली आंधी (D) एक पीली शाम

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
पीली छतरी वाली लड़की	2001	उदयप्रकाश	कहानी संग्रह
पीली आँधी	1996	प्रभा खेतान	उपन्यास
एक पीली शाम	–	शमशेर बहादुर	कविता

16. 'कटरा बी आर्जू' किसकी रचना है?

(A) असगर वजाहत (B) गुलशेरखां शानी
(C) राही मासूम रज़ा (D) अब्दुल बिस्मिल्ला

उत्तर – (C)

व्याख्या–राही मासूम रजा के उपन्यास-आधा गाँव (1966), टोपी शुक्ला (1969), हिम्मत जौनपुरी (1969), ओस की बूँद (1973), सीन 75 (1977) कटरा बी. आर्जू (1978), असंतोष के दिन (1985), नीम के पेड़ (2003)।
गुलशेर खाँ 'शानी' के उपन्यास-काला जल (1965), कस्तूरी (1964), पत्थरों में बन्द आवाज (1964), साल बनो का द्वीप (1967), नदी और सीपियाँ (1970), एक लड़की की डायरी (1973), फूल तोड़ना मना है (1980) साँप और सीढ़ी (1983) ।
अब्दुल विस्मिल्ला के उपन्यास-समर शेष है (1980), झीनी झीनी बीनी चदरिया (1986), जहरवाद (1987), दंतकथा (1990), मुखड़ा क्या देखे (1996), अपवित्र आख्यान (2008), रावी लिखता है।
असगर वजाहत के उपन्यास-सात आसमान (1996), कैसी आग लगाई (2004), मनमाटी (2011) बरखा रचाई।

17. 'नेपथ्य राग' किसका नाटक है?

(A) मीराकान्त (B) मृणाल पाण्डेय
(C) त्रिपुरारी शर्मा (D) कुसुम कुमार

उत्तर – (A)

व्याख्या–मीराकांत के नाटक - नेपथ्य राग (2004), अंतहाजिर हो, कन्धे पर बैठा शाप
मृणाल पाण्डेय के नाटक - जो राम रचि राखा (1981), मौजूदा हालात को देखते हुए (1979) आदमी जो मछुआरा नहीं था (1883)।
कुसुम कुमार के नाटक - संस्कार को नमस्कार, ओम क्रान्ति क्रान्ति, सुनों शेफाली, दिल्ली ऊँचा सुनती है, रावणलीला, मादामिट्टी, पवन चतुर्वेदी की डायरी, सलामी मंच एवं लश्कर चौक (1979)।
त्रिपुरारी शर्मा के नाटक-काठ की गाड़ी, बाँझ घाटी

18. रुद्रट वक्रोक्ति को शब्दालंकार मानते हैं, इसे अर्थालंकार किसने माना है?

(A) दण्डी (B) क्षेमेन्द्र
(C) वामन (D) आनन्दवर्धन

उत्तर – (A)

व्याख्या–वक्रोक्ति को रुद्रट शब्दालंकार मानते हैं जबकि दण्डी वक्रोक्ति की अर्थालंकार मानते हैं। वामन 'रीति सम्प्रदाय',क्षेमेन्द्र 'औचित्य सम्प्रदाय' तथा आनन्दवर्धन ध्वनिसम्प्रदाय, के प्रवर्तक आचार्य हैं।

19. इनमें से कौन भरतमुनि के रस-सूत्र का व्याख्याकार है?

(A) मम्मट (B) भट्टलोल्लट
(C) भामह (D) क्षेमेन्द्र

उत्तर – (B)

व्याख्या– सूत्र– विभावनुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पन्तिः।

भरतमुनि (रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक)
↓
व्याख्याकार (क्रम से)– भट्ट लोल्लट
↓
भट्ट शंकुक
↓
भट्टनायक
↓
अभिनवगुप्त

20. 'प' ध्वनि का उच्चारण स्थान है :

(A) दन्त्य (B) ओष्ठ्य
(C) मूर्धन्य (D) कंठ्य

उत्तर – (B)

व्याख्या- उच्चारणा स्थान के आधार पर -

स्थान	ध्वनि
कण्ठ्य (कण्ठ से)	क, ख, ग, घ, ङ
तालव्य (तालु से)	च, छ, ज, झ, ञ, य, श
मूर्धन्य (तालु के मूर्धा भाग से)	ट, ठ, ड, ढ, ण, र, ष
दन्त्य (दाँतों के मूर्धा भाग से)	त, थ, द, ध, न, ल, स
वर्त्स्य (दन्त मूल से)	न, स, र, ल
ओष्ठय (दोनों होठो से)	प, फ, ब, भ, म
दन्तोष्ठ्य	व, फ
स्वर यन्त्रीय (काकल्प)	क

21. निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम क्या है?

(A) पहला राजा, बकरी, स्कन्दगुप्त, कोर्टमार्शल
(B) कोर्टमार्शल, स्कन्दगुप्त, पहला राजा, बकरी
(C) स्कन्दगुप्त, पहला राजा, बकरी, कोर्टमार्शल
(D) बकरी, कोर्टमार्शल, पहला राजा, स्कन्दगुप्त

उत्तर – (C)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
स्कन्दगुप्त	1928	जयशंकर प्रसाद
पहला राजा	1969	जगदीशचन्द्र माथुर
बकरी	1974	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
कोर्ट मार्शल	1991	स्वदेश दीपक

22. निम्नलिखित कविताओं का सही अनुक्रम क्या है?

(A) मुक्ति-प्रसंग, संसद से सड़क तक, अपनी केवल धार, आवज की भी जगह है
(B) संसद से सड़क तक, आवाज़ की भी जगह है, मुक्ति प्रसंग, अपनी केवल धार
(C) अपनी केवल धार, आवाज की भी जगह है, मुक्ति-प्रसंग, संसद से सड़क तक
(D) आवाज की भी जगह है, संसद से सड़क तक, मुक्ति-प्रसंग, अपनी केवल धार

उत्तर – (B)

व्याख्या-

कविता	प्रकाशन वर्ष	कवि
संसद से सड़क तक	1972	धूमिल 'सुदामा पाण्डेय
आवाज़ की भी जगह है		
मुक्ति प्रसंग		राजकमल चौधरी
अपनी केवल धार	1980	अरुण कमल

23. निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) पानी के प्राचीर, जंगल जहाँ से शुरू होता है, मैला-आंचल, लोकऋण
(B) लोकऋण, मैला-आंचल, जंगल जहाँ से शुरू होता है, पानी के प्राचीर
(C) जंगल जहाँ से शुरू होता है, लोकऋण, पानी के प्राचीर, मैला-आंचल
(D) मैला-आंचल, पानी के प्राचीर, लोकऋण, जंगल जहाँ से शुरू होता है

उत्तर – (D)

व्याख्या-

निबंध	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
मैला आँचल	1954	फणीश्वरनाथ रेणु
पानी के प्राचीर	1961	रामदरश मिश्र
लोक ऋण	1977	विवेकीराय
जंगल जहां शुरू होता है	2000	संजीव

24. निम्नलिखित पत्रिकाओं के प्रकाशन का सही अनुक्रम क्या है?

(A) हंस, आलोचना, रविवार, सरस्वती
(B) आलोचना, सरस्वती, रविवार, हंस
(C) रविवार, हंस, सरस्वती, आलोचना
(D) सरस्वती, हंस, आलोचना, रविवार

उत्तर – (D)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
सरस्वती	1900	चिन्तामणि घोष	मासिक/काशी
हंस	1930	प्रेमचन्द	मासिक/बनारस
आलोचना	1951	शिवदान सिंह चौहान	त्रैमासिक/दिल्ली
रविवार			

25. निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) कफन, वापसी, पुरस्कार, राजा निरबंशिया
(B) वापसी, कफन, राजा निबंशिया, पुरस्कार
(C) राजा निरबंशिया, वापसी, पुरस्कार, कफन
(D) पुरस्कार, कफन, राजा निरवंशिया, वापसी

उत्तर – (D)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
पुरस्कार		जयशंकर प्रसाद
कफन	1936	प्रेमचन्द
राजा निरबंसिया	1957	कमलेश्वर
वापसी	1960	ऊषा प्रियंवदा

26. निम्नलिखित निबंधों का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) प्रबंध-प्रतिमा, अतीत के चलचित्र, ठेले पर हिमालय, प्रिया-नीलकंठी
(B) अतीत के चलचित्र, प्रिया-नीलकंठी, ठेले पर हिमालय, प्रबंध-प्रतिमा

(C) ठेले पर हिमालय, प्रिया-नीलकंठी, प्रबंध-प्रतिमा, अतीत के चलचित्र

(D) प्रिया-नीलकंठी, ठेले पर हिमालय, प्रबंध-प्रतिमा, अतीत के चलचित्र

उत्तर – (A)

व्याख्या-

निबन्ध	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
प्रबन्ध प्रतिमा	1940	निराला
अतीत के चलचित्र (रेखाचित्र)	1941	महादेवी वर्मा
ठेले पर हिमालय	1958	धर्मवीर भारती
प्रिया नीलकण्ठी	1968	कुबेरनाथ राय

27. निम्नलिखित का सही अनुक्रम क्या है?

(A) नकेनवाद, प्रगतिवाद, छायावाद, हालावाद

(B) हालावाद, प्रगतिवाद, नकेनवाद, छायावाद

(C) छायावाद, हालावाद, प्रगतिवाद, नकेनवाद

(D) प्रगतिवाद, नकेनवाद, हालावाद, छायावाद

उत्तर – (C)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य में युगों का सही अनुक्रम-

छायावाद - 1918
हालावाद - 1933
प्रगतिवाद - 1936
नकेनवाद - 1956

28. रामचरितमानस के 'काण्डों' का सही अनुक्रम क्या है?

(A) अरण्य काण्ड,किष्किंधा काण्ड, अयोध्या काण्ड, बाल काण्ड

(B) बाल काण्ड, अयोध्या काण्ड, अरण्य काण्ड, किष्किंधा काण्ड

(C) बाल काण्ड, किष्किंधा काण्ड, अरण्य काण्ड, अयोध्या काण्ड

(D) अयोध्या काण्ड, अरण्य काण्ड, बाल काण्ड, किष्किंधा काण्ड

उत्तर – (B)

व्याख्या–गोस्वामी तुलसीदास द्वारा कृत रामचरित मानस (1574) के 'कांडो' का सही अनुक्रम-
बालकाण्ड - अयोध्याकाण्ड - अरण्यकाण्ड - किष्किन्धाकाण्ड
सुन्दरकाण्ड - लंकाकाण्ड - उत्तर काण्ड।

29. काव्यशास्त्र के इन ग्रंथों को रचनाकारों के नाम से सुमेलित कीजिए।

(A) ध्वन्यालोक (i) आचार्य विश्वनाथ
(B) साहित्यदर्पण (ii) मम्मट
(C) रसगंगाधर (iii) आनन्दवर्धन
(D) काव्यप्रकाश (iv) पण्डितराज जगन्नाथ
(v) राजशेखर

कोड-

	A	B	C	D
(A)	v	iii	ii	i
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	i	iv	iii	ii
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्यशास्त्रीय ग्रंथ	रचनाकाल	आचार्य
ध्वन्यालोक	9वीं शताब्दी	आनन्दवर्द्धन
साहित्य दर्पण	14वीं शताब्दी	आचार्य विश्वनाथ
रस गंगाधर	17वीं शताब्दी	पण्डित राज जगन्नाथ
काव्य प्रकाश	12वीं शताब्दी	मम्मट
काव्य मीमांसा	9वीं शताब्दी	राजशेखर

30. इन रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) गुलाबराय (i) सिंहावलोकन
(B) बच्चन (ii) मेरी असफलताएं
(C) वियोगीहरि (iii) नीड़ का निर्माण फिर
(D) यशपाल (iv) मेरा जीवन-प्रवाह
(v) अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

कोड-

	A	B	C	D
(A)	ii	iii	iv	i
(B)	iii	iv	v	ii
(C)	ii	iv	iii	i
(D)	i	iii	ii	iv

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
मेरी असफलताएं		गुलाब राय	आत्मकथा
नीड़ का निर्माण फिर	1970	हरिवंश राय बच्चन	आत्मकथा
मेरा जीवन प्रवाह	1948	वियोगीहरि	आत्मकथा
सिंहावलोकन (तीन भाग)	1951 1952 1955	यशपाल	आत्मकथा
अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा	1948	राहुल सांकृत्यायन	यात्रा साहित्य

31. निम्नलिखित आलोचकों तथा उनकी कृतियों का सुमेलन कीजिए।

(A) हजारीप्रसाद द्विवेदी (i) नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
(B) नगेन्द्र (ii) छायावाद का पतन
(C) देवराज (iii) मानवमूल्य और साहित्य
(D) मुक्तिबोध (iv) कबीर
(v) रस-सिद्धान्त

कोड-

	A	B	C	D
(A)	v	iii	i	ii
(B)	iv	ii	i	v
(C)	iv	v	ii	i
(D)	i	iii	ii	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या-

आलोचना	प्रकाशन वर्ष	आलोचक
नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	1971	मुक्तिबोध
छायावाद का पतन	1948	डॉ. देवराज
मानव मूल्य और साहित्य		डॉ. धमवीर भारती
कबीर	1941	हजारी प्रसाद द्विवेदी
रस सिद्धान्त	1964	डॉ. नगेन्द्र

नोट-रस सिद्धान्त (1977) के रचनाकार नन्ददुलारे वाजपेयी की भी एक रचना हैं।

32. पत्रिकाओं का संपादकों के साथ सुमेलन कीजिए।

(A)	हिन्दीप्रदीप	(i) पं. जुगल किशोर
(B)	बंगदूत	(ii) निराला
(C)	उदन्त-मार्तण्ड	(iii) बालकृष्ण भट्ट
(D)	मतवाला	(iv) राजाराम मोहन राय
		(v) रामवृक्ष बेनीपुरी

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	iii	iv	i	ii
(B)	iv	i	ii	iii
(C)	iii	ii	iv	v
(D)	i	iv	ii	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
हिन्दी प्रदीप	1877	बालकृष्ण भटट	मासिक/प्रयाग
बंगदूत	1829	राजाराम मोहन राय	साप्ताहिक/कलकत्ता
उदन्त मार्तंड	1826	पं. जुगल किशोर	साप्ताहिक/कलकत्ता
मतवाला	1923	निराला	साप्ताहिक/कलकत्ता

33. कवियों और कृतियों का सुमेलन कीजिए।

(A)	केशवदास	(i) ललित ललाम
(B)	मतिराम	(ii) रसिक प्रिया
(C)	भूषण	(iii) भाव विलास
(D)	देव	(iv) आर्यासप्तशती
		(v) शिवाबावनी

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	v	iii	ii	i
(B)	ii	i	v	iii
(C)	iv	v	i	ii
(D)	ii	iv	iii	i

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य ग्रन्थ	**प्रकाशन वर्ष**	**कवि**
ललितललाम	1661-64	मतिराम
रसिक प्रिया	1591	केशवदास
भाव विलास	1689	देव
शिवा बावनी		भूषण
आर्या सप्तशती		गोवर्धनाचार्य

34. निम्नलिखित पंक्तियों और कवियों का सुमेलन कीजिए।

(A)	'कनक कदलि पर सिंह समारल ता पर मेरु समाने'	(i) घनानंद
(B)	'नैन नचाय कही मुसकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी'	(ii) रसखान
(C)	'अति सूधों सनेह को मारग है	(iii) विद्यापति
(D)	'मोर पखा सिर ऊपर राखि हौं, गुंज की माल गले पहिरौगी	(iv) मतिराम
		(v) पद्माकर

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	ii	iii	i	iv
(B)	iii	v	i	ii
(C)	v	ii	i	iii
(D)	iv	iii	ii	v

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पंक्ति	**पंक्तिकार**
कनक कदलि पर सिंह समारज ता पर मेरू सामने	विद्यापति
नैन नचाय कही मुसकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी	पद्माकर
अति सूधो सनेह को मारग है	घनानन्द
मोर पखा सिर ऊपर राखि हों, गूंज की माल गले पहिरौंगी	रसखान
नृपति नैन कमलनि बूधा, चितवत बासर जाहि। हृदय कमल में हरि लें, कमलमुखी कमलाहि	मतिराम (सतसई)

35. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को कवियों से सुमेलित कीजिए।

(A)	स्नेह निर्झर बह गया है	(i) प्रसाद
(B)	ओ! वरुणा की शांत कछार	(ii) हरिऔध
(C)	सखि! वे मुझसे कहकर जाते	(iii) निराला
(D)	दिवस का अवसान समीप था	(iv) मैथिली शरण गुप्त
		(v) महादेवी वर्मा

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	i	ii	v	iii
(B)	iv	i	iii	ii
(C)	ii	iii	v	i
(D)	iii	i	iv	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

काव्य पंक्तियाँ	**कवि**
स्नेह निर्झर बह रहा है	निराला
अरे! वरूणा की शांत कछार	जयशंकर प्रसाद
सखि ! वे मुझसे कहकर जाते	मैथिलीशरण गुप्त
दिवस का अवसान समीप था	हरिऔध
मिलन का मत नाम लो मैं विरह में चिर हूँ	महादेवी वर्मा

36. निम्नलिखित पात्रों को नाट्य कृतियों से सुमेलित कीजिए।

(A)	स्कंदगुप्त	(i) विशु
(B)	कोणार्क	(ii) विलोम
(C)	आषाढ़ का एक दिन	(iii) प्रपंचबुद्धि
(D)	सूर्य की पहली किरण से अंतिम किरण	(iv) शीलवती
		(v) दाण्ड्यायन

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	iv	i	iii	ii
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	iii	i	ii	iv
(D)	v	iv	iii	ii

उत्तर – (C)

व्याख्या-			
नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**	**नाटक पात्र**
स्कन्दगुप्त	1928	जयशंकर प्रसाद	प्रपंचबुद्धि, देवसेना, विजया, भट्टार्क, पुरु गुप्त, पृथ्वीसेन
कोणार्क	1957	जगदीशचन्द्र माथुर	विशु, नरसिंह देव, धर्मपाल
आषाढ़ का एक दिन	1958	मोहन राकेश	विलोम,कालिदास, मातुल, दंतुल, मल्लिका, अंबिका
सूर्य की पहली किरण से अंतिम किरण तक	1975	सुरेन्द्र वर्मा	शीलवती

37. निम्नलिखित रचनाकारों और रचनाओं को सुमेलित कीजिए।

(A) जैनेन्द्र — (i) वे दिन
(B) निर्मल वर्मा — (ii) जूठन
(C) ओमप्रकाश बाल्मीकि — (iii) आओ पें पें घर चले
(D) प्रभा खेतान — (iv) मुक्तिबोध
(v) यह पथ बंधु था

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	iv	i	ii	iii	(B)	iii	v	i	ii
(C)	iii	ii	iv	i	(D)	i	iii	ii	v

उत्तर – (A)

व्याख्या-			
रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**	**विधा**
मुक्तिबोध	1965	जैनेन्द्र	उपन्यास
वे दिन	1964	निर्मल वर्मा	उपन्यास
जूठन	1997	ओमप्रकाश बाल्मीकि	आत्मकथा
आओ पें पें घर चलें	1990	प्रभा खेतान	उपन्यास

38. निम्नलिखित कवियों और कृतियों को सुमेलित कीजिए।

(A) सुमित्रानंदन पंत — (i) लहर
(B) जयशंकर प्रसाद — (ii) स्वर्णधूलि
(C) निराला — (iii) एकांत संगीत
(D) हरिवंश राय बच्चन — (iv) बावरा अहेरी
(v) अर्चना

कोड-

	A	B	C	D		A	B	C	D
(A)	iii	i	iv	v	(B)	i	iii	ii	iv
(C)	iv	ii	i	iii	(D)	ii	i	v	iii

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
काव्य कृतियाँ	**प्रकाशन वर्ष**	**कवि**
स्वर्ण धूलि	1947	सुमित्रानंदन पंत
लहर	1933	जयशंकर प्रसाद
अर्चना	1950	निराला
एकांत संगीत	1939	हरिवंशराय बच्चन
बावरा अहेरी	1954	अज्ञेय

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबन्धित प्रश्नों (प्रश्न सं. 39 से 43) के उत्तरों के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है। उनके मूल या मर्म तक उनकी गति नहीं होती। भीतरी या सच्ची प्रवृत्ति-निवृत्ति को जागृत रखने वाली शक्ति कविता है जो धर्म क्षेत्र में शक्ति भावना को जगाती रहती है। भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति है। अपने मंगल और लोक के मंगल का संगम उसी के भीतर दिखाई पड़ता है। इस संगम के लिए प्रकृति के क्षेत्र के बीच मनुष्य को अपने हृदय के प्रसार का अभ्यास करना चाहिए। जिस प्रकार ज्ञान नरसत्ता के प्रसार के लिए है उसी प्रकार हृदय भी। रागात्मिका वृत्ति के प्रसार के बिना विश्व के साथ जीवन का प्रकृत सामंजस्य घटित नहीं हो सकता। जब मनुष्य के सुख और आनन्द का मेल शेष प्रकृति के सुख-सौन्दर्य के साथ हो जाएगा। जब उसकी रक्षा का भाव तृणगुल्म, वृक्ष लता, पशु-पक्षी, कीट-पतंग सब की रक्षा के भाव के साथ समन्वित हो जाएगा, तब उसके अवतार का उद्देश्य पूर्ण हो जाएगा और वह जगत का सच्चा प्रतिनिधि हो जाएगा। काव्य योग की साधना इसी भूमि पर पहुंचाने के लिए है।

39. भक्ति किसे कहते हैं?

(A) प्रेम की आनन्दात्मक अनुभूति को
(B) भगवान के प्रति प्रेमानुभूति को
(C) लोक की आनन्दात्मक अनुभूति को
(D) धर्म की रसात्मक अनुभूति को

उत्तर – (D)

व्याख्या–धर्म की रसात्मक अनुभूति को ही भक्ति कहते हैं।

40. अपने मंगल और लोक के मंगल के संगम के लिए मनुष्य को अपने हृदय के प्रसार का अभ्यास कहाँ करना चाहिए?

(A) सांसारिक जीवन में (B) प्रकृति के क्षेत्र में
(C) लोक जीवन में (D) राजनीतिक जीवन में

उत्तर – (B)

व्याख्या–अपने मंगल और लोक मंगल के संगम के लिए मनुष्य को अपने हृदय से प्रसार का अभ्यास प्रकृति के क्षेत्र में करना चाहिए।

41. शासन की पहुंच कहाँ तक होती है?

(A) प्रवृत्ति-निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक
(B) शासन की पहुंच हर क्षेत्र में होती है
(C) प्रवृत्ति-निवृत्ति के मर्म तक
(D) प्रवृत्ति-निवृत्ति की संपूर्ण व्यवस्था तक

उत्तर – (A)

व्याख्या–शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है। शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति के मूल या मर्म तक नहीं होती है।

42. किस वृत्ति के प्रसार से संसार के साथ जीवन का प्रकृत सामंजस्य घटित होता है?

(A) आनन्दवृत्ति के प्रसार से
(B) धर्म वृत्ति के प्रसार से
(C) रागात्मिका वृत्ति के प्रसार से
(D) कर्म वृत्ति के प्रसार से

उत्तर – (C)

व्याख्या–रागात्मिक वृत्ति के प्रसार से सम्पूर्ण संसार के साथ जीवन का प्रकृत सामंजस्य घटित होता है।

43. धर्म के क्षेत्र में शक्ति भावना किससे जागती है?

(A) भक्ति भावना से (B) धर्म भावना से
(C) सामाजिक भावना से (D) कविता शक्ति से

उत्तर – (D)

व्याख्या–धर्म के क्षेत्र में शक्ति भावना कविता शक्ति से जागृति होती है।

निर्देश : प्रश्न संख्या 44 से 50 तक दी गई स्थापनाओं (Assertion) और तर्कों (Reason) को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहु-विकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

44. स्थापना (Assertion) (A) : मिथक मानव इतिहास को समझने का द्वार है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि ये इतिहास की भांति तथ्यात्मक होते हैं।

(A) A गलत R सही (B) A सही R गलत
(C) A और R दोनों सही (D) A और R दोनों गलत

उत्तर – (D)

व्याख्या–मिथक समाज में व्याप्त एक कल्पना है जिसका पालन हमारा समाज करता है। भूतकाल में हमारे पूर्वजों द्वारा जो नियम कानून अथवा लोक प्रथाओं का प्रारम्भ हुआ है उसी को मिथक कहते हैं मिथक का कोई साक्ष्य या प्रमाण नहीं मिलता है मिथक काल्पनिक होता है। मिथक हर समाज और देश का अलग अलग होता है, मिथक काल्पनिक होता है तथ्यात्मक नहीं होता है।

45. स्थापना (Assertion) (A) : पश्चिम के नए ज्ञानोदय ने बहुस्तरीय वर्चस्ववाद को बढ़ावा दिया।

तर्क (Reason) (R) : उसी कारण साहित्य में विकेन्द्रीकरण क प्रवृत्ति बढ़ी।

(A) A सही R गलत (B) A गलत R सही
(C) A और R दोनों सही (D) A और R दोनों गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–पश्चिमी देशों के नए ज्ञानोदय के कारण साहित्य विश्व में चारों ओर फैला। पश्चिमी देश (विकसित देश) का शिक्षा स्तर, मनोवैज्ञानिकता, दार्शनिकता, सामाजिक यथार्थवाद उच्च कोटि का माना जाता है। पश्चिम के साहित्य द्वारा सम्पूर्ण विश्व में ज्ञान की धारा प्रवाहित हुई।

46. स्थापना (Assertion) (A) : रहस्यवाद की कविताओं में सबसे अधिक विरक्तिजनक दो बातें होती हैं- भावों में सच्चाई का अभाव और व्यंजना की कृत्रिमता

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि भावों का संबंध विशुद्ध अध्यात्म से होता है।

(A) A सही R गलत (B) A और R दोनों गलत
(C) A गलत R सही (D) A और R दोनों सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–रहस्यवाद की कविताओं में धर्म, दर्शन को स्वीकार किया गया है। रहस्यवाद के अन्तर्गत आने वाली रचनाएँ में शब्दकला, वासनात्मक, प्रणयोद्गार, वेदना विवृत्ति, सौंदर्य संघटन मधुचर्या, अतृप्ति व्यंजना इत्यादि की अधिकता रहती है। रहस्यवाद में भाव मन से जुड़े होते हैं।

47. स्थापना (Assertion) (A) : साधारणीकरण की अवस्था में सामाजिक या दर्शक भाव मुक्त होकर एकाग्र चित्त से रस का अनुभव करता है।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए पश्चिमी नाट्य चिंतक ब्रेक्त ने भी इस बात का समर्थन किया है।

(A) A गलत R सही (B) A और R दोनों सही
(C) A और R दोनों गलत (D) A सही R गलत

उत्तर – (B)

व्याख्या–रस में 'साधारणीकरण' की अवधारणा सर्वप्रथम भट्टनायक ने प्रस्तुत किया। साधारणीकरण की अवस्था में सामाजिक या दर्शक भाव से मुक्त होकर रस की अनुभूति करता है। रस सूत्र के व्याख्याता भारतीय काव्यशास्त्रीय भरतमुनि हैं।

48. स्थापना (Assertion) (A) : कला सौंदर्य का विधान करती है।

तर्क (Reason) (R) : कविता में असुन्दर और कुरूप वस्तुओं का वर्णन भी कलात्मक सौन्दर्य के अन्तर्गत आता है।

(A) A और R दोनों गलत (B) A और R दोनों सही
(C) A सही R गलत (D) A गलत R सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–कविता में काल्पनिकता, यथार्थवाद, विसंगति आदि का वर्णन रहता है। कविता में असुन्दर और कुरूप वस्तुओं को अलंकार, भाष-शैली, छन्द आदि का प्रयोग काव्य वर्णन में कलात्मक सौन्दर्य के अंतर्गत आता है। कला ही सौन्दर्य का निर्माण करती है। कला द्वारा किसी भी वस्तु को सौन्दर्यमयी बनाया जा सकता है।

49. स्थापना (Assertion) (A) : श्लिष्ट या अनेकार्थवाची शब्दों के द्वारा अनेक अर्थ के अभिमान में शब्द श्लेष अलंकार होता है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि इसमें सार्थक अथवा निरर्थक शब्दों की आवृत्ति होती है।

(A) A सही R गलत (B) A गलत R सही
(C) A और R दोनों गलत (D) A और R दोनों सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–श्लेष का अर्थ है- चिपकना, मिलना अथवा संयोग। जहाँ एक शब्द के अनेक अर्थ चिपके रहते हैं, वहाँ अनेकार्थवाची शब्दों के द्वारा अनेक अर्थों का अभिज्ञान होता है। श्लेष अलंकार में सिर्फ सार्थक शब्दों का ही आवृत्ति होती है।

50. स्थापना (Assertion) (A) : ज्यों-ज्यों सभ्यता बढ़ती गई त्यों-त्यों मनुष्य की ज्ञानसत्ता बुद्धि व्यवसायात्मक होती गई।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि इसमें भावसत्ता का अभाव है।

(A) A और R दोनों गलत (B) A सही R गलत
(C) A और R दोनों सही (D) A गलत R सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–मानव का विकास उसकी बुद्धि/ज्ञान पर निर्भर करती है। जैसे-जैसे सत्यता अर्थात् सत्य का प्रभाव बढ़ता है वैसे-वैसे मनुष्य की ज्ञान सत्ता में बढ़ोत्तरी विकासात्मक प्रक्रिया के तहत होती गयी। भावसत्ता की वृद्धि वहाँ होती है जहाँ प्रेम, श्रद्धा अथवा सम्मान होता है।

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2007

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(विश्लेषण सहित व्याख्या)** **[पूर्णाङ्क : 100**

1. निम्नलिखित बोलियों में से कौन-सी बोली उत्तर प्रदेश में नहीं बोली जाती?

(A) अवधी (B) ब्रज
(C) मैथिली (D) खड़ी बोली

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
बोली	**बोली क्षेत्र**
मैथिली	**बिहार-**चम्पारन, मुजफ्फरपुर, मुंगेर,भागलपुर, दरभंगा, पूर्णिया।
अवधी	**उ.प्र.**-फैजाबाद, अयोध्या, लखीमपुर खीरी, बहराइच, गोंडा, बाराबंकी, लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव, सुल्तानपुर, रायबरेली, इलाहाबाद, जौनपुर, मिर्जापुर तथा प्रतापगढ़।
ब्रजभाषा	**उ.प्र.**- मथुरा, आगरा, अलीगढ़, बरेली, बदायूँ, एटा, मैनपुरी, गुड़गाँव, भरतपुर, करौली।
खड़ी बोली	**उ.प्र.**-मेरठ, बिजनौर, रामपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर, दिल्ली, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर।

2. हिन्दी को राजभाषा के रूप में मान्यता कब मिली?

(A) 26 जनवरी 1950 (B) 14 सितम्बर 1949
(C) 15 अगस्त, 1947 (D) 14 सितम्बर, 1955

उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी को राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर 1949ई. को मान्यता मिली थी। इसी तिथि को संविधान में हिन्दी को राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया गया था। 14 सितम्बर को ही प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस मनाया जाता है।

3. 'छ' ध्वनि का उच्चारण स्थान है :

(A) दन्त्य (B) ओष्ठय
(C) तालव्य (D) वर्त्स्य

उत्तर – (C)

व्याख्या-वर्ण एवं उनके उच्चारण स्थान के आधार पर -	
उच्चारण स्थान	**वर्ण**
कण्ठ्य (कण्ठ)	क,ख,ग,घ,ङ., अ, आ, ह, विसर्ग (:)
तालव्य (तालु)	च,छ,ज,झ,ञ,इ,ई,य,श,ज्ञ
मूर्धन्य या (मूर्द्धा)	ट,ठ,ड,ढ,ण,ऋ,र,ष
दन्त्य (दन्त)	त,थ,द,ध,न,ऌ,ल,स
ओष्ठ्य (ओष्ठ)	प,फ,ब,भ,म,उ,ऊ
दन्तोष्ठ	व, फ
कण्ठतालु	ए, ऐ
कण्ठ मूर्द्धा	क्ष
कण्ठ ओष्ठ	ओ, औ
तालु मुर्द्धा	श्र
दन्त मूर्द्धा	त्र
अनुनासिक, नासिका, नासिक्य	ङ.ञ,ण,न,म, अनुस्वर (.)
दन्त तालव्य	ज़
अन्तस्थ व्यंजन	य,र,ल,व
उष्म व्यंजन	श, ष, स, ह
अर्ध स्वर	य, व
पार्श्विक	ल
लुण्ठित/प्रकंपित	र

4. 'पुरानी हिन्दी' नामकरण किसने किया?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) इंशा अल्ला खाँ (D) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

उत्तर – (D)

व्याख्या–सर्वप्रथम चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने उत्तर अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' का नाम दिया। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'प्राकृताभाष' हिन्दी तथा भोलाशंकर व्यास ने हिन्दी के आरम्भिक रूप को 'अवहट्ट' कहा है।

5. किन रचनाकारों की भाषा को 'संध्याभाषा' कहा गया?

(A) बौद्ध-सिद्ध (B) जैन मुनि
(C) सन्त कवि (D) रासक परम्परा के कवि

उत्तर – (A)

व्याख्या–बौद्ध-सिद्धों की भाषा को 'संध्याभाषा' कहा जाता है। यह नाम मुनिदत्त तथा अद्वयबज्र ने दिया है। अन्तः साधनात्मक भावनाओं को व्यक्त करने के कारण इनकी भाषा को संध्या भाषा कहा जाता है। हरप्रसाद शास्त्री ने संध्या भाषा को 'प्रकाश-अंधकारमयी' भाषा कहा है।

6. कौन-सी कृति जायसी की है?

(A) मधुमालती (B) मृगावती
(C) कन्हावत (D) अनुराग बाँसुरी

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
काव्य ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्य ग्रंथकार**
कन्हावत	-	मलिक मुहम्मद जायसी
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
मधुमालती	1545 ई.	मंझन
अनुराग बाँसुरी	1764 ई.	नूर मुहम्मद

7. हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल को सिद्ध-सामन्त काल किसने कहा?

(A) रामकुमार वर्मा (B) राहुल सांकृत्यायन
(C) गणपतिचन्द गुप्त (D) मिश्र बन्धु

उत्तर – (B)

व्याख्या– हिन्दी साहित्य के आरम्भिककाल या आदिकाल का नाम एवं नामकरणकर्ता निम्नवत है-

नाम	नामकरणकर्ता
सिद्ध-सामन्त-काल	राहुल सांकृत्यायन
सन्धि एवं चारण काल	रामकुमार वर्मा
आरम्भिक (उन्मेष) काल	मिश्र बन्धु
प्रारम्भिक काल	गणपति चन्द गुप्त
चारणकाल	डॉ0 ग्रियर्सन
बीजवपन काल	महावीर प्रसाद द्विवेदी
आदिकाल	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
आधार काल	सुमन राजे
वीरकाल	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
अपभ्रंश काल	धीरेन्द्र वर्मा
अन्धकाल	कपिल कुलश्रेष्ठ
आधारकाल	मोहन अवस्थी
संक्रमण या प्रवर्तन काल	राम खेलावन पाण्डेय
वीरगाथा काल	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

8. मध्वाचार्य किस सम्प्रदाय के संस्थापक हैं?

(A) द्वैत (B) अद्वैत
(C) शुद्धाद्वैत (D) विशिष्टाद्वैत

उत्तर – (A)

व्याख्या-

सम्प्रदाय	प्रवर्तक	दर्शन
श्री सम्प्रदाय	रामानुजाचार्य	विशिष्टाद्वैतवाद
ब्रह्म सम्प्रदाय	मध्वाचार्य	द्वैतवाद
रुद्र सम्प्रदाय	विष्णु स्वामी	शुद्धाद्वैतवाद
सनकादि सम्प्रदाय	निम्बार्काचार्य	द्वैताद्वैतवाद
वैष्णव सम्प्रदाय	बल्लभाचार्य	शुद्धाद्वैतवाद

9. तुलसीदास की किस रचना का सम्बन्ध ज्योतिष से है?

(A) रामलला नहछू (B) जानकी मंगल
(C) हनुमान-बाहुक (D) रामाज्ञा प्रश्नावली

उत्तर – (D)

व्याख्या-गोस्वामी तुलसीदास (1532-1623) की रचना एवं उसका सम्बन्ध या रचना की विषयवस्तु -

रचना	विषय वस्तु
रामललानहछू	संस्कारों पर स्त्री गीत अर्थात सोहर, भगवान राम के जन्म के समय से सम्बन्धित है।
जानकी मंगल	भगवान राम-सीता के विवाह का वर्णन
हनुमान बाहुक	बाहु पीड़ा से मुक्ति के लिये हनुमान जी की स्तुति की गयी है।
रामाज्ञाप्रश्न	यह एक ज्योतिष ग्रंथ है।

10. निम्नलिखित में से कौन-से रीतिसिद्ध कवि हैं?

(A) देव (B) बिहारी
(C) मतिराम (D) पद्माकर

उत्तर – (B)

व्याख्या– मुख्यतः बिहारी की ही गणना रीतिसिद्ध कवियों में की जाती है। रीतिबद्ध कवियों में केशवदास, चिन्तामणि, देव, मतिराम, पद्माकर, जसवंत सिंह, सेनापति इत्यादि कवि आते हैं। रीतिमुक्त कवियों में आलम, घनानन्द, ठाकुर, बोधा द्विजदेव आदि कवि आते हैं।

11. हिन्दी प्रदीप के सम्पादक थे :

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) प्रेमघन (D) राधाकृष्ण दास

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पत्र-पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा.पा.सा./काशी
हरिश्चन्द्र मैगजीन	1873 ई.		मासिक/काशी
बालाबोधिनी	1874 ई.		मासिक/काशी
आनन्द कादम्बिनी	1881 ई.	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन	मासिक/मिर्जापुर
नागरी नीरद	1893 ई.		साप्ताहिक/मिर्जापुर
सरस्वती	1900 ई.	चिन्तामणि घोष	मासिक/काशी

नोट- (1) राधाकृष्ण दास सरस्वती पत्रिका के सम्पादन मण्डल के सदस्य थे।

(2) 'सरस्वती' प्रथमतः काशी से प्रकाशित होती थी पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 में इसके सम्पादक श्यामसुन्दरदास थे तथा 1903 में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने।

12. 'शेर सिंह का शस्त्र समर्पण' के रचनाकार हैं:

(A) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (B) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(C) सुभद्रा कुमारी चौहान (D) जयशंकर प्रसाद

उत्तर – (D)

व्याख्या -

कविता	कवि
शेरसिंह का शस्त्र समर्पण	जयशंकर प्रसाद
जूही की कली	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
दिल्ली	रामधारी सिंह दिनकर
झाँसी की रानी	सुभद्रा कुमारी चौहान

13. 'कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाए'-किसकी पंक्ति है

(A) बालकृष्ण शर्मा नवीन (B) रामनरेश त्रिपाठी
(C) माखनलाल चतुर्वेदी (D) सोहनलाल द्विवेदी

उत्तर – (A)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिकार**
कवि कुछ .....मच जाये	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
पराधीन रहकर अपना सुख, शोक न कह सकता है। वह अपमान जगत में केवल पशु ही सह सकता है।	रामनरेश त्रिपाठी
सखे, बता दो कैसे गाऊ, अमृत मौत का नाम न हो, जगे, एशिया, हिले विश्व और राजनीति का नाम न हो	माखन लाल चतुर्वेदी
न हाथ एक शस्त्र हो, न हाथ एक अस्त्र हो, न अन्न वीर वस्त्र हो, हटो नहीं, डरो नहीं, बढ़े चलो बढ़े चलो	सोहन लाल द्विवेदी

14. इनमें से कौन 'नकेनवादी' रचनाकार नहीं है?

(A) नलिन विलोचन शर्मा (B) केसरी कुमार
(C) केदारनाथ सिंह (D) नरेश

उत्तर – (C)

व्याख्या– केदारनाथ सिंह नकेनवादी रचनाकार नहीं है। केदारनाथ सिंह प्रयोगवादी के कवि है। नकेनवाद लगभग प्रयोगवाद के साथ-साथ चलने वाली काव्यधारा है। इसका स्वतंन्त्र आन्दोलन के रूप में 1956 ई. में सामने आया। इसका दूसरा नाम प्रपद्यवाद भी है। इसके संस्थापकों में तीन नाम प्रमुख है।

न	नलिन विलोचन शर्मा	(तीनों बिहार के)
के	केशरी कुमार	
न	नरेश	

जबकि केदारनाथ सिंह प्रयोगवाद से तथा तीसरा सप्तक के कवि हैं।

15. 'हरिजन गाथा' किसकी रचना है?

(A) धूमिल (B) नागार्जुन
(C) लीलाधर जगूड़ी (D) आलोक धन्वा

उत्तर – (B)

व्याख्या-	
काव्य	**काव्यकार**
हरिजन गाथा	नागार्जुन
ईश्वर की अध्यक्षता में	लीलाधर जगूड़ी
दुनिया रोज बनती है	आलोक धन्वा
मोचीराम	सुदामा पाण्डे 'धूमिल'

16. इनमें से कौन सी रचना कृष्णा सोबती की है?

(A) विजन (B) आँवा
(C) जिन्दगीनामा (D) चितकोबरा

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
जिन्दगीनामा	1979 ई.	कृष्णा सोबती
विजन	2002 ई.	मैत्रेयी पुष्पा
आवाँ	1999 ई.	चित्रा मुद्गल
चित्तकोबरा	1979 ई.	मृदुला गर्ग

17. 'ताजमहल का टेंडर' किसका नाटक है?

(A) अजय शुक्ला (B) स्वदेश दीपक
(C) सुशील कुमार सिंह (D) विभुकुमार

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
ताजमहल का टेंडर	1999 ई.	अजय शुक्ला
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक
सिंहासन खाली है	1974 ई.	सुशील कुमार सिंह
कहे ईसा सुने मुसा	1984 ई.	विभु कुमार

18. अनुमितिवाद की अवधारणा किसकी है?

(A) भट्टनायक (B) विश्वनाथ
(C) भट्ट लोल्लट (D) शंकुक

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
सिद्धान्त/अवधारणा	**आचार्य**	**दर्शन**
अनुमितिवाद	शंकुक	न्याय दर्शन
भुक्तिवाद/भोगवाद	भट्टनायक	सांख्य दर्शन
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट	मीमांसा दर्शन
अभिव्यक्तिवाद	अभिनवगुप्त	शैव दर्शन
रस सिद्धान्त	भरतमुनि	–
साधारणीकरण	भट्टनायक	–
ध्वनि सिद्धान्त	आनन्दवर्धन	–

19. अलंकारों की काव्य का शोभाकारक धर्म किसने माना?

(A) भामह (B) दण्डी
(C) मम्मट (D) क्षेमेन्द्र

उत्तर – (B)

व्याख्या– 'काव्य शोभाकरान धर्मान अलंकार प्रचक्षते' अर्थात् काव्य के शोभाकरक धर्म ही अलंकार हैं। यह कथन दण्डी का है। अलंकार सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक भामह हैं। जबकि 'अनलंकृती पुनःक्वापि' कथन मम्मट का है। 'औचित्य' सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक क्षेमेन्द्र हैं।

20. भक्ति को रस रूप में प्रतिष्ठित करने वाले आचार्य हैं :

(A) मधुसूदन सरस्वती (B) जीव गोस्वामी
(C) बल्लभाचार्य (D) रूप गोस्वामी

उत्तर – (D)

व्याख्या–भक्ति को रस रूप में प्रतिष्ठित करने वाले आचार्य रूप गोस्वामी हैं। रूपगोस्वामी अपने ग्रंथ 'हरिभक्ति रसामृत सिन्धु' में मुख्य और गौण दो प्रकार का भक्ति रस माना है। रूप गोस्वामी के अनुसार भक्ति 'परम रसरूपा' हैं।

21. निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम क्या है?

(A) कीर्तिलता, रामचरितमानस, रसराज, प्रिय-प्रवास
(B) प्रिय-प्रवास, रसराज, रामचरितमानस, कीर्तिलता
(C) रामचरितमानस, प्रिय-प्रवास, कीर्तिलता, रसराज
(D) रसराज, प्रिय-प्रवास, कीर्तिलता, रामचरितमानस

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
काव्य ग्रंथ	**प्रकाशनवर्ष**	**ग्रंथकार**
कीर्तिलता	14वीं शताब्दी	विद्यापति
रामचरित मानस	1574 ई.	गोस्वामी तुलसीदास
रसराज	1663 ई.	मतिराम
प्रिय प्रवास	1914 ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

22. निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) नए पत्ते, आँसू, ग्रंथि, ठंडा लोहा
(B) ठंडा लोहा, ग्रंथि, आँसू, नए पत्ते
(C) आँसू, ग्रंथि, नए पत्ते, ठंडा लोहा
(D) नए पत्ते, ठंडा लोहा, ग्रंथि, आँसू

उत्तर – (*)

व्याख्या-		
काव्य कृति	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
ग्रन्थि	1920 ई.	सुमित्रानन्दन पंत
आँसू	1925 ई.	जयशंकर प्रसाद
नये पत्ते	1946 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
ठण्डा लोहा	1952 ई.	धर्मवीर भारती

नोट-जयशंकर प्रसाद कृत आँसू (1925 ई.) 133 छंदों का विरह प्रधान स्मृति काव्य है। इसे 'हिन्दी का मेघदूत' कहा जाता है।

23. निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) झूठा-सच, राग दरबारी, चन्द्रकांता, गोदान
(B) चन्द्रकांता, गोदान, झूठा-सच, राग दरबारी
(C) गोदान, राग दरबारी, झूठा-सच, चन्द्रकांता
(D) राग दरबारी, झूठा-सच, चन्द्रकांता, गोदान

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
चन्द्रकान्ता	1888 ई.	देवकीनंदन खत्री
गोदान	1936 ई.	प्रेमचन्द
झूठा सच	भाग एक-1958 भाग दो-1960	यशपाल
रागदरबारी	1968 ई.	श्रीलाल शुक्ल

24. निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) राम की लड़ाई, ध्रुव स्वामिनी, आधे-अधूरे, विद्या सुन्दर
(B) ध्रुव स्वामिनी, आधे-अधूरे, राम की लड़ाई, विद्या सुन्दर
(C) विद्या सुन्दर, राम की लड़ाई, आधे-अधूरे, ध्रुव स्वामिनी
(D) विद्या सुन्दर, ध्रुव स्वामिनी, आधे-अधूरे, राम की लड़ाई

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
विद्यासुन्दर	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
ध्रुवस्वामिनी	1933 ई.	जयशंकर प्रसाद
आधे-अधूरे	1969 ई.	मोहन राकेश
राम की लड़ाई	1979 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल

25. निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) पूर्वग्रह, कथादेश, मतवाला, हिन्दुस्तान
(B) हिन्दुस्तान, कथादेश, पूर्वग्रह, मतवाला
(C) मतवाला, हिन्दुस्तान, पूर्वग्रह, कथादेश
(D) कथादेश, पूर्वग्रह, मतवाला, हिन्दुस्तान

उत्तर – (C)

व्याख्या-			
पत्र-पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
मतवाला	1923 ई.	महादेव प्रसाद सेठ	साप्ताहिक/कलकत्ता
हिन्दुस्तान	1936 ई.	शशि शेखर	दैनिक
पूर्वग्रह	1974 ई.	अशोक वाजपेयी	मासिक/भोपाल
कथा देश	1997 ई.	हरिनारायण	मासिक/दिल्ली

26. निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) तिरिछ, शरणागत, तीसरी कसम, उसने कहा था
(B) तीसरी कसम, तिरिछ, शरणागत, उसने कहा था
(C) उसने कहा था, शरणागत, तीसरी कसम, तिरिछ
(D) शरणागत, तीसरी कसम, तिरिछ, उसने कहा था

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
उसने कहा था	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
शरणागत	1955 ई.	वृन्दावनलाल वर्मा
तीसरी कसम	1956 ई.	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
तिरिछ	1989 ई.	उदय प्रकाश

27. निम्नलिखित निबंधों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) चिन्तामणि, अशोक के फूल, छितवन की छांह, रस-आखेटक
(B) रस-आखेटक, अशोक के फूल, छितवन की छांह, चिन्तामणि
(C) चिन्तामणि, रस-आखेटक, छितवन की छांह, अशोक के फूल
(D) अशोके के फूल, छितवन की छांह, चिन्तामणि, रस-आखेटक

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
निबन्ध संग्रह	**प्रकाशन वर्ष**	**निबन्धकार**
चिन्तामणि (भाग-1)	1939 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
अशोक के फूल	1948 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
छितवन की छाँह	1953 ई.	विद्यानिवास मिश्र
रस-आखेटक	1970 ई.	कुबेरनाथ राय

28. निम्नलिखित का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) अस्तित्ववाद, संरचनावाद,यथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद
(B) यथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद,अस्तित्ववाद, संरचनावाद
(C) मनोविश्लेषणवाद,संरचनावाद, अस्तित्ववाद, यथार्थवाद
(D) संरचनावाद,यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
सिद्धान्त	**प्रवर्तक**	**समय**
संरचनावाद	विको	1725 ई.
यथार्थवाद	वाल्जाक (फ्रांस) जार्ज एलियट (ब्रिटेन) हावेल (अमेरिका)	19वीं शताब्दी
अस्तित्ववाद	कीर्केगार्द/पास्कल	1815-55 ई.
मनोविश्लेषणवाद/ फ्रायडवाद	सिगमंड फ्रायड	1856-1939 ई.

29. इन रचनाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) रेखाएं बोल उठी — (i) महादेवी वर्मा
(B) अतीत के चलचित्र — (ii) रामवृक्ष बेनीपुरी
(C) जिन्दगी मुसकाई — (iii) देवेन्द्र सत्यार्थी
(D) मील का पत्थर — (iv) श्रीलाल शुक्ल
(v) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	ii	v	i	iv
(B)	iii	ii	v	iv
(C)	v	iv	i	iii
(D)	iii	i	v	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-			
रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**	**विधा**
रेखाएँ बोल उठीं	1949 ई.	देवेन्द्र सत्यार्थी	रेखाचित्र
अतीत के चलचित्र	1941 ई.	महादेवी वर्मा	रेखाचित्र
जिन्दगी मुसकाई	1953 ई.	कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	संस्मरण
मील का पत्थर	1956 ई.	रामवृक्ष बेनीपुरी	संस्मरण
अगली शताब्दी का शहर	1996 ई.	श्रीलाल शुक्ल	निबन्ध संग्रह

30. इन साहित्येतिहास ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) हिन्दी साहित्य का नया इतिहास — (i) रामकुमारवर्मा
(B) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास — (ii) गणपति चन्द्र गुप्त
(C) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — (iii) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(D) हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास — (iv) लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
(v) राम खेलावन पांडे

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	v	ii	i	iii
(B)	ii	iii	iv	i
(C)	iii	i	v	ii
(D)	ii	iv	iii	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
इतिहास ग्रन्थ	**प्रकाशन वर्ष**	**इतिहासकार**
हिन्दी साहित्य का नया इतिहास	1969 ई.	राम खेलावन पांडे
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	दो भाग- 1965 ई.	गणपतिचन्द्र गुप्त
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938 ई.	रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	1986 ई.	रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दुई साहित्य का इतिहास (अनुवादित)	1953 ई.	लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

31. इन काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक — (i) दिनकर
(B) साँप तुम सभ्य हुए नहीं — (ii) धूमिल
(C) एक आदमी रोटी बेलता है — (iii) निराला
(D) श्वानों को मिलता दूध भात भूखे बालक अकुलाते हैं — (iv) नागार्जुन
(v) अज्ञेय

कोड-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	iv	v	i	ii
(B)	v	i	iv	iii
(C)	iii	v	ii	i
(D)	i	ii	v	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
काव्य पंक्ति	**कवि**
पेट पीठ दोनों मिलकर है एक	निराला
साँप तुम सभ्य तो हुए नहीं	अज्ञेय
एक आदमी रोटी बेलता है	धूमिल
श्वानो को मिलता दूध भात भूखे बालक अकुलाते हैं	दिनकर
घुन खाये शहतीरों पर बारह खड़ी विधाता बाँचे	नागार्जुन

32. इन काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) अति सूधो सनेह को मारग है — (i) पदमाकर
(B) साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढ़ि — (ii) भिखारी दास
(C) गुलगुली गिल में गलीचा है गुनीजन है — (iii) भूषण
(D) आगे के कवि रीझिहै तो कविताई न तो राधिका कन्हाई सुमिरन को बहानौ है — (iv) बोधा
(v) घनानन्द

कोड-

	A	B	C	D
(A)	iv	i	iii	v
(B)	v	iii	iv	i
(C)	ii	v	i	iii
(D)	v	iii	i	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

काव्य पंक्ति	पंक्तिकार
अति सूधो सनेह को मारग है	घनानन्द
साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढ़ि	भूषण
गुलगुली गिल में गलीचा है गुनीजन है	पद्माकर
आगे के कवि .....बहानौ है	भिखारीदास
अति खीन मृनाल के तारहु ते नहिं ऊपर पाँव दै आवनो है। यह प्रेम को पंथ कराल महा तरवारि की धार पै धावनो है।।	बोधा

33. इन रचनाओं को उनकी काव्य भाषा के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) विजयपाल रासो	(i) हिन्दवी
(B) चर्यागीत	(ii) अपभ्रंश
(C) कीर्तिलता	(iii) संधाभाषा
(D) खुसरों की पहेलियाँ	(iv) अवहट्ट
	(v) मैथिली

कोड-

	A	B	C	D
(A)	iii	v	iv	i
(B)	iv	i	iii	ii
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	iii	v	i	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या

रचना	रचनाकार	भाषा
विजयपाल रासो	नल्ल सिंह	अपभ्रंश
चर्यागीत कोश	सरहपा	संधा भाषा
पदावली	विद्यापति	मैथिली
खुसरो की पहेलियाँ	अमीर खुसरो	हिन्दवी
कीर्तिलता	विद्यापति	अवहट्ठ

नोट-चर्यागीत कोश सरहपा की रचना तथा चर्यापद शबरपा की रचना है।

34. इन संस्थाओं को उनके स्थानों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) नागरी प्रचारिणी सभा	(i) दिल्ली
(B) साहित्य अकादमी	(ii) मद्रास
(C) एशियाटिक सोसायटी	(iii) काशी
(D) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति	(iv) कलकत्ता
	(v) वर्धा

कोड-

	A	B	C	D
(A)	iv	v	i	ii
(B)	i	iii	v	iv
(C)	iii	ii	iv	v
(D)	iii	i	iv	v

उत्तर – (D)

व्याख्या-

संस्था	प्रकाशन वर्ष	स्थान
नागरी प्रचारिणी सभा	1893 ई.	काशी
साहित्य अकादमी	1954 ई.	दिल्ली
एशियाटिक सोसायटी	1784 ई.	कलकत्ता
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति	1936 ई.	वर्धा
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार संस्था	1918 ई.	मद्रास

35. इन नाटकों को उनके नाटककारों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) कोमल गांधार	(i) भीष्म साहनी
(B) मुक्ति का रहस्य	(ii) सुरेन्द्र वर्मा
(C) करफ्यू	(iii) लक्ष्मीनारायण मिश्र
(D) माधवी	(iv) शंकर शेष
	(v) लक्ष्मीनारायण लाल

कोड-

	A	B	C	D
(A)	iv	iii	v	i
(B)	ii	v	i	iii
(C)	iv	ii	v	i
(D)	i	iii	ii	v

उत्तर – (A)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
कोमल गांधार	1982 ई.	शंकरशेष
मुक्ति का रहस्य	1932 ई.	लक्ष्मी नारायण मिश्र
करफ्यू	1972 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल
माधवी	1982 ई.	भीष्म साहनी
द्रौपदी	1972 ई.	सुरेन्द्र वर्मा

36. इन चरित्रों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) सुन्दरी	(i) चन्द्रगुप्त
(B) कल्याणी	(ii) देहान्तर
(C) उर्वी	(iii) शकुन्तला की अंगूठी
(D) कनक	(iv) लहरों के राज हंस
	(v) पहला राजा

कोड-

	A	B	C	D
(A)	iv	i	v	iii
(B)	iii	ii	i	v
(C)	v	i	iii	ii
(D)	i	iv	v	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार	पात्र
लहरों के राजहंस	1963 ई.	मोहन राकेश	सुन्दरी, नंद, अलका,श्यामांग
चन्द्रगुप्त	1931 ई.	जयशंकर प्रसाद	कल्याणी, चाणक्य, अलका,सुवासिनी

पहला राजा	1969 ई.	जगदीशचन्द्र माथुर	उर्वी, पृथु, शुक्राचार्य
शकुन्तला की अंगूठी	1990 ई.	सुरेन्द्र वर्मा	कनक
देहान्तर	1987 ई.	नन्द किशोर आचार्य	शर्मिष्ठा, ययाति देवयानी, पुरु

37. इन कविताओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) परिवर्तन (i) अज्ञेय
(B) यमुना के प्रति (ii) पंत
(C) पेशोला की प्रतिध्वनि (iii) निराला
(D) सोन मछली (iv) धर्मवीर भारती
(v) प्रसाद

कोड-

	A	B	C	D
(A)	iii	iv	i	v
(B)	iii	v	ii	i
(C)	ii	iii	v	i
(D)	v	ii	i	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

कविता	कवि
परिवर्तन	सुमित्रानंदन पंत
यमुना के प्रति	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
पेशोला की प्रतिध्वनि	जयशंकर प्रसाद
सोन मछली	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
प्रमथ्युगाथा	धर्मवीर भारती

38. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) पहल (i) कमला प्रसाद
(B) वसुधा (ii) नन्द किशोर नवल
(C) तद्भव (iii) ज्ञान रंजन
(D) कथाक्रम (iv) अखिलेश
(v) शैलेन्द्र सागर

कोड-

	A	B	C	D
(A)	i	ii	iii	v
(B)	iii	i	iv	v
(C)	v	ii	i	iii
(D)	iii	i	v	ii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पत्र/पत्रिका	स्थापना वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
पहल	1960 ई.	ज्ञानरंजन	त्रैमासिक/जयपुर
वसुधा	1956 ई.	हरिशंकर परसाई/कमला प्रसाद	त्रैमासिक/म.प्र. प्रगातिशील
तद्भव	1999 ई.	अखिलेश	त्रैमासिक/लखनऊ
कथाक्रम	2000 ई.	शैलेन्द्र सागर	त्रैमासिक/लखनऊ
कसौटी	1999 ई.	नन्दकिशोर नवल	त्रैमासिक/पटना

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50 तक) के उत्तरों के लिए दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें-

शील हृदय की वह स्थायी स्थिति है जो सदाचार की प्रेरणा आप से आप करती है। सदाचार ज्ञान द्वारा प्रवर्तित हुआ है या भक्ति द्वारा, इसका पता यों लग सकता है कि ज्ञान द्वारा प्रवर्तित जो सदाचार होगा, उसका साधन बड़े कष्ट से- हृदय को पत्थर के नीचे दबाकर- किया जायेगा; पर भक्ति द्वारा प्रवर्तित जो सदाचार होगा, उसका अनुष्ठान बड़े आनन्द से, बड़ी उमंग के साथ, हृदय से होता हुआ दिखाई देगा। उसमें मन को मारना न होगा, उसे और सजीव करना होगा। कर्तव्य और शील का वही आचरण सच्चा है जो आनन्दपूर्वक हर्षपुलक के साथ हो।

39. सदाचार किन से प्रवर्तित होता है?

(A) प्रेम और भक्ति द्वारा (B) भक्ति और धर्म द्वारा
(C) धार्मिक भावना द्वारा (D) ज्ञान और भक्ति द्वारा

उत्तर – (D)

व्याख्या–सदाचार ज्ञान और भक्ति के द्वारा प्रवर्तित होता है।

40. भक्ति द्वारा प्रवर्तित सदाचार का अनुष्ठान कैसे होता है?

(A) आनन्द से और हृदय से (B) कष्ट से किन्तु हृदय से
(C) ज्ञान और हृदय से (D) भक्ति और ज्ञान से

उत्तर – (A)

व्याख्या–भक्ति द्वारा प्रवर्तित सदाचार का अनुष्ठान बड़े आनन्द से तथा बड़ी उमंग के साथ हृदय से होता हुआ दिखाई देता है।

41. ज्ञान द्वारा प्रवर्तित सदाचार का पता कैसे लगता है?

(A) हृदय को साथ लेकर
(B) कष्टपूर्वक हृदय को दबाकर
(C) प्रेमपूर्वक हृदय को दबाकर
(D) बुद्धि के प्रयोग द्वारा

उत्तर – (B)

व्याख्या–ज्ञान द्वारा प्रवर्तित सदाचार का पता कष्टपूर्वक हृदय को दबाकर किया जाता है।

42. कर्तव्य और शील का कौन-सा आचरण सच्चा है?

(A) जो ज्ञान और बुद्धि से युक्त हो
(B) जो हृदय और बुद्धि से युक्त हो
(C) जो आनन्द और हर्ष से युक्त
(D) जो कर्तव्य ज्ञान से युक्त हो

उत्तर – (C)

व्याख्या–कर्तव्य और शील का वही आचरण सच्चा है जो आनन्द और हर्ष से युक्त हो।

43. हृदय की वह कौन-सी स्थायी दशा है जो सदाचार को प्रेरित करती है?

(A) प्रेम दशा (B) शील दशा
(C) ज्ञान दशा (D) भक्ति

उत्तर – (B)